ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जबरन वसूली करने वाली सरकार के खिलाफ व्यापक जनाक्रोश @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 01 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-241

ट्रंप के टैरिफ-ट्रिक का जोरदार जवाब

मोदी और जिनपिंग ने दिया भारत-चीन एकता का संदेश

चीन और भारत को साथ आने की जरूरत : जिनपिंग

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 31 अगस्त को तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं के शिखर सम्मेलन के अवसर पर चीन (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों देशों के प्रमुखों की मौजूदगी में प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों में फिर से गर्माहट लाने के लिए पहल शुरू की है। दोनों नेताओं ने अपनी बैठक में भारत-चीन के एक बार फिर से साथ आने पर जोर दिया है। पीएम मोदी ने जिनपिंग के समक्ष आतंकवाद और उससे उत्पन्न चुनौतियों का मुद्दा भी उठाया और उनसे समर्थन की अपेक्षा की।

पीएम मोदी ने पिछले कुछ समय में दोनों देशों के संबंधों में आई प्रगति का जिक्र किया और कहा कि सीमा पर तनातनी खत्म के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना हुआ है। पीएम मोदी ने कहा, हमारे विशेष प्रतिनिधियों के बीच सीमा प्रबंधन (बॉर्डर मैनेजमेंट) के संबंध में सहमति बनी है। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात को रेखांकित किया कि भारत-चीन का आपसी सहयोग कितना जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा, हमारे सहयोग से दोनों देशों के 2.8 बिलियन लोगों के हित जुड़े हुए हैं। इससे पूरी मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा। परस्पर विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर हम अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और चीन दोनों ही रणनीतिक स्वायत्तता के पक्षधर हैं और उनके संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। साथ ही, पीएम मोदी ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग को 2026 में भारत द्वारा आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आमंत्रित भी किया। पीएम मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर राष्ट्रपति जिनपिंग का साथ मांगा है।

हमारी साझेदारी से पूरी मानवता का कल्याण होगा: मोदी

मोदी ने आतंकवाद और उसकी चुनौतियों का भी मुद्दा रखा

एससीओ समिट के दरम्यान मोदी-पुतिन की भी होगी भेंट

यूक्रेन युद्ध खत्म करने हेतु मोदी ने की जेलेंस्की से वार्ता

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पीएम मोदी का चीन में स्वागत किया है। जिनपिंग ने कहा, चीन और भारत को साथ आने की जरूरत है। दुनिया परिवर्तन की ओर बढ़ रही है और ऐसे समय में भारत और चीन की भूमिका बेहद अहम है। जिनपिंग ने कहा, भारत और चीन दुनिया की दो सबसे पुरानी सभ्यताएं हैं और सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। ऐसे में मित्र बने रहना, अच्छे पड़ोसी बनना और दोनों देशों का साथ आना जरूरी है। जिनपिंग ने कहा, चीन-भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी साझेदार हैं और दोनों देश एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं, बल्कि विकास के अवसर हैं। दोनों देशों को द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखने और संभालने की आवश्यकता है। जिनपिंग ने कहा कि भारत-चीन को अपने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। साथ ही, सीमा के मुद्दे को पूरे भारत-चीन संबंधों की धुरी नहीं बनने देना चाहिए।

पीएम मोदी और जिनपिंग की इस मुलाकात पर जितनी भारत-चीन के लोगों की नजरें हैं, उतनी ही अमेरिका की भी हैं। ▶10 पर

चुनाव आयोग द्वारा प. बंगाल में भी वोटर-लिस्ट संशोधन शुरू

बांग्लादेश से सटे पश्चिम बंगाल के जिलों में हड़कंप

जन्म प्रमाण-पत्र लेने के लिए मच गई होड़

कोलकाता, 31 अगस्त (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा बिहार की तरह पश्चिम बंगाल में भी मतदाता सूची के संशोधन (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू करने के बाद से पश्चिम बंगाल में हड़कंप मचा हुआ है। जन्म प्रमाण-पत्र लेने के लिए होड़ मची हुई है। मुस्लिम बहुल इलाकों में हजारों लोग जन्म प्रमाण-पत्र सुधारने, उसका डिजिटलीकरण कराने और नए जन्म प्रमाण-पत्र बनवाने के लिए नगर पालिकाओं, पंचायतों और अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। जन्म प्रमाण-पत्र के लिए आवेदनों की संख्या 50 गुना बढ़ गई है।

जन्म प्रमाण-पत्र के लिए आवेदनों की संख्या 50 गुना बढ़ी

पश्चिम बंगाल में अगले साल चुनाव होने हैं। इसी बीच चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जैसे ही यह काम शुरू हुआ, बांग्लादेश सीमा से सटे मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में अफरा तफरी मच गई। यहां मुस्लिम बहुल इलाकों में हजारों लोग जन्म प्रमाण पत्र सुधारने, डिजिटलीकरण करवाने और नए सिरे से बनवाने के लिए नगर पालिकाओं, पंचायतों और अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। लोग खुलेआम दोगुनी कीमत पर स्टाम्प पेपर खरीद रहे हैं और वकीलों को भारी-भरकम फीस चुका रहे हैं। लोगों में इस बात का डर साफ है कि कहीं एनआरसी या विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) लागू हुआ तो भारतीय होने का सबूत सिर्फ यही कागज देगा।

बरहामपुर नगर पालिका का हाल ऐसा है कि यहां रोजाना 10-12 आवेदन आते थे, अब अचानक यह संख्या 500-600 तक पहुंच गई है। लोग सुबह 7 बजे से लंबी-लंबी लाइनों में खड़े रहते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष नारुगोपाल मुखर्जी मानते हैं कि हालात काबू से बाहर हैं। फॉर्म संग्रह, सुधार, विलंबित नए जन्म प्रमाण पत्र और डिजिटलीकरण के लिए अलग-अलग कियोस्क बनाए गए हैं। लेकिन भीड़ इतनी है कि अधिकारी भी परेशान हैं। 65 साल के अबुल कासिम शेख अपने गांव से 45 किलोमीटर दूर सिर्फ इसलिए आए हैं कि उनकी बेटी का 20 साल पुराना जन्म रजिस्ट्रेशन लाल कागज से बदलकर डिजिटल सफेद प्रिंटआउट हो जाए। शेख कहते हैं, गांव में हर कोई यही कह रहा है कि लाल वाले की कोई कीमत नहीं, सफेद चाहिए। नौदा से आई समीरुन बीबी अपने दोनों बेटों के जन्म प्रमाण पत्र अपडेट करवाने पहुंची हैं। वे साफ कहती हैं, हमें डर है कि कल एनआरसी आ जाएगा और पहले हमारा वोटिंग राइट छिन जाएगा, फिर हमें बाहर निकाल देंगे। इसीलिए यह काम अभी निपटाना जरूरी है।

जन्म प्रमाण पत्र सुधारने की भीड़ का सीधा फायदा वकीलों और बिचौलियों को हो रहा है। मुर्शिदाबाद कोर्ट के बाहर वकीलों के टेंट लगे हैं, जहां रोजाना सैकड़ों हलफनामे तैयार हो रहे हैं। वकील सैयद रामी बताते हैं, आमतौर पर मुझे हफ्ते में 10-12 स्टाम्प पेपर की जरूरत होती थी। पिछले हफ्ते 500 लिए और इस हफ्ते 600 से ज्यादा। ▶10 पर

सेंगोल के बाद संसद में स्थापित होंगे रथयात्रा के पहिए

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जगन्नाथपुरी रथयात्रा के दौरान इस्तेमाल किए गए रथों के तीन पहिए संसद परिसर में स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। ओम बिरला हाल ही में पुरी दौरे पर गए थे और वहीं श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने उन्हें यह प्रस्ताव दिया था।

ये तीनों पहिए भगवान जगन्नाथ के रथ नंदीघोष, देवी सुभद्रा के रथ दर्पदलन और भगवान बलभद्र के रथ तालध्वज से निकाले जाएंगे। इन पहियों को संसद में ओडिशा की संस्कृति और विरासत के प्रतीक के तौर पर स्थापित किया जाएगा। गौरतलब है कि वार्षिक रथ यात्रा के बाद तीनों रथों को हर वर्ष खंडित कर दिया जाता है। ▶10 पर

बिहार वोटर लिस्ट पर राहुल गांधी का दावा फेल

कांग्रेस ने दाखिल नहीं की एक भी आपत्ति

पटना, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार वोटर लिस्ट को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनके पिछलग्गू बने कुछ खास दलों का दावा पूरी तरह फेल साबित हुआ। कांग्रेस पार्टी ने चुनाव आयोग के बार-बार कहने के बावजूद एक भी आपत्ति दाखिल नहीं की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि वोट चोरी के नाम पर राहुल गांधी सिर्फ सियासी-नौटंकी कर रहे हैं।चुनाव आयोग के बुलेटिन के मुताबिक, अब तक राष्ट्रीय और राज्य स्तर की राजनीतिक पार्टियों ने जो दावे-आपत्तियां दर्ज कीं, वे काफी कम हैं। नेशनल पार्टियों में आम आदमी पार्टी ने 1, बहुजन समाज पार्टी ने 74, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 53,338, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) ने 899, और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने शून्य दावे-आपत्तियां दर्ज कीं। बिहार की पार्टियों में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी लिबरेशन) ने 1,496 (जिनमें 103 बहिष्करण के लिए), जनता दल (यूनाइटेड) ने 36,550, लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) ने 1,210, राष्ट्रीय जनता दल ने 47,506 (जिनमें सिर्फ 10 बहिष्करण के लिए), राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी ने 1,913, और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी ने 270 दावे-आपत्तियां दर्ज कीं। सबसे हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस ने एक भी दावा या आपत्ति नहीं की जबकि राहुल गांधी ▶10 पर

वोट चोरी के नाम पर फूहड़ राजनीतिक-नौटंकी कर रहे राहुल गांधी

वोटर अधिकार यात्रा में आने के लिए लोगों को दिए 5-5 सौ रुपए

रूस से तेल का आयात जारी रहेगा : ओएनजीसी

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सरकारी कंपनी ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) ने आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट कर दिया कि ओएनजीसी रूस से तेल खरीदना तब तक जारी रखेगी, जब तक यह व्यावसायिक रूप से संभव है और सरकार इसकी अनुमति देती है। ओएनजीसी के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान में रूसी तेल पर कोई प्रतिबंध नहीं है और कंपनी रूस से तेल का आयात जारी रखेगी। यह महत्वपूर्ण घोषणा ऐसे समय की गई है जब भारत को रूसी तेल खरीदने पर मौजूदा 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। ▶10 पर

काला धन सफेद कर रहे फर्जी सियासी दल : याचिका

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर चुनाव आयोग से राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए नियम बनाने की मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि फर्जी दल काले धन को सफेद करने और अपराधियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। इसमें कहा गया कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ठोस कानून जरूरी है।

याचिका में चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन के लिए ठोस नियम बनाने का निर्देश देने की सुप्रीम कोर्ट मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि देश में फर्जी और बेनामी राजनीतिक दल लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। ये दल न सिर्फ अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को अपने पदाधिकारी बना रहे हैं, बल्कि भारी चंदा लेकर अपराधियों को संगठन में जगह दे रहे हैं। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और पारदर्शिता पर सीधा हमला हो रहा है।

याचिका में दावा किया गया है कि कई ऐसे दल अस्तित्व में आ गए हैं, जिन्होंने अपहरणकर्ताओं, ड्रग्स तस्करों, मनी लॉन्ड्रिंग करने वालों और कुख्यात अपराधियों को राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पदाधिकारी बना दिया है। इन दलों ने बड़ी धनराशि लेकर अपराधियों को संरक्षण दिया और उन्हें राजनीतिक वैधता प्रदान की। याचिका में यह भी आरोप है कि अलगाववादी समूहों ने भी राजनीतिक दल बनाकर चंदा इकट्ठा करने का ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,06,690/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,23,630/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 23^0

रूसी तेल खरीदने से नाराज नहीं हैं ट्रंप, उनका गुस्सा इसलिए है कि...

मोदी ने नोबेल पुरस्कार की सिफारिश करने से मना क्यों कर दिया!

न्यूयॉर्क, 31 अगस्त (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध के दरम्यान रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत से नाराजगी तो केवल एक बहाना है। ट्रंप का असली गुस्सा तो इसलिए है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप की सिफारिश करने और नॉमिनेशन भेजने से साफ मना कर दिया। इसी आपाधापी में ट्रंप ने अपनी सारी मर्यादा ताक पर रख कर पाकिस्तान जैसे देश से अपना नाम नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट कराया। अमेरिका से ही प्रकाशित महत्वपूर्ण अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने डोनाल्ड ट्रंप के इस असलियत की पोल दुनिया के खोल कर रख दी है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट से दुनिया के सामने ट्रंप के भारत पर भड़के होने का असलरी राज खुल गया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में तथ्यपूर्ण संदर्भों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रिश्तों में आई खटास की बड़ी वजह रूसी तेल नहीं बल्कि भारत का ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित नहीं करना है। गौरतलब है कि ट्रंप ने जब भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की बात कही थी तो उसके बाद पाकिस्तान ने उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर दिया था। पाकिस्तान की फौज के मुखिया आसिम मुनीर की व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात हुई थी और इसके कुछ दिनों बाद ही पाकिस्तान ने औपचारिक रूप से ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया था। यह सब आपाधापी में तब किया गया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोबेल पुरस्कार के लिए ट्रंप का नाम नॉमिनेट करने से साफ इन्कार कर दिया।

अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने ट्रंप की खोल दी पोल

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप पीएम मोदी पर नॉमिनेशन का दबाव डाल रहे थे। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित रिपोर्ट कहती है, 17 जून को हुई एक फोन कॉल में ट्रंप ने फिर वही भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम की बात छेड़ दी। ट्रंप ने श्रेय लेते हुए कहा कि उन्होंने सैन्य तनाव को खत्म कर दिया है। ट्रंप ने फोन पर मोदी से यहां तक कह दिया कि वे नोबेल शांति पुरस्कार के लिए उन्हें नॉमिनेट करें, नहीं तो वे पाकिस्तान से नॉमिनेशन ले लेंगे। इस टेलीफोनिक कॉल से वाकिफ लोगों के अनुसार, इस बातचीत का मतलब मोदी पर सीधा दबाव था, जिसे मोदी ने साफ-साफ मना कर दिया। मोदी ने ट्रंप से साफ-साफ कह दिया कि हालिया युद्धविराम में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं थी। यह फैसला सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था। ट्रंप ने मोदी की इस बात को ज्यादा तवज्जो नहीं दी लेकिन यह असहमति और नोबेल के मुद्दे पर मोदी का ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

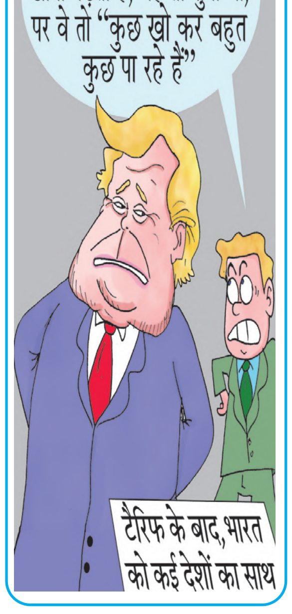

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव बढ़ाएंगे एक्सपो का गौरव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर, जीतो एपेक्स-महिला विंग एवं जीतो-केकेजी जोन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 5, 6 और 7 सितम्बर को त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड्स में जीतो जेवर एक्सपो और द ब्राइडल स्टोरी का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस आयोजन में गौरव मय उपस्थिति हेतु जीतो के एक प्रतिनिधिमंडल ने कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव से भेंट कर उन्हें आमंत्रित किया। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल व्यापार जगत को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि समाज को भी स्वस्थ, सशक्त और संगठित बनाने में भूमिका निभाते हैं। विवाह और ज्वेलरी उद्योग से जुड़े इस भव्य एक्सपो का हिस्सा बनकर मुझे प्रसन्नता होगी। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि यह एक्सपो विवाह उद्योग और ज्वे-लरी जगत के लिए एक अनूठा मंच सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि आधुनिक समय में विवाह उद्योग केवल व्यापारिक अवसर नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, कल्याण और जीवनशैली से भी जुड़ा हुआ है। इस आयोजन के माध्यम से हम समाज की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा कि इस एक्सपो से बेंगलूरु सहित पूरे कर्नाटक में ज्वेलरी और वेडिंग इंडस्ट्री को नई पहचान मिलेगी। साथ ही स्वास्थ्य और जीवनशैली के पहलुओं पर भी सकारात्मक संदेश जाएगा। व्यापार और समाज को जोड़ने का यह प्रयास जीतो की सोच और दृष्टि को दर्शाता है। इस आमंत्रण प्रक्रिया में जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की टीम से प्रितेश जैन (सचिव), सुरेश गन्ना (कन्वीनर), संजीव गन्ना (सह-कन्वीनर), राकेश पोखरना (मैनेजिंग कमेटी सदस्य), प्रवीण गन्ना, प्रमोद भंडारी (सदस्य) एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी' न केवल व्यापार जगत के लिए एक बड़ा अवसर होगा, बल्कि विवाह से जुड़ी हर आवश्यकता को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराकर समाज में नई सोच और सुविधा का मार्ग प्रशस्त करेगा।

शिक्षा सबके लिए के तहत बांटे 2100 स्कूल बैग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायूम बेंगलूरु समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय भूमिका निभाता आ रहा है। इसी क्रम में मंच ने शिक्षा सबके लिए अभियान के अंतर्गत कुल 2100 स्कूल बैग वितरित किए। यह वितरण दो चरणों में सम्पन्न हुआ। पहला चरण 23 अगस्त को हुआ, जिसमें अरसीकेरे क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में 1100 बैग बाँटे गए। दूसरा चरण 30 अगस्त को जवगल क्षेत्र के स्कूलों में हुआ, जहाँ 1000 बैग बच्चों तक पहुँचाए गए। इस सेवा कार्य के लिए टीम ने बेंगलूरु से लगभग 200 किमी दूर जाकर बच्चों तक बैग पहुँचाए।

बच्चों ने बैग पाकर खुशी व्यक्त की और स्कूल जाने का नया उत्साह महसूस किया। इस कार्यक्रम के संयोजक पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, पूर्व अध्यक्ष स्ने-हकुमार जाजू, पुनीत राठी और आशु मित्तल रहे, जिन्होंने इस पूरे अभियान को योजनाबद्ध तरीके से सम्पन्न कराया। इस पुनीत कार्य को संभव बनाने में एवन प्लास्ट ग्रुप (सुनील बजाज) का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। उनके सहयोग से हजारों बच्चों को स्कूल बैग उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू, सचिव सनी जैन और समिति के अन्य कई सक्रिय सदस्य भी उप-स्थित रहे।

स्वयं का स्वयं से अध्ययन के लिए स्वाध्याय जरूरी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि आगम में मोह को दुख कहा है। मोह कषाय की जननी होती है। राग और द्वेष मोह के कारण ही पनपते है। यह आत्मा अनंत काल से मोह के बंधन से जकड़ी हुई है। मोहनिय कर्म बहुत खेल खेलता है और भटकाता है। धर्म स्थान में आने से रोकने में भी मोह कर्म ही कारण होता है। परन्तु यदि समय रहते अपने बच्चों को धर्म स्थान से नहीं जोड़ा तो वृद्धाश्रम संस्कृति को कोई नहीं रोक पाएगा।

इस से पूर्व प्रवचन में साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि स्वयं का स्वयं से अध्ययन के लिए स्वाध्याय जरूरी है। स्वाध्याय से हम अपने गुण अवगुण से परिचित होते हैं और आत्मा शुद्ध हो जाती है। स्वाध्याय एक तप भी है। स्वाध्याय से संकल्प विकल्प से मुक्ति मिलती है और धर्म में स्थित होते हैं। स्वाध्याय अमृत है और प्रमाद इसका शत्रु है। कर्मों की निर्जरा और मन की एकाग्रता के लिए स्वाध्याय जरूरी है। इससे हित अहित का ज्ञान होता है।

प्रवचन सभा में नेहा जांगड़ा ने 12 उपवास और आशा गुलेच्छा ने 24 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। सभा संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि आगामी जय जयंती के संदर्भ में जय जाप, आयंबिल और गुणानुवाद सहित त्रिदिवसीय आयोजन रहेंगे। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

अमंगल को टालने का उपाय है आयंबिल: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने आयंबिल तप का महत्व बताते हुए कहा कि अमंगल को टालने का उपाय है आयंबिल।

मनोकामनाओं की पूर्ति का आधार है आयंबिल। रस परित्याग की साधना है आयंबिल। आध्यात्मिक उन्नति का अलंकार है आयंबिल। मनोवृत्तियों पर नियंत्रण की प्रक्रिया है आयंबिल। अणाहारी पद की आराधना है आयंबिल। दुर्भाग्य को दूर करने का तरीका है आयंबिल। सौभाग्यशाली जीवन का वरदान है आयंबिल। उन्होंने कहा कि

60,000 साल तक आयंबिल कर सुंदरी जी ने शरीर की कांति को नष्ट कर आत्मिक शक्ति को प्राप्त किया। वर्धमान तप की अखंड 100 ओली पूरी करने वाले प्रथम राजा - चंद्र राजा बने। उसका फल मिला केवलज्ञान और 800 चौबीसी तक उनका नाम अमर रहेगा। सनत चक्रवर्ती ने पूर्वभव में वर्धमान तप की ओली पूर्ण की थी।

श्री नेमिनाथजी के उपदेश से द्वारिका नगरी पर आये हुए उपद्रव को टालने के लिए 12 सालों तक आयंबिल की अखंड आराधना हुई थी। पांच पांडवों ने पूर्वभव में वर्धमान तप की आराधना की थी। घातकी खंड के पद्मनाभ राजा के चंगुल में आने पर द्रौपदी ने छह महिने तक छठ्ठ के पारणे आयंबिल किये, जिससे संकट दूर हुआ। महासती दमयंती ने पूर्वभव में तीर्थंकर तप 504 अखंड आयंबिल से करके 24 भगवान के ललाट पर रत्न के टिके किये। चरम केवली जंबुस्वामी ने 12 साल तक छठ्ठ के पारणे आयंबिल किये। मुनिसुंदरसूरि जी ने जावज्जीव आयंबिल करके संतिकरम स्तोत्र लिखा। सिंहसेन दिवाकर सूरिने 9 वर्ष तक अखंड आयंबिल आराधना की।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ उपाध्यक्ष राजेन्द्र पोरवाल ने बताया कि काफी संख्या में आयंबिल की आराधना हुई। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के 108 अभिषेक का लाभ शकुबाई, मफतलाल खंगारमल पांथेडी वालो ने लिया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती का लाभ जडिया बाई किशोरमल जैन, मंगल दीपक आरती पुरिबाई रिखबचंद पोरवाल, गुरुदेव की आरती अशोक कुमार बाबुलाल जैन ने लिया। आयंबिल की व्यवस्था मोहनलाल आशापुरा ने संभाली। ट्रस्टी राजु भंडारी, संजय पोरवाल, सुरेश पोरवाल उपस्थित रहे। राजेन्द्र नवयुवक मंडल, राजेन्द्र महिला मंडल ने व्यवस्था में सहयोग किया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बंध कर्मों की निर्जरा के लिए पुरुषार्थ जरूरी: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि मनुष्य के जीवन में चार बातें बहुत ही दुर्लभ होती हैं।

जब भाग्य का उदय होता है तभी मिलती हैं। पहली बात यह है कि मानवता मिलना बहुत ही मुश्किल है। दूसरा धर्म का श्रवण और भगवान की वाणी मिलना भी मुश्किल है। सुनाने वाले मिल जाएं तो सुनने वाले नहीं मिलते हैं। इसलिए यह बहुत ही मुश्किल है। सुनने वाले के साथ सुनाने वाले भी बहुत ही मुश्किल से मिलते हैं। तीसरी बात श्रद्धा और विश्वास होना बहुत जरूरी है। लोग सुनते हैं लेकिन उस पर श्रद्धा होता है या नहीं यह बहुत ही मुश्किल है। मनुष्य दस जगह कुआं खोदे तो पानी नहीं मिलता है, लेकिन एक जगत अगर श्रद्धा से लग जाए तो पानी जरूर मिल जाएगा। चौथी बात पुरुषार्थ करना बहुत मुश्किल है। लोग कहते हैं पर पुरुषार्थ की बात आती है तो वह नहीं कर पाते हैं। आखें, कान और नाक सभी की एक है, लेकिन चतुर की बात अलग होती है। जिन्होंने गुरुभगवतों से ज्ञान पाया है वह संत एक जगह भी रहें तो भी कोई परेशानी नहीं। उनसे ज्ञान लेने की कोशिश करते रहना चाहिए। जैसे गहरे कुएं का पानी हमेशा निर्मल होता है, वैसे ही गुरुभगवंतों से ज्ञान पाने वाला साधु ज्ञान रखता है। इसलिए कहते हैं चतुर मनुष्य और मुर्ख की सोंच में अंतर होता है। सभी एक समान दिखते हैं, लेकिन मनुष्यों में अंतर होता है। कौआ और कोयल एक ही रंग के होते हैं, लेकिन कौआ कड़वा और कोयल रस के साथ बोलता है। मेहंदी और भांग भी एक ही रंग के होते हैं, लेकिन मेहंदी हाथ में लगती है और भांग मनुष्य को भंग कर देता है। आकृति, रंग और विचार भले ही एक हो पर गुण मिलता बहुत मुश्किल है। इसलिए कहते हैं कि भाग्य भी एक जैसा नहीं होता है। कर्मों के हिसाब से मनुष्य का भाग्य होता है। जैसा जिसका भाग्य होगा वैसा ही उसे मिलेगा। इसलिए मनुष्य को बिना मतलब के चिंता करने के बजाय कर्मों की निर्जरा करने पर विश्वास रखना चाहिए। कर्मों का भार तो चुकाना ही होगा। कर्मों का बंध करने वालों को कर्मों की निर्जरा कर लेनी चाहिए। जो खुद की खुदाई से जुदा हो गया समझो वह खुदा हो गया। गुरुदेव की अगर दया रही तो मनुष्य का कल्याण हो जाएगा। अगर गुरुदेव ने चरणों में जगह दे दिया तो समझो कल्याण निश्चित है। सोए हुए भाग्यों को प्रभु ही जगा सकते हैं। लेकिन उसके लिए पुरुषार्थ करना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर डोड्डबल्लापुर संघ से काफी पदाधिकारी उपस्थित रहे। नवरतनमल बाफना वेल्लूर और रिखबचंद हिंगड़ सपरिवार उप-स्थित थे। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

जिनदत्त कुशल सूरी मंडल द्वारा तपस्वी का अभिनन्दन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी के समस्त सदस्यों की ओर से महामृत्युंजय मासखमण तप के तपस्वी श्रुति दीपक छाजेड़ का बहुमान अभिनन्दन श्री जिन कुशल सूरी जैन आराधना भवन में किया गया। इस अवसर पर सेवा एवं संगीत मंडल द्वारा तिलक, माला और मोमेंटो के साथ बहुमान किया गया और राजेन्द्र गुलेच्छा और नितेश बोहरा ने बहुत ही सुन्दर तपस्या गीत से अभिनन्दन किया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, उपाध्यक्ष राकेश डाकलिया एवं रमेश गुलेच्छा, महामंत्री ललित डाकलिया, जवेरीलाल गुलेच्छा, प्रकाश पोफलिया, हितेन्द्र चौपड़ा, विनोद पारख, हेमन्त गुलेच्छा, भरत कोठारी, गिरीश बोहरा, संजीव पारख, महावीर पारख, राजा बाबू पारख, मनीष धारीवाल, विनोद चौपड़ा, सुधीर पारख आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु डिवीजन स्पोर्ट्स एसोसिएशन (बीडीएसए) ने रविवार सुबह कांतीरवा स्टेडियम में एक जोशीले दौड़ के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया। बेंगलूरु डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर और बीडीएसए के अध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों और उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 50 से अधिक प्रतिभागियों ने 5 किमी, 10 किमी और 15 किमी दौड़ श्रेणियों में भाग लिया, जिससे यह आयोजन फिटनेस और खेल भावना का एक यादगार प्रदर्शन बन गया।

यह आयोजन राष्ट्रीय खेल दिवस के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि थी, जिसने एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा दिया और रेलवे समुदाय में टीम वर्क और कल्याण के मूल्यों को सुदृढ़ किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** जन्मभूमि सांस्कृतिक नागरिक वेदिके द्वारा मल्लेश्वरम के सभागार में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व उप मुख्यमंत्री सीएन अश्वथनारायण एवं समारोह अध्यक्ष महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वल से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दसवीं एवं पीयूसी कन्नड़ माध्यम में श्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले 300 से भी ज्यादा विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। वेदिके के अध्यक्ष कृष्णप्पा एवं हरिकृष्ण ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

परमात्मा भगवान महावीर की निकाली रथयात्रा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के प्राचीनतम् चिकपेट सिटी क्षेत्र में तीनों संघ श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट, श्री अजितनाथ जैन श्वेताम्बर संघ नगरथपेट और श्री वासुपूज्य जैन श्वेताम्बर संघ अक्किपेट की सामूहिक रथ यात्रा निकाली गई।

श्री विवेकविजयजी, श्री आर्यशेखरविजयजी, भुवनभुषणविजयजी आदि साधु एवं साध्वीजी भगवंतों की निश्रा में रविवार को प्रातः 8.30 बजे श्री आदिनाथ मंदिरजी चिकपेट से इन्द्रध्वज, परमात्मा के रथ व सकल श्री संघ के साथ रथ यात्रा प्रारंभ होकर वीवी के आयंगर रोड, हॉस्पिटल रोड, एवन्यु रोड होते हुए पुनः चिकपेट मंदिरजी में आकर सोहन हॉल में धर्म सभा में परिवर्तित हुआ।

बेंगलूरु के एसपी मेंशन सर्विस अपार्टमेंट में तैयार थी धर्मस्थल के खिलाफ साजिश?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धर्मस्थल के खिलाफ साजिश चार-पांच महीने पहले बेंगलूरु के एसपी मेंशन सर्विस अपार्टमेंट में रची गई थी। एसआईटी इस महत्वपूर्ण जानकारी के आधार पर अपनी जाँच जारी रखे हुए है कि इसके पीछे दिल्ली का एक प्रमुख व्यक्ति था। यह भी पता चला है कि साजिशकर्ता और कर्ता-धर्ता बेंगलूरु के विद्यारण्यपुरम स्थित टिंडलू सर्कल स्थित एक लॉज में कई बार मिले और इस मामले पर चर्चा की। बेंगलूरु में गिरीश मट्टनवर और जयंत टी. के आवासों और सर्विस अपार्टमेंट में जाँच चल रही है। साजिश के केंद्र, ताबूत के स्रोत का पता लगाने में जुटे एसआईटी अधिकारी इस बात की जाँच कर रहे हैं कि इसे कहाँ से लाया गया था और कहाँ रखा गया था। चिन्नैया और जयंत टी. ताबूत लेकर ट्रेन से दिल्ली आए थे। कुछ अन्य प्रमुख लोगों ने हवाई जहाज से यात्रा की थी और दिल्ली में एक प्रमुख व्यक्ति से मुलाकात की थी। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के एक वकील से भी इस बारे में चर्चा की थी। पता चला है कि जयंत और चिन्नैया ने ट्रेन से यात्रा की क्योंकि हवाई जहाज से यात्रा करने पर कड़ी जाँच होती है और उन्हें ताबूत ले जाने की अनुमति नहीं है। दिल्ली में हुई बातचीत के बाद, मुख्यमंत्री पर एसआईटी गठित करने का दबाव डाला गया। पता चला है कि इसी के तहत कुछ परिस्थितियाँ पैदा की गईं। गिरफ्तार आरोपी चिन्नैया को बेंगलूरु लाने वाले एसआईटी अधिकारियों ने जयंत टी. के घर की 10 घंटे तक लगातार तलाशी और जाँच की। पाँचों के सामने कई चीजें जब्त की गईं। सर्विस अपार्टमेंट में कमरा किसके नाम पर बुक किया गया था, पैसे किसने दिए? लॉज में ठहरने का खर्च किसने उठाया? सारी जानकारी इकट्ठा की जा रही है। लॉज और सर्विस अपार्टमेंट के ग्राहक पंजीकरण रजिस्टर की जाँच कर उन्हें जब्त कर लिया गया है। एसआईटी बारीकी से जानकारी इकट्ठा कर रही है कि किस तरह की बातचीत कहाँ हुई और किन तत्वों का इस्तेमाल किया गया। धर्मस्थल के खिलाफ साजिश एक जटिल और संवेदनशील मामला है, और इसे वैज्ञानिक रूप से साबित करना एक कठिन चुनौती है। इसकी जाँच कर रही एसआईटी हर पहलू से जाँच कर रही है। साजिश के मुख्य मास्टरमाइंड माने जा रहे लोगों के घरों की भी तलाशी ली गई है और अगले चरण में यह संभव है कि आरोपियों को दिल्ली ले जाया जाएगा और वहां एक पूजा स्थल बनाया जाएगा।

संपत्ति पंजीकरण शुल्क हुआ दोगुना

जबरन वसूली करने वाली सरकार के खिलाफ व्यापक जनाक्रोश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दूध, बिजली, पानी, बस, मेट्रो किराया और स्टाम्प शुल्क सहित विभिन्न दरों में बढ़ोतरी के बाद, सरकार ने अब संपत्ति पंजीकरण शुल्क दोगुना कर दिया है और इसे रविवार से लागू करने का आदेश दिया है।

नए शुल्क के साथ, स्वच्छ क्रय विलेख, अधिग्रहण, पट्टा विलेख और क्रय प्रयोजन हेतु जीपीए सहित विभिन्न संपत्ति खरीद के लिए पंजीकरण शुल्क 1 प्रतिशत से बढ़कर 2 प्रतिशत हो जाएगा। नए शुल्क के 31 अगस्त से लागू होने के स्पष्ट आदेश के बावजूद, राजस्व विभाग का कावेरी पंजीकरण पोर्टल सर्वर 29 और 30 अगस्त को ठप हो गया। कई लोगों ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि अधिसूचना की तारीख से पहले बिना किसी कानूनी अधिकार के ऐसी तकनीकी त्रुटियाँ की गईं, जो नागरिकों के वैधानिक अधिकारों

को छीनने के समान है। हालाँकि सरकार ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि नया आदेश 31 अगस्त से प्रभावी होगा, कुछ लोगों ने इस बात पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है कि उससे दो दिन पहले ही सर्वर डाउन (डिजिटल नाकाबंदी) कर दिया गया था, जो कि अवैध है और प्रशासनिक-विरोधी अधिनियम तथा जनता के अधिकारों का उल्लंघन है। दो दिन पहले सर्वर डाउन होने के बहाने पंजीकरण स्थगित करने से जनता को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या यह जानबूझकर किया गया या कोई तकनीकी त्रुटि? अधिकारियों को इसका जवाब देना होगा।

जनता को निर्धारित तिथि पर अपने दस्तावेज पंजीकृत कराने का वैधानिक और मौलिक अधिकार है। हालाँकि, आदेश की तिथि से दो दिन पहले बिना किसी पूर्व सूचना के अधिकारों से अवैध रूप से वंचित करने से परेशानी, भ्रम और वित्तीय नुकसान हुआ है, और राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है। दो दिनों के लिए पंजीकरण को मनमाने ढंग से निलंबित करना डिजिटल गिरफ्तारी के समान है, और यह विश्लेषण किया गया है कि यह डिजिटल शासन और वैधानिक सेवाओं में जनता के विश्वास को कमजोर करता है।

यद्यपि 31 अगस्त से लागू हुआ शुल्क संशोधन कानूनी रूप से वैध है, लेकिन इस तिथि से पहले पंजीकरण सेवाओं को प्रतिबंधित करना और डिजिटल प्रतिबंधों के बहाने उन्हें अस्वीकार करना अवैध है। इस चूक की तुरंत पहचान की जानी चाहिए और जनता को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यह आश्वासन दिया जाना चाहिए कि भविष्य में बिना पूर्व सूचना के पंजीकरण सेवाओं से इनकार नहीं किया जाएगा। शुल्क संशोधन के दौरान सुचारू संक्रमण सुनिश्चित करने के लिए नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के उपायों को और बढ़ाया जाना चाहिए।

कर्नाटक में अब तक गारंटी पर 95,450 करोड़ रुपये खर्च किए गए: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने घोषणा की है कि राज्य सरकार ने अपनी पाँच प्रमुख गारंटी योजनाओं पर उनकी शुरुआत के बाद से अब तक 95,450 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। विधानसभा में एक प्रश्न के उत्तर में इस महत्वपूर्ण व्यय का खुलासा हुआ। मुख्यमंत्री के अनुसार, 1 अगस्त तक, सरकार ने गृह लक्ष्मी योजना के लिए 49,080 करोड़ रुपये, गृह ज्योति के लिए 21,213 करोड़ रुपये, अन्न भाग्य के लिए 14,655 करोड़ रुपये, शक्ति योजना के लिए 9,982 करोड़ रुपये और युवा निधि के लिए 520 करोड़ रुपये आवंटित किए। हरिहर विधायक बी. पी. हरीश के एक प्रश्न के उत्तर में, सिद्धरामैया ने आगे स्पष्ट किया कि शक्ति योजना को छोड़कर, अन्य चार योजनाओं से 7.31 करोड़ लोगों को लाभ हुआ है। गृह लक्ष्मी पहल, जो परिवार की महिला मुखियाओं को प्रति माह 2,000 रुपये प्रदान करती है, 1.23 करोड़ से अधिक महिलाओं तक पहुँच चुकी है। इस बीच, गृह ज्योति योजना ने 1.61 करोड़ घरों को मुफ्त बिजली प्रदान

की है, और अन्न भाग्य कार्यक्रम ने 4.43 करोड़ लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा प्रदान की है। बेरोजगार युवाओं को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई युवा निधि योजना, स्नातक छात्रों को 3,000 रुपये और डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपये प्रति माह प्रदान करती है। अब तक, इस योजना से 2.41 लाख युवा लाभान्वित हो चुके हैं। महिलाओं को मुफ्त यात्रा प्रदान करने वाली शक्ति योजना के तहत, कर्नाटक के चार सड़क परिवहन निगमों ने 500 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के टिकट जारी किए हैं। कार्यान्वयन के पहले वर्ष (2023-24) में, सरकार ने इन योजनाओं पर 34,859 करोड़ रुपये खर्च किए। 2024-25 में, सभी पाँच योजनाओं का कुल व्यय 52,526 करोड़ रुपये तक पहुँच गया, जिसमें से 1 अगस्त, 2025 तक 8,066 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। इन कल्याणकारी पहलों पर सरकार का भारी-भरकम व्यय राज्य भर में सामाजिक सशक्तिकरण और आर्थिक उत्थान के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वित्तीय तंगी के बावजूद, इन योजनाओं का लाखों लोगों पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, जो सरकार के अपने वादों को पूरा करने के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

धर्मस्थल के खिलाफ साजिश: कुमारस्वामी आज विस्फोटक जानकारी का करेंगे खुलासा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धर्मस्थल के खिलाफ साजिश रसूखदार लोगों द्वारा रची जा रही है और सोमवार को केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अहम जानकारियां देंगे। कहा जा रहा है कि तमिलनाडु के सत्यमंगलम में रहने वाले चिन्नैया से संपर्क करने वाले कुछ लोग उसे वापस लाए और तैयार किया। इसके अलावा, सुजाता भट को साथ लेकर यह योजना बनाई गई। गिरीश मट्टनवर पुलिस विभाग में सेवा दे चुके थे और उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर कुछ दस्तावेज जुटाए थे। कई वर्षों से शिष्टाचार विवाह मामले में लड़ रहे महेश शेट्टी टिमरोडी इस मामले के अगुआ थे। जयंत टी. बेंगलूरु की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। बताया जा रहा है कि यूट्यूबर समीर एआई का इस्तेमाल करके वीडियो बनाकर और जनमत तैयार करके व्यापक प्रचार कर रहे थे। महेश शेट्टी टिमरोडी, गिरीश

मट्टनवर, जयंत टी. और समीर को दिल्ली के एक जाने-माने वकील ने कानूनी सहायता प्रदान की। बताया जा रहा है कि दिल्ली में हुई बैठक के बाद, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कुछ करीबी लोगों ने सुझाव दिया था कि अगर एसआईटी का गठन किया जाए तो विस्तृत जाँच संभव हो सकती है। बेंगलूरु में कुछ जगहों की पहचान करके उनकी खुदाई कराने की योजना तैयार थी ताकि एसआईटी जाँच की ओर ज्यादा ध्यान आकर्षित किया जा सके। अगर खुदाई में कोई वस्तु नहीं मिली तो विषय से ध्यान कैसे भटकाया जा सकता था? अगर बड़ी संख्या में कंकाल मिले तो उनका इस्तेमाल लड़ाई जारी रखने के लिए करने पर भी चर्चा हुई। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी जाँच को एक ही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए दबाव का माहौल बनाने की हर तरह की साजिशें रची गई थीं। खबर है कि कुमारस्वामी दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और मास्टरमाइंड और शीर्ष स्तर पर बैठे और चालें चलने वालों के बारे में अहम जानकारी देंगे।

कर्नाटक सरकार ने डॉ. एम ए सलीम को राज्य का स्थायी पुलिस प्रमुख नियुक्त किया

हाईकोर्ट ने रास्ता साफ किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक सरकार ने आधिकारिक तौर पर डॉ. एम. ए. सलीम को राज्य का स्थायी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। डॉ. सलीम, जो आलोक मोहन के सेवानिवृत्त होने के बाद 21 मई से प्रभारी डीजीपी का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे थे, को शनिवार शाम को जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के साथ इस पद के लिए नियुक्त किया गया। यह नियुक्ति कर्नाटक उच्च न्यायालय में दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) के निपटारे के बाद हुई है, जिसमें स्थायी डीजीपी की नियुक्ति में देरी को चुनौती दी गई थी। अधिवक्ता सुधा कटवा द्वारा दायर जनहित याचिका में 1996 के प्रकाश सिंह मामले में सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रक्रिया के शीघ्र समाधान की मांग की गई थी। इसमें संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) से इस पद के लिए आईपीएस अधिकारियों के पैनल में तेजी लाने का भी आग्रह किया गया था। इससे पहले गुरुवार को राज्य के महाधिवक्ता के. शशिकिरण शेट्टी द्वारा न्यायालय को यह आश्वासन दिए जाने के बाद कि पात्र अधिकारियों की यूपीएससी पैनल सूची प्राप्त होने के एक सप्ताह के भीतर एक नियमित डीजीपी की नियुक्ति कर दी जाएगी, उच्च न्यायालय ने जनहित याचिका खारिज कर दी। मुख्य

न्यायाधीश विभु बाकरू और न्यायमूर्ति सी. एम. जोशी की खंडपीठ ने कहा कि प्रक्रिया पहले से ही चल रही है और आगे कोई निर्देश जारी करने से परहेज किया। 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी डॉ. सलीम ने आपराधिक जाँच विभाग (सीआईडी) के डीजीपी सहित कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। स्थायी डीजीपी के रूप में उनकी नियुक्ति का व्यापक रूप से स्वागत किया गया है, विशेष रूप से यातायात प्रबंधन, साइबर अपराध से निपटने और महिलाओं एवं कमजोर समूहों की सुरक्षा में सुधार के उद्देश्य से सुधारों को लागू करने जैसे जटिल मुद्दों को संभालने में उनकी पिछली सफलता को देखते हुए। अपनी नियुक्ति के बाद डॉ. सलीम ने कहा मुझे आधिकारिक तौर पर कार्यभार संभालने और कर्नाटक के पुलिस बल को अधिक पारदर्शी, कुशल और समुदाय-केंद्रित बनाने की दिशा में काम करते रहने पर गर्व है। डीजीपी के रूप में उनकी प्राथमिकताओं में राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों से निपटना, जन सुरक्षा में सुधार और पुलिसिंग में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाना शामिल है। डॉ. सलीम का करियर विभिन्न पदों पर उनके नेतृत्व के लिए जाना जाता है, जिसमें मैसूरु पुलिस आयुक्त, बेंगलूरु में विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के विघटन से पहले उसका नेतृत्व शामिल है। उन्हें 2009 में उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और 2017 में विशिष्ट सेवा पदक सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। कानूनी चुनौतियों के बाद, डॉ. सलीम की आधिकारिक नियुक्ति से कर्नाटक के पुलिस नेतृत्व में स्थिरता और स्पष्टता आने की उम्मीद है, क्योंकि वह राज्य में पुलिस व्यवस्था के आधुनिकीकरण और जनता के विश्वास को मजबूत करने की चुनौती का सामना करेंगे।

उडुपी की विदुषी दीक्षा वी ने 216 घंटे के भरतनाट्यम प्रदर्शन के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी की प्रतिभाशाली भरतनाट्यम नृत्यांगना विदुषी दीक्षा वी ने लगातार 216 घंटे नृत्य करके एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है, जिसने 170 घंटे के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। 21 अगस्त को दोपहर 3:30 बजे शुरू हुआ यह रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन, 30 अगस्त को नौ दिनों तक लगातार नृत्य की एक मैराथन के बाद संपन्न हुआ। ब्रह्मवर तालुका के मुंडिनजिड्डु की मूल निवासी दीक्षा लंबे समय से भरतनाट्यम में नई ऊँचाइयों को छूने की ख्वाहिश रखती थीं, और इसी महत्वाकांक्षी लक्ष्य ने उन्हें नौ दिनों से अधिक समय तक नृत्य करने के कठिन करतब को करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 28 अगस्त को 170 घंटे का प्रदर्शन सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे

मेंगलूरु की रेमोना एवेट परेरा का पिछला रिकॉर्ड टूट गया, जिन्होंने 170 घंटे नृत्य करके गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया था। इस पूरे रिकॉर्ड प्रयास को रत्न संजीव कलामंडला, मणिपाल द्वारा महेश ठाकुर के नेतृत्व और उडुपी के पूर्व विधायक के. रघुपति भट के मार्गदर्शन में समर्थन दिया गया। इन व्यक्तियों और संगठनों के संयुक्त प्रयासों ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दीक्षा को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, शिवकुमार ने अपनी खुशी और गर्व व्यक्त करते हुए कहा आज उडुपी आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। यहाँ मंदिर के दर्शन करना मेरा लंबे समय से सपना रहा है और आज मुझे इस विशेष अवसर का हिस्सा बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मेरे प्रिय मित्र के. रघुपति भट ने मुझे इस सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था और मैं यहाँ आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। शिवकुमार ने आगे कहा दीक्षा ने इतनी कम उम्र में वाकई उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। 200 घंटे से ज्यादा समय तक प्रदर्शन करने का उनका दृढ़ संकल्प और अनुशासन एक बड़ी उपलब्धि है, और मुझे उनकी सफलता का जश्न मनाते हुए गर्व हो रहा है। संस्कृति हमारे देश की सबसे समृद्ध विरासत है, और आज दीक्षा ने इसमें अभूतपूर्व योगदान दिया है। मैं उन्हें, उनके गुरु, उनके माता-पिता और इस यात्रा में उनका साथ देने वाले सभी लोगों को बधाई देता हूँ।

यह सच है कि चिन्नैया द्वारा लाया गया कंकाल बेंगलूरु से दिल्ली लाया गया था: जयंत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धर्मस्थल मामले में शामिल टी. जयंत ने कहा कि यह सच है कि मैंने चिन्नैया द्वारा लाए गए शव को बेंगलूरु से दिल्ली और दिल्ली से मेंगलूरु पहुँचाया था।

मैं इस मामले की एसआईटी जाँच का स्वागत करता हूँ। मैं अप्रैल में चिन्नैया, जिनकी पहचान भीमा के रूप में हुई है, से मिला था। जब वह पहली बार आए थे, तो मैंने उनके लिए हमारे घर पर ठहरने की व्यवस्था की थी। जब वह दूसरी बार आए, तो वे शव को एक बैग में लेकर आए। इस संबंध में, सुप्रीम कोर्ट में कुछ दस्तावेज जमा करने थे। चिन्नैया इसके लिए वकील से सलाह लेने बार-बार आते थे।

उन्होंने बताया कि वह हमारे घर दो बार रुके थे। मैं उक्त शव को सुप्रीम कोर्ट में पेश करने के लिए दिल्ली ले गया था, और वहाँ से मैं इसे दक्षिण कन्नड़ एसपी के सामने पेश करने के लिए मेंगलूरु ले गया।

इसी वजह से, एसआईटी अधिकारियों ने मुझसे जानकारी एकत्र की है। अगर पूछताछ के लिए बुलाया गया, तो मैं खुशी-खुशी जाऊँगा। मैं अब तक की पूछताछ का स्वागत करता हूँ। हमने मंदिर या किसी को नुकसान पहुँचाने की कोशिश नहीं की है। हम सच्चाई और न्याय के लिए लड़ रहे हैं।

धर्मस्थल के खिलाफ सुनियोजित गलत सूचना अभियान के पीछे असामाजिक ताकतें: निखिल

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि धर्मस्थल पर कई दिनों से सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान के पीछे असामाजिक ताकतों की साजिश है। कंडाली में धर्मस्थल सत्य यात्रा शुरू करने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि धर्मस्थल मुद्दे पर अभी तक ज्यादा सच्चाई सामने नहीं आई है। उच्च पदों पर बैठे जनप्रतिनिधियों ने विधानसभा में ही अपनी बात रखी थी। हमें इस बारे में संदेह होने लगा है। हमें यह सब सामने लाना होगा। हम धर्मस्थल के मंजूनाथ स्वामी और अन्नप्पा स्वामी के दर्शन करने जा रहे हैं। धर्मस्थल और अन्नप्पा के बारे में दुष्प्रचार किया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मस्थल के खिलाफ लगातार षडयंत्र और षड्यंत्र चल रहा है। हमने यह यात्रा राजनीति करने के लिए नहीं की है। हम धर्मस्थल का निष्पक्ष समर्थन कर रहे हैं। मैं भी मंजूनाथ स्वामी का बहुत बड़ा भक्त हूँ। हमें अपने धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष करना होगा। इसलिए, हम बिना किसी राजनीतिक संबद्धता के धर्मस्थल के लिए रवाना हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के कई जिलों और तालुकों से भक्त आए हैं। धर्मस्थल के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े ने पूरे दिन हमें अपना समय देकर अपनी उदारता का परिचय दिया है। यह सभी के लिए प्रशंसा की बात है कि वीरेंद्र हेगड़े ने इस मामले में अपनी पीड़ा के बावजूद बहुत शांति से काम किया है। उन्होंने कहा कि हम धर्मस्थल को नैतिक समर्थन देंगे। हमने देखा है कि पिछले दो सालों में सरकार ने एसआईटी को कैसे संभाला है। उन सभी मामलों में, एसआईटी का गठन केवल एक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर किया गया था। हालाँकि, कुछ यूट्यूब चैनल गुस्से में घूम रहे हैं। उन्होंने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि झूठी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

खेल दुनिया में जम्मू -कश्मीर को मिली पहचान : मोदी

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बाढ़ और तबाही की घटनाओं के बीच जम्मू -कश्मीर में हाल में खेलों के दो बड़े आयोजन हुए हैं जिन्होंने राज्य को खेलों की दुनिया में नयी पहचान दी है।

श्री मोदी ने आकाशवाणी से रविवार को प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 125वीं कड़ी में कहा बाढ़ और बारिश की इस तबाही के बीच जम्मू-कश्मीर ने दो बहुत खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इन पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं गया लेकिन जब इन उपलब्धियों के बारे में जानेंगे तो बहुत खुशी होगी। राज्य के पुलवामा के एक स्टेडियम में पुलवामा का पहला डे नाईट क्रिकेट मैच खेला गया जिसमें रिकॉर्ड संख्या में लोग एकत्रित हुए। पहले ऐसा होना असंभव था लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है। ये मैच 'रॉयल प्रीमियर लीग' का हिस्सा है, जिसमें जम्मू-कश्मीर की अलग-अलग टीमें खेल रही हैं।

इतने सारे लोग, खासकर युवा, पुलवामा में रात के समय, हजारों की तादाद में क्रिकेट का आनंद लेते दिखें-ये नजारा वाकई देखने लायक था।

श्री मोदी ने राज्य के एक और खेल आयोजन का जिक्र करते हुए कहा दूसरा आयोजन जिसने ध्यान खींचा, वो है देश में हुआ पहला ' खेलो इंडिया जल स्पोर्ट्स उत्सव' और वो भी श्रीनगर की डल झील पर हुआ। सचमुच, ऐसा उत्सव आयोजित करने के लिए ये कितनी खास जगह है। इसका उद्देश्य है जम्मू-कश्मीर में जल क्रीड़ा को और लोकप्रिय बनाना है। इसमें पूरे भारत से 800 से अधिक एथलीटों ने हिस्सा लिया। महिला एथलीट भी पीछे नहीं रही और इसमें उनकी भागीदारी भी लगभग पुरुषों के बराबर थी। मैं उन सभी खिलाड़ियों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने इसमें भाग लिया। विशेष बधाई मध्य प्रदेश को, जिसने सबसे ज्यादा मेडल जीते, उसके बाद हरियाणा और ओडिशा का स्थान रहा। जम्मू-कश्मीर की सरकार और वहाँ की जनता की आत्मीयता और मेहमान नवाजी की मैं भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस खेल उत्सव का अनुभव लोगों तक पहुंचाने के लिए उन्होंने ऐसे दो खिलाड़ियों से बात की जिन्होंने इसमें हिस्सा लिया, उनमें से एक हैं ओडिशा की रश्मिता साहू और दूसरे हैं श्रीनगर के मोहसिन अली।

श्री मोदी से बातचीत करते हुए रश्मिता साहू ने कहा मैं कैनोइंग प्लेयर हूँ। मैं 2017 से कैनोइंग शुरू किया था और मैंने राष्ट्रीय स्तर में, नेशनल चैंपियनशिप और नेशनल गेम्स में हिस्सा लिया है। मेरे पास 41 मेडल्स है जिनमें 13 स्वर्ण पदक, 14 रजत और 14 कांस्य पदक हैं। मैं जिस गाँव से आती हूँ उसमें खेल की कोई सुविधा नहीं है। नदी में बोटिंग करते कैनोइंग के बारे में पता चला था तो मैं जगतपुर में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र गई और खेल से जुड़ी। मैं पहली बार कश्मीर गई थी। वहां खेलो इंडिया, पहले खेलो इंडिया वॉटर स्पोर्ट्स आयोजित किया गया था। उसमें मेरे दो इवेंट थे और मैंने दोनों में गोल्ड मेडल हासिल किए हैं । मैं सब बच्चों से यही कहूंगी कि खेल को छोड़ो मत, खेल से बहुत आगे जा सकते हैं।

खिलाड़ी मोहसिन अली ने श्री मोदी से कहा, मैंने गोल्ड मेडल जीता। कश्मीर में यह खेल पहली बार हुआ है । मेरी पूरी फैमिली खुश है। स्कूल वाले भी सब खुश हैं, कश्मीर में सब बोलते हैं आप गोल्ड मेडलिस्ट हो। मैं भोपाल, गोआ, केरल और हिमाचल में गया हूं। मेरा ड्रीम देश के लिए ओलंपिक में मेडल जीतना है।

पुंछ में पकड़े गए दो आतंकी आधुनिक असलहे बरामद

जम्मू, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में पुलिस ने रविवार को दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आतंकियों का नाम तारिक शेख और रियाज अहमद है। ये लोग बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। आतंकियों के पास से दो असॉल्ट राइफलें और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। पुलिस ने आजमाबाद स्थित तारिक शेख के किराए के घर पर छापा मारा था, जिसके बाद उसे रियाज अहमद के साथ गिरफ्तार कर लिया गया।

इससे पहले गुरेज सेक्टर में सुरक्षाबलों ने नौशेरा नार इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो आतंकियों का एनकाउंटर कर मार गिराया था। इनमें से एक बागू खान उर्फ समंदर चाचा भी था, जिसे आतंक की दुनिया में ह्यूमन जीपीएस के नाम से जाना जाता था। पिछले 25 वर्षों से 100 से अधिक घुसपैठ में शामिल बागू खान आतंकियों का प्रमुख मार्गदर्शक था। 28 अगस्त को बागू खान नौशेरा में घुसपैठ कराने की कोशिश कर रहा था, तभी सुरक्षाबलों ने उसे घेर लिया। गुरेज में मारे गए शख्स के पास से मिले पहचान पत्र में उसका नाम बागू खान और जन्म तिथि 6 अप्रैल 1975 लिखी थी। वह मुजफ्फराबाद (पीओके) का रहने वाला था और पिछले 25 साल से घुसपैठियों की मदद करने के लिए वांछित था। इस ऑपरेशन में मारे गए दूसरे व्यक्ति की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। बागू खान का काम आतंकियों को सीमा पार घुसपैठ कराने में मदद करना था।

इंजन में आग की चेतावनी के बाद दिल्ली लौटा एयर इंडिया का विमान

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)। एयर इंडिया की दिल्ली से इंदौर जा रही एक उड़ान को रविवार सुबह टेकऑफ के तुरंत बाद इंजन में आग की चेतावनी के कारण दिल्ली वापस लौटना पड़ा जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई।

सूत्रों ने बताया कि विमान में 90 से ज्यादा यात्री सवार थे। फ्लाइट एआई2913 के दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही पायलट को विमान के दाहिने इंजन में आग की चेतावनी मिली। एहतियात बरतते हुये उस इंजन को बंद कर दिया गया और विमान को एक ही इंजन पर दिल्ली वापस लाया गया।

हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि सुबह 6.15 बजे एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया।

एयर इंडिया ने घटना पर खेद व्यक्त करते हुये एक बयान में कहा कि विमान को निरीक्षण के लिए ग्राउंड कर दिया गया है और यात्रियों को दूसरे विमान से इंदौर भेजने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही नागर विमानन नियामक डीजीसीए को इसकी सूचना दे दी गयी है।

शाह ने सरदार बाग का किया उद्घाटन

अहमदाबाद, 31 अगस्त (एजेंसियां)

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के अहमदाबाद में टोरेंट समूह की धर्मार्थ शाखा, यूएनएम फाउंडेशन द्वारा विकसित और प्रबंधित नवनिर्मित सरदार बाग का रविवार को उद्घाटन कर नागरिकों को समर्पित किया।

प्राकृतिक वैभव की विरासत को पुनर्जीवित करते इस उद्यान का उद्घाटन राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री ऋषिकेशभाई पटेल, अहमदाबाद शहर की महापौर प्रतिभाबेन जैन, टोरेंट समूह के मानद अध्यक्ष सुधीर मेहता, टोरेंट पावर के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक जिनल मेहता, संसद सदस्य हसमुखभाई पटेल, विधायकों, अहमदाबाद नगर निगम के नगर आयुक्त बंछानिधि पाणि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ। 15वीं शताब्दी के शाही किले की भव्यता का एक हिस्सा रहे सरदार बाग का यूएनएम फाउंडेशन की प्रतिति पहल के तहत नवीनीकरण किया गया है। इसके साथ ही, अहमदाबाद में प्रतिति पहल के तहत तैयार किए

गए शहर की हरियाली में वृद्धि करने वाले उद्यानों की संख्या 11 तक पहुँच गई है। सरदार बाग का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है, क्योंकि स्वतंत्रता के पूर्व काल में सरदार बाग में कई प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों की सभाएँ आयोजित की जाती थीं।

कभी फलों और फूलों से लदे पेड़ों/पौधों से समृद्ध यह उद्यान पिछले कुछ दशकों में वीरान हो गया था। आज प्रतिति पहल के तहत किए गए नवीनीकरण और संरक्षण प्रयासों से यह उद्यान फिर से हरियाली से खिल उठा है। उद्यान के ऐतिहासिक महत्व और पर्यावरण संरक्षण, दोनों को ध्यान में रखते हुए इस उद्यान का नवीनीकरण बहुत ही बारीकी से किया गया है।

पुनर्निर्मित सरदार बाग का कुल क्षेत्रफल 26010 वर्ग मीटर है और यह अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के सेंट्रल जोन के अंतर्गत आने वाले जमालपुर वार्ड में लाल दरवाजा, पुराने रूपाली सिनेमा के सामने स्थित है।

इस पुनर्निर्मित उद्यान को शहर की सुंदरता और आध्यात्मिक महत्व को बहाल करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, साथ ही नागरिकों की विभिन्न आवश्यकताओं और सुविधाओं को भी ध्यान में रखा गया है।

उद्यान की मुख्य विशेषताओं में व्हीलचेयर-सुलभ रैंप वाला एक बड़ा प्रवेश द्वार, जॉगिंग और रनिंग के लिए 1.5 किलोमीटर लंबा छरु पथ।

यह ईंटों से बना छरु पथ घुटनों के लिए उपयुक्त है और पानी के बहाव को सुगम बनाता है, मौसम-रोधी उपकरणों से युक्त एक ओपन जिम, सुरक्षित और मनोरंजक खेल उपकरणों से सुसज्जित बच्चों का खेल क्षेत्र, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए 150 सीटों वाला एक खुला और अंडाकार एम्फीथिएटर, बैठने की व्यवस्था वाले आठ जलाशय, जो आराम करने के लिए एक सुखद और शांतिपूर्ण स्थान प्रदान करते हैं, वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण के लिए रिचार्ज कुएँ और व्हीलचेयर पहुँच के साथ पूरी तरह हवादार और स्वच्छ शौचालय, साथ ही विकलांगों के लिए एक अलग ब्लॉक और पेयजल सुविधाएँ शामिल हैं।

अहमदाबाद की गुलाब इत्र उत्पादन की विरासत को प्रदर्शित करता एक गुलाब उद्यान है जहां 195 मौजूदा पेड़ों के संरक्षीत करने के साथ 65 प्रजातियों के 630 से अधिक नए पेड़ लगाए गए हैं, जो पक्षियों को आश्रय प्रदान करने, वायु गुणवत्ता में सुधार लाने और स्थानीय जैव विविधता को बनाए रखने की प्राथमिकता के आधार पर चुने गए है। तितलियों और मधुमक्खियों को आकर्षित करने के लिए 190 प्रजातियों के 75,000 से अधिक झाड़ियाँ, बाँस और घास लगाए गए हैं।

अहमदाबाद के नागरिकों के लिए शहर में हरित क्षेत्रों को बढ़ाने के फाउंडेशन के प्रयासों का समर्थन करने के लिए यूएनएम फाउंडेशन ने अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) और गुजरात सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि यूएनएम फाउंडेशन, प्रतिति पहल के तहत अहमदाबाद शहर (सरदार बाग सहित) में कुल 1,31,414 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले 11 सार्वजनिक पार्कों के नवीनीकरण/विकास और रखरखाव के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त, अहमदाबाद शहर में वर्तमान में 61,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले पांच पार्क विकसित किए जा रहे हैं। यूएनएम फाउंडेशन शहरी क्षेत्रों में हरियाली के विस्तार और संरक्षण को प्राथमिकता दे रहा है। प्रतिति पहल के माध्यम से, फाउंडेशन अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत और दमन शहरों में 13 सार्वजनिक पार्कों और दो तालाब में लगभग 50 हेक्टेयर (लगभग पांच लाख वर्ग मीटर) क्षेत्र में फैले हरित क्षेत्रों का प्रबंधन करता है, जिन्हें वैश्विक मानकों के अनुसार तैयार किया गया है। इन क्षेत्रों की हर साल 58 लाख से अधिक लोग मुलाकात लेते हैं। फाउंडेशन आने वाले समय में प्रतिति पहल को महाराष्ट्र तक विस्तारित करने की योजना पर काम कर रहा है।

भारत दुनिया के श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में खड़ा हो रहा है : दत्तात्रेय होसबाले

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरए-सएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को यहां कहा कि भारत करवट ले रहा है और दुनिया के श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में खड़ा हो रहा है।

वह राष्ट्र निर्माण में दरभंगा राज के अध्यात्मिक और सांस्कृतिक योगदान पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर 'राज दरभंगा - धर्म संरक्षण से लेकर लोक कल्याण तक' पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

श्री होसबाले ने कहा कि विदेश के इतिहासकारों ने इस मिथ को स्थापित किया कि राजा मौज-मस्ती और विलासिता में डूबा रहता है, लेकिन हमारे देश में राजा को लोक कल्याण के कार्यों के साथ उच्च मानक स्थापित करने वाले के तौर पर देखा गया। उन्होंने कहा कि भारत में राजा को देवता माना गया जो प्रजा के लिए समान भाव के साथ मर्यादा का पालन करते थे।

हमारे देश में प्रभु श्रीराम, राजा

दशरथ, राजा हरिश्चंद्र, राजा भगीरथ ने लोक कल्याण और मर्यादा के प्रतिमान स्थापित किए।

श्री होसबाले ने मिथिला के स्वर्णिम इतिहास और परंपरा पर चर्चा करते हुए कहा कि सांस्कृतिक, साहित्य, परंपरा और लोक कल्याण के क्षेत्र में लंबी फेहरिस्त है। उन्होंने इस अवसर पर दरंभगा राजघराने के कुमार अरिहंत को 18वें जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि दरभंगा के राजा ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए देश में विभिन्न स्थानों पर सम्मेलन का भी आयोजन किया था और विश्व हिंदू परिषद की स्थापना में भी आगे बढ़कर मदद की थी। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में कई आधुनिक संस्थानों की स्थापना के साथ काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना में शुरूआती पांच लाख की राशि दी थी। उन्होंने मदन मोहन मालवीय जी के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के लिए एक करोड़ से अधिक की धनराशि का प्रबंध कराया था।

इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जब मैं पहली बार 2014-2015 में दरभंगा पहुंचा तो वहां के स्थापत्य, कला और साहित्य से अभिभूत हो गया। उन्होंने मिथिला की धरती और दरभंगा राज-घराने को इतिहास की बेमिसाल धर-ोहर बताया। उन्होंने कहा कि मिथिला की धरती राजा जनक और माता सीता के साथ गार्गी और याज्ञवल्क्य संवाद की भी साक्षी रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मिथिला की धरती मधुबनी पेंटिंग, ध्रुपद परंपरा को पुष्पित और पल्लवित किया है। उन्होंने भारतीय मूल तत्वों को सामाजिक और आधुनिकता के साथ जोड़ने की अपील करते हुए कहा कि मिथिला सांस्कृतिक परंपरा में ऐसे तत्व विद्यमान हैं जिस पर भारत को गर्व है।

इस अवसर पर गुजरात से आए नौतन स्वामी और दरभंगा राजघराने की तरफ से श्री कपिलेश्वर सिंह और श्रीमति कविता सिंह भी मौजूद थीं।

एजुकेट गर्ल्स बनी 2025 रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड पाने वाली पहली भारतीय संस्था

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत की प्रमुख सामाजिक संस्था एजुकेट गर्ल्स को 2025 का रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड से सम्मानित किया गया हैं। एशिया का यह सर्वोच्च सम्मान पहली बार किसी भारतीय संस्था को मिला है।

यह पुरस्कार एजुकेट गर्ल्स को बालिकाओं एवं युवतियों की शिक्षा के समाज की अतार्किक सांस्कृतिक धारणाओं को चुनौती देने, उन्हें निरक्षरता से मुक्त करने और उन्हें कौशल, हिम्मत और आत्मनिर्भरता देने के लिए दिया गया है।

एजुकेट गर्ल्स संस्था अब उस गौरवशाली पंक्ति का हिस्सा बन चुकी है, जिसमें सत्यजीत रे, एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी, किरण बेदी, विनोबा भावे, दलाई लामा, मदर टेरेसा और ऑस्कर विजेता हायाओ मियाज़ाकी जैसी विश्वप्रसिद्ध विभूतियां शामिल हैं।

एजुकेट गर्ल्स की संस्थापक सफीना हुसैन ने कहा, यह उपलब्धि हमारी टीम, बालिका स्वयंसेवकों, पार्टनर्स, समर्थकों और सबसे बढ़कर उन बच्चियों के नाम है, जिन्होंने अपनी सबसे बड़ी ताकत, शिक्षा को फिर से हासिल किया। आने वाले दस वर्षों में एजुकेट गर्ल्स एक करोड़ से भी ज़्यादा शिक्षार्थियों तक पहुंचने का लक्ष्य रखता है। भारत के इस मॉडल को अब दुनिया के अन्य हिस्सों में भी साझा करने की योजना है ताकि हर बच्ची को शिक्षा का हक मिल सके। हमें पूरा यकीन है कि जब एक लड़की पढ़ती है, तो उसका असर सिर्फ उसकी ज़िंदगी तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह अपने साथ पूरे समाज को आगे बढ़ाती है।

एजुकेट गर्ल्स की सीईओ गायत्री नायर लोबो ने कहा, हमारे लिए शिक्षा सिर्फ़ विकास का साधन नहीं, बल्कि हर लड़की का बुनियादी अधिकार है। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि जब सरकार, कॉरपोरेट, डोनर्स और समुदाय मिलकर काम करते हैं, तो गहरी सामाजिक और संरचनात्मक चुनौतियों को बदला जा सकता है। हम भारत सरकार के प्रयासों और सहयोग के लिए आभारी हैं, जिन्होंने इस मिशन को संभव बनाया। साथ ही, मालदीव की शाहिना अली और फिलीपींस के फादर फ्लावियानो विलनुएवा को भी हार्दिक बधाई जिनके काम ने हम सभी को प्रेरित किया है।

माफिया मुख्तार की फरार बीवी अफसा अंसारी के बंद घर पर नोटिस चस्पा

मऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले में माफिया मुख्तार अंसारी की बीवी अफसा अंसारी के खिलाफ पुलिस ने कानूनी शिकंजा और कस दिया है। कोर्ट के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत धारा 82 की नोटिस जारी की गई है। यह नोटिस इसलिए दिया गया है ताकि अफसा अंसारी को कोर्ट में हाजिर होने के लिए मजबूर किया जा सके। अफसा अंसारी पर 11

आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह साल 2021 से फरार है। उसके शौहर मुख्तार अंसारी की 28 मार्च 2024 को जेल में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी, लेकिन अफसा उस समय भी सामने नहीं आईं। पुलिस को उम्मीद थी कि अब तो वह जरूर दिखेगी, मगर वो वहां भी नहीं पहुंची।

मऊ कोर्ट ने अफसा के खिलाफ गैर-जमानती वारंट और फिर उठझउ की धारा 82 के तहत कार्रवाई का आदेश दिया था, जिसके बाद गुरुवार (28 अगस्त 2025) की शाम पुलिस की टीम अफसा के मोहम्मदाबाद के दर्जी टोला मोहल्ले में स्थित बंद पड़े घर पर पहुंची, वहां नोटिस चस्पा किया और मुनादी कराई।

1978 के दंगे का रिकॉर्ड संभल के थानों से गायब

तत्कालीन सरकार और दंगाइयों की साठगांठ का नतीजा

संभल, 31 अगस्त (एजेंसियां)। संभल में 1978 में हुए दंगों के दौरान दर्ज 169 एफआईआर का रिकॉर्ड संभल कोतवाली और नखासा थाने से गायब है। अब पुलिस मुरादाबाद कार्यालय से रिकॉर्ड तलाश रही है। अब एफआईआर का रिकॉर्ड मिलने पर सही नुकसान का पता चलेगा।

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि उस वक्त दंगे से जुड़ी जो एफआईआर दर्ज की गई थीं, उनका रिकॉर्ड होना चाहिए था लेकिन यहां के थानों में वह रिकॉर्ड नहीं मिला। जिला बनने से पहले संभल मुरादाबाद का हिस्सा था। लिहाजा मुरादाबाद से ही सभी सूचनाएं एकत्र की जा रही हैं। दंगे को 46 वर्ष बीते हैं। इस हिसाब से इन रजिस्टरों को होना चाहिए था लेकिन थानों में उपलब्ध नहीं है। अब पुलिस सारा रिकॉर्ड मुरादाबाद पुलिस कार्यालय से तलाश कर रही है। ऐसे में यह भी सवाल उठना लाजिमी है कि जब मामला दबाया गया तभी उन रिकॉर्ड को भी गायब किया गया होगा।

29 मार्च 1978 को यह दंगा हुआ तो पुलिस प्रशासन ने काबू कर लिया था लेकिन 30 मार्च को दूसरे दिन दंगे ने बड़ा रूप ले लिया। 50 से ज्यादा दुकानों को जलाया गया। इसमें कारोबार पूरी तरह बर्बाद हुआ। कई लोगों की जान भी गईं। पुलिस-प्रशासन ने हालात पर काबू करने के लिए कर्फ्यू लगाया जो दो महीने तक लगा रहा। दो महीने कर्फ्यू लगाने का कारण था कि यह दंगा शहर के साथ देहात क्षेत्र तक फैल गया था। इस दंगे के बारे में सही तथ्य सामने नहीं आए हैं। कहीं नौ हत्याओं का जिक्र किया गया है तो कहीं 24 लोगों की हत्या का जिक्र है। हालांकि मुख्यमंत्री ने तो विधानसभा में 184 लोगों की हत्या किए जाने की बात कही थी। यदि दर्ज एफआईआर का रिकॉर्ड मिल जाता तो उसमें हत्या और दंगे से जुड़े सभी नुकसान सामने आ जाते।

1978 के दंगे की जांच रिपोर्ट संभल पुलिस तैयार कर रही है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई का कहना है कि शासन द्वारा मांगी गई जानकारी को एकत्र किया जा रहा है। दंगों से जुड़ी सूचनाएं और तथ्य जुटाए जा रहे हैं। दंगे के दौरान हुई घटनाओं, नुकसान और अन्य संबंधित बिंदुओं को भी इस रिपोर्ट में शामिल किया गया है। जल्द ही यह रिपोर्ट शासन को भेज दी जाएगी। उसके बाद जो निर्देश मिलेंगे उसके आधार पर हम कार्रवाई करेंगे। 1978 के दंगे से सबसे ज्यादा खग्गू सराय के रस्तोगी परिवार हुए थे। इस दंगे के बाद ही 40 परिवारों ने अपने घर बेच दिए थे। कुछ शहर के उन हिस्सों में जाकर बस गए जहां हिंदू थे, बाकी ने मुरादाबाद व दूसरे शहरों की राह पकड़ ली। इसके चलते ही इन रस्तोगी परिवार की देखरेख में रहने वाला शिव मंदिर 46 वर्ष तक बंद रहा।

मुस्लिम लीग के नेता मंजर शफी ने राजनीतिक महत्वाकांक्षा को लेकर बाजार बंद कराना चाहा था। इस दौरान दुकानदारों से विवाद हो गया था। इसी दौरान अफवाह फैली की मंजर शफी की हत्या कर दी गई है। इसके बाद ही भीड़ में भगदड़ मच गई और इस भगदड़ के बाद ही दंगा शुरू हो गया। दुकानों में लूटपाट, पथराव, आगजनी की गई। इसमें कई लोगों की जान भी गई। इसको लेकर ही दूसरे दिन दंगा हुआ। संभल में 1947, 1948, 1953, 1958, 1962, 1976, 1978, 1980, 1990, 1992, 1995, 2001 में दंगे हुए थे जबकि वर्ष 2019 और 2024 में पुलिस-प्रशासन और भीड़ के बीच झड़प हो गई थी। 2019 में दो लोगों की मौत हो गई थी। 2024 में पांच लोगों को जान गंवानी पड़ी।

मायावती ने बिहार चुनाव के लिए कसी कमर

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) फिर से चुनावी मोड में है। बसपा बिहार के साथ ओड़ीशा और तेलंगाना में अच्छा प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। बसपा प्रमुख मायावती ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद और केंद्रीय कोआर्डिनेटर एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतम सौंपी है। उन्हें बिहार में अगले महीने होने शुरु होने वाली पार्टी की यात्रा, जनसभा आदि कार्यक्रमों की विशेष जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। ये सभी कार्यक्रम मायावती के दिशा-निर्देश में होंगे।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के चयन और तैयारियों को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ पिछले दो दिनों के दौरान की गई बैठक में गहन चर्चा व समीक्षा के बाद यह निर्देश दिए। साथ ही बिहार में बसपा द्वारा अकेले अपने बल पर चुनाव लड़ने के फैसले के मद्देनजर आने वाले दिनों में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा को भी अंतिम रूप दिया। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को सारी कमियों को दूर करके पूरी मुस्तैदी व तन, मन, धन से आगे बढ़ने का निर्देश भी दिया। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को जारी अपने बयान में कहा कि बिहार एक बड़ा राज्य है, इसलिए वहां की जरूरतों के दृष्टिगत राज्य की सभी विधानसभा सीटों को तीन जोन में बांटकर पार्टी के वरिष्ठ लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिहार में पार्टी की अपनी तैयारी के साथ-साथ राज्य के तेजी से बदलते राजनीतिक हालात एवं चुनावी समीकरण आदि को देखते हुए बसपा द्वारा चुनाव में बेहतर परिणाम लाने का आश्वासन पार्टी के लोगों ने दिया है।

वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो ने इससे पहले ओड़ीशा और तेलंगाना राज्य में भी पार्टी संगठन की तैयारियों और वहां भी यूपी के पैटर्न पर जिला से लेकर पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों के गठन के साथ-साथ पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के मिशनरी कार्यों के बाबत दिए लक्ष्यों की भी समीक्षा की।

यूपी के नोएडा में बनेंगे मोबाइल फोन के टैम्पर-ग्लास

नोएडा, 31 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नोएडा में भारत की पहली टैम्पर्ड ग्लास निर्माण इकाई का उद्घाटन किया। यह फैक्ट्री ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स और अमेरिका की मशहूर कंपनी कॉर्निंग के साथ मिलकर बनाई गई है।

इस मौके पर केंद्रीय अश्विनी वैष्णव ने कहा कि टैम्पर्ड ग्लास मोबाइल फोन के लिए एक महत्वपूर्ण सहायक उपकरण है और इसका स्वदेशी निर्माण मेक इन इंडिया की सफलता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में भारत मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाला हर उपकरण बनाएगा। इस फैक्ट्री में बनने वाले टैम्पर्ड ग्लास को भारत में राइनोटेक ब्रांड के तहत बेचा जाएगा और यह इंजीनियर्ड बाई कॉर्निंग ट्रेडमार्क के साथ आएगा। केंद्रीय मंत्री ने यह भी बताया कि जल्दी ही एक मेड इन इंडिया चिप भी आने की उम्मीद है, जो आत्मनिर्भरता की दिशा में देश की यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित होगी।

इस प्रोजेक्ट के लिए कॉर्निंग और ऑप्टिअमस ने 1000 करोड़ रुपए का संयुक्त उद्यम शुरू किया है। शुरुआत में 70 करोड़ की लागत से तैयार इस फैक्ट्री में कच्चे ग्लास शीट को विदेश से लाकर कॉर्निंग की तकनीक और गुणवत्ता मानकों के अनुसार प्रोसेस किया जाएगा।

घुमंतू जातियों के लिए सरकार बनाएगी कॉलोनियां

सीएम योगी बोले- यूपी में गठित होगा बोर्ड

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। विमुक्त जाति दिवस समारोह में सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह घोषणा की कि प्रदेश सरकार घुमंतू जातियों के लिए कॉलोनियां और मकान बनाएगी। इसके लिए बोर्ड का गठन किया जाएगा। नट, बंजारा, बावरिया, सासी, कंजड़, कालबेलिया, सपेरा, जोगी सहित घुमंतू जातियों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा।

राजधानी लखनऊ में रविवार को विमुक्त जाति दिवस पर समारोह का आयोजन किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया।

इस मौके पर सीएम ने ऐलान किया कि प्रदेश सरकार घुमंतू और विमुक्त जातियों के कल्याण के लिए एक विशेष बोर्ड का गठन करेगी। साथ ही कॉलोनी और मकान उपलब्ध कराया जाएगा। नट, बंजारा, बावरिया, सासी, कंजड़, कालबेलिया, सपेरा और जोगी जैसी जातियों ने देश में विदेशी हमलों के समय योद्धा के रूप में संघर्ष किया। कभी मुगलों तो कभी अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

सीएम ने कहा कि इनके पराक्रम से भयभीत होकर अंग्रेजों ने वर्ष 1871 में क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट लागू किया। इसके तहत इन जातियों को जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया। स्वतंत्रता के बाद भी 1952 तक यह कलंक इन पर लगा रहा। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रयासों से 31 अगस्त 1952 को इस एक्ट से मुक्ति मिली। आज सरकार विमुक्त और घुमंतू जातियों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। शिक्षा और आवास की दिशा में अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। सीएम ने बताया कि प्रदेश के 9 जिलों में जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय संचालित हो रहे हैं। दो आवासीय आश्रम पद्धति विद्यालय प्रारंभ हो चुके हैं। जबकि, 101 आवासीय विद्यालय पहले से चल रहे हैं। यहां छात्रों को रहने, खाने से लेकर यूनिफॉर्म तक की व्यवस्था सरकार कर रही है। इसके अलावा 264 राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावासों में विमुक्त जातियों के बच्चों के लिए भी विशेष सुविधा दी जा रही है। सीएम ने कहा कि सरकार ने वनटांगिया समाज को राजस्व गांव का दर्जा दिया। मताधिकार का अधिकार दिया। उनके लिए घर, स्कूल और अस्पताल बनवाए। इसी तरह मुसहर, कोल, थारू, गौड़, चेरो और सहरिया जैसी जातियों के लिए भी योजनाएं चलाईं। कुम्हार, निषाद और राजभर समाज को भी सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। अब विमुक्त और घुमंतू जातियों को भी जमीन के पट्टे और मतदान की सुविधा दी जाएगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, मंत्री असीम अरुण, नरेन्द्र कश्यप, संजीव गौड़, बैजनाथ रावत, बेचन राम, जीत सिंह खरवार, विश्वनाथ प्रसाद, वाईपी सिंह, भगवान नाथ, डॉ. शोभा चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

8500 करोड़ से ज्यादा खर्च कर लगा रहे स्मार्ट मीटर

लखनऊ, 31 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में स्मार्ट बिजली मीटर लगाने में मनमानी हो रही है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस बारे में गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने में भी मनमानी का आरोप लगाया है।

परिषद का कहना है कि ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन पूरी तरह प्रदेश के उपभोक्ताओं के घरों में जल्द से जल्द स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगवाने में जुटी है। क्योंकि उन्हें पता है कि प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर का टेंडर 8500 करोड़ अधिक दर पर हुआ है। मीटर लगेंगे तभी उनका भुगतान होगा।

प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के टेंडर के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने 18885 करोड़ अनुमोदित किया था, लेकिन प्रदेश में टेंडर 27342 करोड़ का जारी किया गया है। ऐसे में करीब 8500 करोड़ ज्यादा खर्च किया जा रहा है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि मीटर की लागत प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं से नहीं वसूली जा सकती। इसके लिए केंद्र सरकार ने आदेश जारी कर रखा है।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण की आड़ में बिजली कर्मचारियों पर लगातार उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की जा रही है। इससे बिजली कर्मियों में आक्रोश बढ़ रहा है। संघर्ष समिति ने कहा कि तमाम कार्मिकों को 3 माह से वेतन नहीं दिया गया है जो पूरी तरह अमानवीय है। संविदा कर्मियों को 55 वर्ष की आयु के नाम पर निकाला जा रहा है। पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल एवं प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने शनिवार को सेवानिवृत होने वाले आठ कार्मिकों को उनके देयकों से संबंधी पपत्र सौंपे। इसमें मुख्य अभियंता जमुना प्रसाद विमल एवं विकास गुप्ता, अधीक्षण अभियंता मुनेंद्र कुमार, अनुभाग अधिकारी राम बहादुर यादव, लेखाकार पूनम कपूर तथा गिरीश चंद्र जोशी, अनुसेवक मन्नालाल वाल्मीकि तथा राम मनोहर शामिल है। गोयल ने कहा कि सभी निगमों के प्रबंध निदेशकों को निर्देशित किया कि सेवानिवृत्त होने वालों को तत्काल उनके देयकों का भुगतान कर दिया जाए।

40 लाख की स्मैक के साथ दो पुलिसकर्मी सहित छह तस्कर पकड़े गए

अमरोहा, 31 अगस्त (एजेंसियां)। अमरोहा पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के बड़े रैकेट का पर्दाफाश करते हुए दो सिपाहियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 1.34 किलो स्मैक बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 40 लाख रुपए है। पुलिस ने सभी को एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश करने की तैयारी की है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश पर चलाए गए अभियान के तहत, सैदनगली पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने मिलकर यह कार्रवाई की। एसपी ने बताया कि उझारी-ढबारसी रोड पर गंगा एक्सप्रेसवे पुल के नीचे चेकिंग के दौरान एक वैगनआर कार को रोका गया। कार में सवार छह व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया।

इनमें दो पुलिसकर्मी सिपाही योगेश कुमार और सिपाही आशु सैनी, आदमपुर के गांव सांथलपुर निवासी गौरव कुमार, आदमपुर के गांव गाराबपुर उर्फ रूस्तमपुर निवासी नाजिम, रहरा के गांव फूलपुर निवासी आदिल और एक नाबालिग शामिल थे। दोनों सिपाही आदमपुर थाना क्षेत्र की ढबारसी पुलिस चौकी में तैनात थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए। एसपी के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनके एक साथी के पास बड़ी मात्रा में स्मैक थी। इस स्मैक को बेचने के बजाय, उसे छीनने की साजिश रची। इस काम में उन्होंने पुलिसकर्मी योगेश और आशु सैनी की मदद ली।

19 जुलाई को पहले नाजिम, आदिल, गौरव और नाबालिग आरोपी मयंक यादव के पास पहुंचे। उसके पास बड़ी मात्रा में स्मैक थी। मयंक यादव से स्मैक की सौदेबाजी करने लगी। इसी बीच दोनों सिपाही वर्दी में वहां पहुंच गए और मयंक यादव को डराकर भगा दिया और स्मैक अपने कब्जे में ले ली। गिरफ्तारी के समय सभी आरोपी इस स्मैक को दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में बेचने जा रहे थे ताकि इससे मिलने वाले पैसों को आपस में बांट सकें। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उन्हें कोर्ट में पेश करने की तैयारी कर रही है। इस सफल ऑपरेशन में सैदनगली पुलिस टीम और एसओजी व सर्विलांस टीम के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं

सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

बच्चों के साथ हो दोस्ती

सोशल नेटवर्किंग साइट पर भी अपने बच्चों से हमेशा जुड़े रहिए, इससे आप उनकी हर वक्त की गतिविधि के बारे में जानकारी ले सकेंगे। इसके लिए अपने बच्चे के साथ दोस्ती कीजिए, उनकी फ्रेंडलिस्ट में खुद को शामिल कीजिए, और उनके हर वक्त के अपडेट से अवगत होते रहिए।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद हैं भिंडी!

भिंडी हरी सब्जियों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यह सेहत के लिए बहुत लाभदायिक होती है। भिंडी को खाने के अलावा भी इसके कई फायदे हैं। आप इसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की तरह भी इस्तेमाल कर सकते है। आप भिंडी का इस्तेमाल करके खूबसूरत दिख सकती है। ज्यादा देर तक धूप में रहने से हमारी स्किन काली हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप भिंडी का मास्क बना कर लगा सकते है।

अंगुलियां चटकाना हो सकता है नुकसानदायक

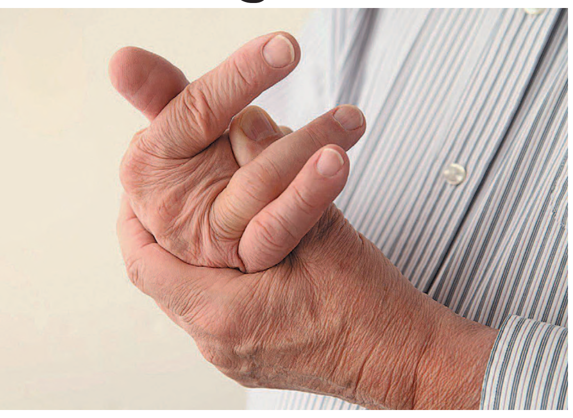

उंगलियां चटकाने से उंगलियां के आसपास के मसल्स को काफी आराम मिलता है इसलिए उंगलियां चटकाने की आदत हर दूसरे इंसान को होती है। जबकि ये आदत गठिया जैसे रोग को जन्म दोती है। अगर आपको भी है ये आदत तो इस तरह से छुड़ाएं अपनी ये आदत।

कैसे चटकती हैं उंगलियां

ऑफिस में बैठे-बैठे या कुछ पढ़ते व लिखते वक्त आप अपने आप उंगुलियों को फोड़ने या चटकाने लगते हैं। ऐसा अमूमन हर दूसरा इंसान करता है। उंगुलियों के चटकने के बाद हाथों को काफी आराम मिलता है जिस कारण लोग और अधिक उंगुलियां चटकाने लगते हैं। कई लोग तो गर्दन की हड्डियां भी सुबह-सुबह उठकर चटकाते हैं। जबकि इस तरह से हड्डियों को या उंगुलियों को चटकाना काफी नुकसानदेह होता है। तो आइए आज हम जानते हैं, उंगुली चटकाने से होने वाले नुकसान और इसे छोड़ने के तरीके।

गठिया का रोग

उंगुलियां चटकाने से गठिया जैसी खतरनाक बीमारी होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार उंगलियों की हड्डियों को चटकाना गठिया रोग का कारण बनता है। इस रिपोर्ट के अनुसार हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं जिसे जोड़ कहते हैं। इन जोड़ों के बीच एक द्रव होता है जो उंगुलियों के चटकने के दौरान कम हो जाता है। ये द्रव जोड़ों में ग्रीस के समान होता है जो हड्डियों को आपस मे रगड़ खाने से रोकता है। ऐसे में बार-बार उंगुलियों के चटकने से जोड़ों की पकड़ कमजोर हो जाती है। साथ ही हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक भी नष्ट हो जाते हैं जिससे गठिया जैसे रोग हो जाते हैं।

इस कारण पड़ती है ये आदत

लगभग हर इंसान को ये आदत होती है। जबकि इस आदत के बारे में कोई किसी को सिखाता भी नहीं है। तो ऐसे में सवाल उठता है कि ये आदत कैसे पड़ती है? दरअसल उंगलियों को चटकाने से जोड़ों के आसपास की मसल्स और हाथों को आराम मिलता है। इसलिए लोग लिखते-पढ़ते या ऑफिस व अन्य जगह में बैठे-बैठे ही उंगलियां चटकाने लगते हैं क्योंकि ऐसा करने से उन्हें आराम मिल जाता है।

इस तरह से रोकें

उंगुलियां चटकाना उंगलियों की हड्डियों के जोड़ों को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में इस आदत को रोकना बहुत जरूरी है। इस आदत को रोकने के लिए ध्यान दें। जब भी आप पढ़ते या लिखने या काम करते वक्त ऐसा करते हैं तो उस वक्त खुद पर फोकस करें। अगर आप कभी गलती से उंगुलियां चटकाने लगते हैं तो तुरंत छोड़ दें। चाहे उंगुलियां कितनी भी दर्द दे रही हों।

हाथों को व्यस्त रखें

उंगुलियां चटकाने से खुद को रोकने के लिए अपने हाथों को वयस्त रखें। क्योंकि कई बार लोग खाली वक्त में मेट्रो या बस में बैठे-बैठे भी उंगुलियां चटकाने लगते हैं। तो ऐसी स्थिति में अपनी उंगुलियां चटकाने के बजाय पेंसिल या सिक्के से खेलना शुरू करें। या फिर ऑफिस में बैठे-बैठे ऐसा करते हैं तो उस समय कुछ लिखने लगें या ड्राइंग बनाने लगें।

शिशु को दर्द दिए बिना हटाएं त्वचा के रोएं

यह बिल्कुल सच है कि एक मां अपने बच्चे के स्वास्थ्य और उसके सौंदर्य को लेकर काफी चिंतित रहती है। शिशुओं के चेहरे और शरीर पर अत्यधिक रोएं या बाल उनकी सुंदरता को प्रभावित करती है। लेकिन नवजात शिशु के चेहरे और शरीर पर रोएं आनुवंशिक कारणों से पहले से ही निर्धारित होते हैं, इन्हें हटाने के लिए ज्यादा कुछ करना खतरनाक साबित हो सकता है लेकिन इसके लिए कुछ घरेलू उपाए अपना सकते हैं,

उबटन है मददगार

आमतौर पर घर के बड़े-बुजुर्ग बाल हटाने के लिए पारंपरिक घरेलू उपचार आजमाने का सुझाव देते हैं, जो कि काफी मददगार होता है। कुछ लोग मानते हैं कि बेसन और हल्दी से बना उबटन या फिर आटे, कच्चे दूध और गुलाब जल का लेप भी रोएं हटाने में मदद करता है। हालांकि ये घरेलू नुस्खे काफी प्रचलित हैं। लेकिन इसका बैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इसमें यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कच्चे दूध में ई-कॉली और साल्मोनेला जैसे जीवाणु हो सकते हैं, जो कि आपके शिशु को दस्त (डायरिया) और पेचिश जैसी बीमारियां पैदा कर सकते हैं।

ऑलिव ऑयल है खास

ऑलिव ऑयल नवजात शिशु की त्वचा और उनकी हड्डियों को मजबूत बनाने में बहुत ही खास भूमिका अदा करता है, लेकिन इसकी एक और खूबी है। यदि नवजात शिशु को प्रतिदिन सुबह और शाम ऑलिव ऑयल की मालिस की जाए तो चेहरे और शरीर के रोएं को कम किया जा सकता है। यह त्वचा की सुंदरता के लिए भी खास है।

गेहूं और चने का आटा

जिन आटों की हम घर में रोटियां बनाकर खाते हैं, उनका प्रयोग नवजात शिशु के शरीर के रोंए हटाने में कर सकते हैं। इसके लिए गेहूं और चने का आटा को बराबर मात्रा में पानी के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु की त्वचा पर हल्के हाथों से धीरे-धीरे रगड़ें। जन्म के एक से चार महीनों के बीच इसका फायदा दिखने लगेगा।

मसूर दाल व बदाम का पेस्ट

अपने नवजात शिशुओं की त्वचा के रोएं हटाने के लिए एक बहुत ही आसान तरीका है। मसूर की दाल और बदाम का पेस्ट बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इसके लिए दाल और बादाम को बराबर मात्रा में दूध के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु को मालिश कर सकती हैं। इन घरेलू उपायों के बाद भी अगर त्वचा के काले और बड़े बालों से निजात नही मिल रहा है तो इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

चिरौंजी है गुणकारी

नवजात शिशु की त्वचा से रोएं हटाने के लिए चिरौंजी बहुत ही गुणकारी होता है। एक कप चिरौंजी को रात में सोने से पहले पानी में भिगो दें। सुबह तक चिरौंजी फूल जाएगी, जिसे मिक्सर से पीस लें। इसके बाद हल्के हाथों से अपने शिशु के शरीर पर लगाएं। प्रतिदिन करने से थोड़े ही दिनों में इसका लाभ दिखने लगेगा।

इस तरह करें प्लास्टिक चावल की पहचान...

कहीं आप भी तो नहीं खा रहे प्लास्टिक चावल? चीन से आने वाला यह प्लास्टिक चावल दिखने में बिल्कुल असली चावल की तरह ही दिखाई देता है। और तो और पकने के बाद भी आप प्लास्टिक चावल और असली चावल में फर्क नहीं कर सकते। असली चावल के साथ मिलाकर बाजारों में बिकने वाला यह चावल, असली चावल में इस कदर मिल जाता है, कि आप इसके रूप, रंग, आकार और यहां तक कि स्वाद में भी फर्क नहीं कर पाएंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस चावल को खाने से आप कैंसर जैसी भयानक बीमारी के शिकार हो सकते हैं। लेकिन उससे भी पहले आप शिकार हो सकते हैं, पेट की बीमारियों के...। एक कटोरी प्लास्टिक चावल, एक बैग पॉलीथिन के बराबर होता है। जरा सोचिए.... प्लास्टिक या पॉलीथिन को खाने के बाद, पेट की क्या हालत होगी ? यह ना तो पचता है, और ना ही सड़ता है।

प्लास्टिक चावल के इन सभी दुष्परिणामों से बचने के लिए इस चावल की पहचान करना बेहद आवश्यक है। अब सवाल यह उठता है, कि प्लास्टिक चावल की पहचान कैसे करें ..। हम आपको बता रहें हैं, कि आखिर कैसे पहचानें प्लास्टिक चावल को। ऐसे करें पहचान -

1. **चमक-** जब आप चावल को ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे प्लास्टिक के चावल असली चावल की तुलना में ज्यादा चमकीला नजर आता है।
2. **आकार-** अगर दो तरह के नकली चावलों को एक साथ मिलकर देखेंगें, तो सारे चावलों की मोटाई और आकार, एक जैसा ही दिखाई देगा।
3. **वजन-** नकली चावल का वजन असली की तुलना में हल्का होता है, इसीलिए तौलने पर नकली चावल की मात्रा अधिक होगी।
4. **भूसी -** नकली चावल बिल्कुल साफ सुथरा होगा, जबकि असली चावल में कहीं न कहीं धान की भूसी मिल ही जाएगी।

बर्तनों से दूर होगी आयरन की कमी

शास्त्रों में भी लोहे की बर्तनों में खाना बनाने की सलाह दी जाती है। इसकी वजह ये है कि खाना पकाते वक्त कढ़ाई से लोहे का कुछ अंश भोजन में मिल जाता है जिससे खाने में पर्याप्त मात्रा में आयरन मिल जाता है। अगर शरीर में हीमोग्लोबीन की कमी हो तो लोहे के बर्तनों में बना खाना खाने से फायदा पहुंचता है। लेकिन लोहे के बर्तनों में खाना बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। रोज इन बर्तनों में खाना बनाने से बचना चाहिए। हफ्ते में केवल एक या दो बार ही पकाएं। खट्टी या फिर एसिड वाली चीजों को इसमे पकाने से बचें। कढ़ी, रसम, सांभर या फिर ऐसी चीजें जिसमें टमाटर का प्रयोग होता हो। लोहे के बर्तनों को धोने के बाद तुंरत तेल की हल्की सी परत लगा दें जिससे जंग ना लगे। मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से 100 प्रतिशत तक पोषक तत्व खाने में बने रहते हैं और इसके साथ मिट्टी के अपने गुण और पोषक तत्व भी इसमें समा जाते हैं, जिससे भोजन में मौजूद गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। लंबे समय से लोग तांबे के बर्तन में पानी पीते आ रहे हैं। कई लोग रात को तांबे के बर्तन में पानी भरकर सुबह पीते हैं इससे पेट की सभी बीमारियां दूर होती हैं। स्टेनलेस स्टील के बर्तन अच्छे, सुरक्षित और किफायती विकल्प हैं। इन्हें साफ करना भी बहुत आसान है। लेकिन अगर सेहत को लेकर ज्यादा सजग हैं तो स्टील के बर्तन कम उपयोग में लाएं।

श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि की परेशानियों से मिलेगी निजात

मत्स्यासन दिलाएगा बीमारियों से छुटकारा

योगा एक ऐसी चीज है जिसे यदि रोज किया जाए तो तमाम बीमारियों से शरीर को मुक्त रखा जा सकता है। आजकल योगा का क्रेज युवाओं में बढ़ता जा रहा है। मत्स्यासन अकेला ऐसा आसन है, जिसे विधिवत करके अनेक बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। अगर इस आसन का अभ्यास सर्वांगासन के बाद किया जाए तो दोनों आसनों का लाभ दोगुना हो जाता है।

आसन की विधि

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले दरी बिछाकर जमीन पर बैठ जाइए। फिर पद्मासन लगाइए। कुहनी का सहारा लेते हुए जमीन पर लेट जाइए। पीछे से सिर के पास हथेली लगाकर सिर को ऊपर उठाकर सिर को इस प्रकार जमीन पर टिकाना चाहिए कि गर्दन, छाती और पीठ अधिक से अधिक ऊपर की तरफ उभरी रहे। शरीर का भार सिर्फ पैरों और सिर पर टिका रहना चाहिए। हाथों से पैरों के अंगूठों को पकड़ लें। दोनों घुटने जमीन से सटे रहेंगे। श्वास-प्रश्वास सामान्य रहेगी। इस क्षमता के अनुसार आसन का अभ्यास 1 से 5 मिनट तक करें। वापस आते समय सबसे पहले हथेली का सहारा लेकर गर्दन को सामान्य अवस्था में लाएं फिर कुहनी का सहारा लेते हुए धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आएं। जल्दबाजी न करें। प्रारंभ में अधिकांश लोगों को मत्स्यासन में कठिनाई होती है, इसलिए पहले बैठकर पद्मासन का अभ्यास करना चाहिए और इसके बाद मत्स्यासन का अभ्यास करना चाहिए।

...तो ये हैं आसन के लाभ

पाचन संस्थान, आमाशय, यकृत, गुर्दे और फेफड़ों पर प्रभाव डालकर इन अंगों से संबंधित रोगों में यह आसन चमत्कारिक लाभ देता है। इस आसन से फेफड़े, श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि के विकार दूर होते हैं। फेफड़े में अतिरिक्त हवा भरने से उनके बंद कोष खुल जाते हैं। यह आसन दमा, क्षय व अन्य श्वसन संस्थान के रोगों में लाभ प्रदान करता है। सर्वांगासन के बाद यह आसन किया जाएं तो सर्वांगासन के दौरान गर्दन और ग्रीवामणि की पेशियों में जो तनाव आता है, वह दूर हो जाता है। यह आसन मेरु दंड और पीठ दर्द के रोगों के लिए भी लाभकारी है। गैस्ट्रिक, गले से संबंधित रोग, उच्च रक्तचाप, हाइपो थॉयरोडिज्म आदि में भी उपयोगी है।

बैकिंग के स्वाद में छिपा बेहतर भविष्य

बैकिंग दुनिया के सबसे पुराने व्यवसायों में से एक है, लेकिन समय के साथ इसके स्वरूप व तकनीक में काफी परिवर्तन आया है। आजकल पूरी दुनिया में लोग बेक की हुई चीजों का बहुत बड़े स्तर पर प्रयोग करते हैं। ऐसे में एक प्रोफेशनल बेकर की डिमांड भी काफी बढ़ी है। यदि आपको भी खाना बनाना पसंद है तो आप एक बेकर के रूप में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

क्रिएटिव होना भी जरूरी...

एक बेकर के लिए बेहद जरूरी है कि उसे भोजन व उससे संबंधित सामग्री से बेहद प्यार हो। इसके अतिरिक्त वह बेकरी प्रॉडक्ट्स और उसकी सामग्री से परिचित हो। उसे सिर्फ खाना पकाना ही नहीं आता हो बल्कि अपनी क्रिएटिविटी के बलबूते वह उसे एक नया रूप देने में सक्षम हो।

स्किल्स...

वैसे तो इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी विशेष योग्यता की आवश्यकता नहीं है बस आपको बैकिंग, आइसिंग व डैकोरेटिंग की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन अगर आप चाहें तो अपने स्किल्स में निखार लाने के लिए बेकिंग व कन्फैक्शनरी में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने हो सकती है तथा आप 10वीं व 12वीं के बाद यह कोर्स आसानी से कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को न्यूट्रिशन, फूड सर्विस, बैकिंग के सिद्धांतों, सैनिटेशन, बैकिंग के दौरान काम आने वाली मशीनरी को चलाने आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाता है। कोर्स में छात्रों को बैकिंग की बेसिक जानकारी के साथ-साथ एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें उन्हें इंडस्ट्रीयल इक्विपमेंट के जरिए सारी सामग्री को मिक्स करना व बेक करना सिखाया जाता है।

अपॉर्चुनिटी...

आप इस क्षेत्र में किसी होटल, बेकरी शॉप, केटरर आदि के जरिए कदम रख सकते हैं। वैसे आप बेकरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी जुड़ सकते हैं। आप खुद की बेकरी शॉप भी खोल सकते हैं। यदि आपके अंदर बेकिंग का हुनर लाजवाब है तो आप विदेश में भी नौकरी तलाश सकते हैं।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा
- एलबीआईआई एचएम, पीतमपुरा, दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

रेसिपी

कन्द वेफर

सामग्री

2 कप छिले और पतले कटे हुए कन्द
1 टी-स्पून तेल
2 टी-स्पून ताजी पिसी हुई कालीमिर्च
सेंधा नमक , स्वादअनुसार

विधि

माइक्रोवेव सुरक्षित प्लेट में बटर पेपर रखें और ½ कप कंद के टुकड़ो को फैला दें। टुकड़ो के बीच उपयुक्त स्थान रखें और उन्हें एक के उपर ना रखें। 4 मिनट तक माईक्रोवेव पर हाई (पुरे तापमान) पर, बीच में तीन बार पलटते हुए पकाएं। दोनों हाथों पर ¼ टी-स्पून तेल चुपड़े, सेंधा नमक और ¼ टी-स्पून कालीमिर्च को कन्द वेफर पर छिड़के और हाथों से अच्छी तरह से मिलाएं। शेष बची सामग्रीयों से 3 और हिस्से बनाएं। पुरी तरह से ठंडा कर हवा-बन्द डब्बे में संचय करें।

करीवेपिल्लई पोड़ी

सामग्री

1 कप कड़ी पत्ता, 2 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 2 टेबल-स्पून खड़ा धनिया, 1 टेबल-स्पून चना दाल, 1 टेबल-स्पून उड़द दाल, 1 टी-स्पून काली मिर्च, 2 टी-स्पून ज़ीरा, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 1/2 कप सूखा कसा नारियल, 1 टेबल-स्पून कटी हुई इमली, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटा पैन गरम करें, कड़ी पत्ता डालकर, धीमी आंच पर 3-4 मिनट के लिए लगातार हिलाते हुए भून लें। निकालकर एक तरफ रख दें। एक छोटे पैन में तेल गरम करें, खड़ा धनिया, चना दाल, उड़द दाल, काली मिर्च, जीरा, सरसों, तिल, लाल मिर्च और नारियल डालकर धीमी आंच पर लगातार हिलाते हुए 5 मिनट के लिए भून लें। ठंडा करने के बाद, कड़ीपत्ता, इमली, गुड़ और नमक डालकर, मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। हवा बन्द डब्बे में रखकर जरुरत अनुसार प्रयोग करें।

संपादकीय

नई विश्व व्यवस्था से बेचैनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी दो दिवसीय जापान की सफलतापूर्वक यात्रा संपन्न करके शनिवार को चीन पहुंच गए जहां उन्हें रविवार व सोमवार को दिन 25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेना है और इस बैठक के इतर चीन, रूस एवं ईरान के साथ ही कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तजाकिस्तान के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है। इस बैठक में हिस्सा तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को भी लेना है किंतु उनसे तो यदि दुआसलाम ही जाए तब भी बहुत बड़ी खबर बन सकती है। इस बार की एससीओ बैठक निश्चित रूप से बहुचर्चित होने वाली है क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री मोदी के शामिल होने को अमेरिका ने बहुत ज्यादा हल्ला मचाया है। अमेरिका एससीओ से भी उतना ही भड़क रहा है जितना कि वह ब्रिक्स से खौफ खाता है। असल में एससीओ की शुरुआत 1996 में शंघाई फाइव के रूप में हुई थी जिससे चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, और ताजकिस्तान शामिल थे। उस वक्त इस संगठन का उद्देश्य था कि शीत युद्ध के बाद सीमा विवादों को सुगमता एवं समझदारी से निपटाना। 2001 में उज्बेकिस्तान के शामिल हो जाने के बाद इस संगठन का नाम शंघाई सहयोग संगठन हो गया। 2017 में भारत व पाकिस्तान तथा 2023 में ईरान और 2024 में बेलारूस के सदस्य बनने के बाद इसके स्वरूप में व्यापक विस्तार हुआ। यहां नहीं इस संगठन में डायलाग पार्टनर के रूप में सउदी अरब, मिस्र, तुर्की, म्यांमार, श्रीलंका और कम्बोडिया जैसे 14 देशों को शामिल करके दुनिया के बनते-बिगड़ते समीकरणों में सक्षम बनाने के लिए एससीओ का और बड़ा स्वरूप बनाया गया। एससीओ के इस विस्तार से अमेरिका और यूरोप के देशों की आशंका स्वाभाविक है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा को ट्रंप द्वारा भारत के खिलाफ अनावश्यक टैरिफ से जोड़कर देख रहा है। यह सच है कि जून में जिस तरह राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच सहयोग, विश्वास और व्यवसाय बढ़ाने पर जोर दिया और उसके बाद विदेश मंत्री और एनएसए को भेज कर चीन के आशय को समझने की कोशिश गई, वह इस तथ्य का परिचायक है कि प्रधानमंत्री मोदी को इस बात का अच्छी तरह एहसास हो गया है कि ट्रंप प्रशासन पर भरोसा करना आत्मघात साबित हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी यह भी जानते हैं कि चीन विश्वसनीय नहीं है, किंतु वह यह भी जानते हैं कि ट्रंप के झूठ और दबंगई से भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में अस्थिरता आना निश्चित है, इसीलिए भारत की तरफ से चीन के साथ जब संबंधों को सामान्य बनाने पर सहमति बन गई तभी चीन के विदेश मंत्रालय और भारत में चीन के राजदूत ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 25 प्लस 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाने को गलत और अन्यायपूर्ण बताकर वाशिंगटन डीसी को यह संकेत दे दिया कि उसे भारत के साथ संबंधों का सामान्य बनने और सहयोग बढ़ाने में कोई आपत्ति नहीं है। इस बीच चीन के विदेश मंत्री ने भारत में आकर भारत के लिए प्रतिबंधित दुर्लभ मृदा उर्वरक और सुरंग खोदने की मशीन देने की घोषणा कर दी। दूसरी तरफ अमेरिका ने 25 प्रतिशत टैरिफ यह कहकर भारत पर ठोक दिया कि भारत द्वारा रूस से तेल लिया जाता है और उसी पैसे से रूस यूक्रेन पर हमले कर रहा है। अब देखने की बात तो यह है कि एक तरफ चीन भारत से नजदीकियां बढ़ा रहा है जबकि दूसरी तरफ ट्रंप और उनके सलाहकार भारत पर तरह तरह दुराशय के वशीभूत होकर टैरिफ लगाए जा रहे हैं। नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी से संबंध एक बार फिर तीस साल पुरानी स्थिति में यानि न्यूनतम स्तर पर पहुंचाने के लिए ट्रंप आमादा है। अमेरिका चीन से संबंध सुधारने के लिए भारत पर दोषारोपण भी करता है। ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो तो यहां तक कहते हैं कि जिस चीन ने भारत के अक्साई चिन और लद्दाख के बड़े भू-भाग पर बलपूर्वक कब्जा कर रखा है, उसे देखते हुए भारत को चीन से सहयोग बढ़ाना हैरानी की बात है। चीन से बढ़ते संबंधों को लेकर अमेरिका की चिंता पर भारत की किसी तरह की संवेदनशीलता नजर नहीं आती क्योंकि भारत अब किसी के सलाह पर अपनी विदेश, व्यापार और रक्षा नीति का निर्धारण नहीं करता किंतु भारत उतना जरूर जानता और समझता है कि मित्रता की आड़ में राष्ट्रीय हितों पर आघात करने वाले से अच्छा वह शत्रु है जो खुलेआम लड़ता है और दोनों के कामन शत्रुता का सामना करने के लिए एकजुटता के लिए सहमति व्यक्त करता है।

25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेना है और इस बैठक के इतर चीन, रूस एवं ईरान के साथ ही कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तजाकिस्तान के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है। इस बैठक में हिस्सा तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को भी लेना है किंतु उनसे तो यदि दुआसलाम ही जाए तब भी बहुत बड़ी खबर बन सकती है। इस बार की एससीओ बैठक निश्चित रूप से बहुचर्चित होने वाली है क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री मोदी के शामिल होने को अमेरिका ने बहुत ज्यादा हल्ला मचाया है। अमेरिका एससीओ से भी उतना ही भड़क रहा है जितना कि वह ब्रिक्स से खौफ खाता है। असल में एससीओ की शुरुआत 1996 में शंघाई फाइव के रूप में हुई थी जिससे चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, और ताजकिस्तान शामिल थे। उस वक्त इस संगठन का उद्देश्य था कि शीत युद्ध के बाद सीमा विवादों को सुगमता एवं समझदारी से निपटाना। 2001 में उज्बेकिस्तान के शामिल हो जाने के बाद इस संगठन का नाम शंघाई सहयोग संगठन हो गया। 2017 में भारत व पाकिस्तान तथा 2023 में ईरान और 2024 में बेलारूस के सदस्य बनने के बाद इसके स्वरूप में व्यापक विस्तार हुआ।

जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं

भारत-जापान दोस्ती से नये वैश्विक संतुलन की कोशिश

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे। आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संतुलन का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच 'दोस्ती के नए दौर' का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे। आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक 'रणनीतिक अवसर' है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफ वार से बने शून्य की भरपाई की जा सके। निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना 'संतुलनकारी शक्ति' की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है। जापान भारत का पूराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक

भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन् 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरुआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में 'नई शक्ति धुरी' का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो 'मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा मिलेगी। हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर 'एशिया-प्रशांत' को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक 'पैसिव खिलाड़ी' से 'ग्लोबल लीडर' की भूमिका में लाने का अवसर है। भारत-जापान की दोस्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रूवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन की टकराहट ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र को विश्व राजनीति का केंद्र बना दिया है। चीन की आक्रामक नीतियां, उसके विस्तारवादी रुख और आर्थिक दबदबे की कोशिशों ने भारत और जापान को स्वाभाविक रूप से निकट लाया है। भारत-जापान की साझेदारी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर 'क्वाड' को मजबूत करती है। यह केवल सुरक्षा गठबंधन नहीं बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र नौवहन, आतंकवाद से मुकाबला, और आपसी व्यापार-विकास का साझा दृष्टिकोण है। इससे चीन की एकध्रूवीय शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर अंकुश लगता है।

अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और टैरिफ बाधाओं ने भारत-जापान को विकल्प खोजने पर मजबूर किया है। दोनों देश मिलकर 'चीन-प्लस-वन' रणनीति को आगे बढ़ा सकते हैं, यानी चीन पर निर्भरता कम करके एशिया और अफ्रीका के नए बाजारों में निवेश और उत्पादन केंद्र बना सकते हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संतुलित होगी। जापान भारत में बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहा है। भारत की युवा कार्यशक्ति और जापान की तकनीकी दक्षता मिलकर नवाचार और टिकाऊ विकास का मॉडल पेश कर सकती है। यह मॉडल पश्चिमी पूंजीवाद और चीनी साम्यवादी अर्थशास्त्र से भिन्न होगा। दोनों देशों के बीच संबंध केवल रणनीति या व्यापार तक सीमित नहीं हैं बल्कि साझा मानवीय मूल्यों से नैतिक गहराई प्रदान करने का आधार भी है। यह मित्रता 'सॉफ्ट पावर' के रूप में भी वैश्विक शांति को आधार देगी। यह न तो किसी आक्रामक गठबंधन का रूप है और न ही केवल आर्थिक लाभ का गणित।

देश दुनिया से

विभाजन की त्रासदी के लिए जिम्मेदार लोग

यदि देश का विभाजन जरूरी हो ही गया था तो बंटवारा के लिए डॉ. आंबेडकर की जनसंख्या के संपूर्ण स्थानांतरण की योजना स्वीकार कर ली गईं होती अर्थात सारे हिन्दू भारत में और सारे मुसलमान पाकिस्तान में चले जाते, ऐसी स्थिति में पाकिस्तान में रह गए हिन्दुओं का शोषण न होता और भारत में न हिदूमुस्लिम झगड़ा होता और न ही हिदू राष्ट्र बनाने की मांग उठती। बसंत वुमार हजारों वर्ष गुलामों झेलने वाले भारत को 1947 में आजादी मिली और भारत 1950 में अपने संविधान को अंगीवृत करके एक गणराज्यों बना लेकिन इस आजादी की कीमत हमें भारत के धरमिक आधार पर विभाजन के रूप में भारत और पाकिस्तान के रूप में चुकानी पड़ी, एक ओर हम जहां अग्रेजों से आजादी का जश्न मना रहे थे वहीं दूसरी ओर बंटवारे के कारण हिदू मुस्लिम के नाम पर लाखों लोगों के मारे जाने की खबरें आ रही थीं। इससे बड़ी त्रास्दी और क्या हो सकती थी कि जहां हम 15अगस्त 1947 को आजादी का जश्न मना रहे थे वहीं हमारी स्वतंत्रता आंदोलन के अग्नि नेता महात्मा गांधी दिल्ली से दूर पामि बंगाल में हिदू-मुस्लिम दंगों को शांत कराने में लगे थे। विभाजन के बाद बने दो देश आज भी दो पड़ोस देशों की तरह शांति पूर्वक नहीं रह पा रहे हैं और दोनों के बीच तीन चार युद्ध हो चुके है और सैनिक झड़पें आम बात है। पर भारत में अभी भी यह बहस चलते रहते हैं कि विभाजन का दोषी कौन है। जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है वह देश के बंटवारे के लिए दूसरे को दोषी ठहराता है, वुछ दिन पूर्व एनसीईआरटी की पुस्तकों में यह पाठाव्रम जोड़ा गया है कि बंटवारे के लिए कांग्रेस, जिन्ना और अंग्रेज हुवूमत दोषी थे और कांग्रेस के सत्ता काल में विभाजन के लिए हिन्दू महासभा और मुस्लिम लीग को दोषी ठहराया जाता रहा। देश के विभाजन के समय से ही इस विभाजन के लिए जिम्मेदार व्यत्तियों और जिम्मेदार संगठनों की सूची बनाने का काम अभी तक भी चल रहा है और सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इन बातों से कक्षा 8 से लेकर कक्षा 12 तक के बच्चों को प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। यह बात सच है कि देश के विभाजन के लिए कांग्रेस, मोहम्मद अली जिन्ना और अंग्रेज हुवूमत को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, पर कांग्रेस समर्थक इस विभाजन के लिए जिम्मेदार विनायक दामोदर सावरकर और उन्हें द्वि राष्ट्र सिद्धांत को मनाते हैं। ये लोग कहते है कि सावरकर के हिदुत्व के सिद्धांत और उनके नेतृत्व में हिदू महा सभा ने ऐसी परिस्थितियां बना दी कि देश का विभाजन वार्ता की मेज पर बैठने से पहले ही तय हो गया था। महात्मा गांधी के बार बार यह कहने पर कि देश का बटवारा उनकी लाश पर होगा। पर वे देश का विभाजन नहीं रोक पाए और उसका मुख्य कारण हिदुत्व राष्ट्रवाद और मुस्लिम राष्ट्रवाद के सिद्धांत थे। देश को दो राष्ट्र का सिद्धांत देने वाले सावरकर थे और वे कहते थे कि देश में दो राष्ट्र हो सकते हैं पर दोनों राष्ट्र एक देश में रहेंगे पर जिन्ना ने सावरकर को दो राष्ट्र के सिद्धांत को आधार बना कर यह कहना शुरू कर दिया कि हिदू और मुस्लिम दो अलग-अलग क़ौम है और वे एक साथ नहीं रह सकती। सावरकर के दो राष्ट्र सिद्धांत और भारत विभाजन में इसके प्रभाव को डा आंबेडकर ने अपनी पुस्तक 'पाकिस्तान आर परटिशन ऑफ इंडिया' में भलीभांति समझाया है। आंबेडकर के अनुसार सावरकर की टू नेशन थियरी का सार यह है कि हिदू और मुस्लिम दो अलग-अलग संस्वृतिया हैं पर ये दोनों एक देश मे रह सकती है, दोनों का एक संविधान होगा और देश में बहुसंख्यक होने के नाते हिन्दू समुदाय प्रमुख होगा और मुस्लिमों समुदाय जो जनसंख्या के हिसाब से अल्पसंख्यक है उसे हिदुओं के साथ सहयोग करकर रहना होगा। पर मुस्लिम समुदाय ने इस देश पर अल्पसंख्यक होते हुए भी शादियों तक शासन किया है वे हिदुओं को इस देश में शासक के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते। वे शासन और सत्ता में बराबर का हिस्सा चाहते थे। इसलिए दोनों ही राष्ट्र एक दूसरे का सम्मान करते हुए कहा हिन्दू बहुसंख्यक है वहां हिन्दू शासक हो और नॉर्थ वेस्ट प्रोविसेस (रेंइ) और बंगाल जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं वहां मुस्लिम शासक हो इस तरह से हिदू मुस्लिम नाम के दो राष्ट्र एक देश और एक संविधान पर सहमत हो सकते थे। पर न तो हिदू महासभा और न ही कांग्रेस के नेता मुसलमानों की इस शर्त पर सहमत थे और महात्मा गांधी इस मामले में अलग थलग पड़ गए थे और जिन्ना ने अलग देश पाकिस्तान की मांग कर दी और लॉर्ड माउंट बेटन ने इसे स्वीकार कर लिया।अब प्रश्न यह उठता है कि ऐसा क्या करके यह विभाजन रोका जा सकता था। यहां पर हिदू और मुस्लिम राष्ट्र सिद्धांत मानकर सारी कोशिश होती रही, पर हिदू समाज के एक वर्ग ऐसा भी था जो हिदू धर्म के चतुर्वर्ण सिस्टम में नही फिट बैठता था यानि उसकी गिनती ब्राrाण, क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र में कही नहीं होती थी उसे पंच वर्ण के रूप में अछूत कहा जाता है। इनके बारे में डा आंबेडकर और सावरकर जी एक साथ खड़े मिलते हैं दोनों ही छुआ छूत मिटाना चाहते हैं पर दोनों के रास्ते अलग अलग है । सन 1930 में अंग्रेज हुवूमत ने मुसलमानों की भांति दलितों के लिए अलग निर्वाचन मंडल की घोषणा की पर डा. आंबेडकर देश का विभाजन नहीं चाहते थे और इसीलिए 1932 में महात्मा गांधी के साथ पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए। और यह तय हुआ जब तक देश में छुआ छूत समाप्त नहीं होता तब तक दलितों के लिए आरक्षण रहेगा के जब 1935 के हिन्दू धर्म में व्याप्त छुआ छूत से तंग आकर हिदू धर्म छोड़ने की धमकी दे दी इस पर सावरकर ने यह भरोसा दिलाया था कि हिदू समाज से छुआ छूत 10 वर्षो में समाप्त हो जायेगा। सम्भवतः इसी कारण डा. आंबेडकर ने संविधान निर्माण के समय आरक्षण की समय सीमा 10 वर्ष ही रखी, पर हिदू धर्म से 10 वषरे में छुआ छूत समाप्त होने का आंबेडकर और सावरकर दोनों का अनुमान गलत निकला। जहां तक कांग्रेस के लोगों का सावरकर के विषय में जो पूर्वा ग्रह है वो उनकी मृत्यु पर श्रीमति इंदिरा गांधी द्वारा दी गईं श्रद्धांजलि से स्पष्ट हो जाता है- 'इंदिरा गांधी ने विनायक दामोदर सावरकर को रिमाव्रेबल सन ऑफ इंडिया कहा। सावरकर का ब्रिटिश सरकार का प्रतिरोध हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के लिए काफ़ी अहम है' यदि उस समय के सभी नेता गांधी, नेहरू, सरदार पटेल, सावरकर आदि भारत के विभाजन को रोकना चाहते थे तो प्रधानमंत्री के रूप में प जवाहर लाल नेहरू, मोहम्मद अली जिन्ना, सरदार पटेल के स्थान पर डा. आंबेडकर को प्रधानमंत्री बना देते तो वो दोनों पक्षों को स्वीकार हो जाते और मोहम्मद अली जिन्ना को पाकिस्तान के निर्माण के लिए जोगिदर नाथ मंडल का भी साथ नहीं मिलता और जिन्ना की दलित मुस्लिम एलायंस की चाल कामयाब नहीं होती। यदि देश का विभाजन जरूरी हो ही गया था तो बंटवारा के लिए डॉ. आंबेडकर की जनसंख्या के संपूर्ण स्थानांतरण की योजना स्वीकार कर ली गईं होती अर्थात सारे हिन्दू भारत में और सारे मुसलमान पाकिस्तान में चले जाते, ऐसी स्थिति में पाकिस्तान में रह गए हिन्दुओं का शोषण न होता और भारत में न हिदू-मुस्लिम झगड़ा होता और न ही हिदू राष्ट्र बनाने की मांग उठती।

आप का नजरिया

अर्धनग्न मुजरे के दौर में गुम होती साहित्यिक स्त्रियाँ

आज के समय में जब हर हाथ में स्मार्टफोन और हर मन में लाइक्स व फॉलोअर्स की भूख पल रही है, तब साहित्य और किताबें पढ़ने वाली स्त्रियों का अस्तित्व कहीं पीछे छूटता जा रहा है। यह दौर इंस्टाग्राम रील्स, टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म्स और डिजिटल मनोरंजन का है। यहाँ अर्धनग्न होकर मुजरा करने वाली छवियाँ सेकंडों में लाखों लोगों तक पहुँच जाती हैं, पर वहीं गंभीर साहित्य, कविता या आलोचना पढ़ने वाली स्त्रियों की आवाज़ मानो कहीं दबकर रह जाती है। यह केवल एक सामाजिक विडंबना नहीं बल्कि सांस्कृतिक संकट भी है। सदियों से स्त्रियाँ साहित्य के माध्यम से समाज की आत्मा को संवेदनाओं और करुणा से सींचती रही हैं। महादेवी वर्मा, अमृता प्रीतम, कृष्णा सोबती, मैत्रेयी पुष्पा जैसी लेखिकाएँ न केवल साहित्य रचती थीं बल्कि स्त्री की अस्मिता और समाज की चेतना का प्रतीक भी थीं। लेकिन आज का समय उन्हें पढ़ने से अधिक उन्हें "कोट्स" बनाकर इंस्टाग्राम स्टोरी पर सजाने में व्यस्त है। आज की पीढ़ी का बड़ा हिस्सा विज़ुअल कंटेंट में उलझा है। वीडियो और तस्वीरों की त्वरित खपत ने किताबों की धीमी, गहरी और आत्ममंथन कराने वाली दुनिया को पीछे धकेल दिया है। स्त्रियाँ, जो कभी किताबों में आत्मा का सहारा खोजती थीं, अब सोशल मीडिया पर ग्लैमराइज्ड आइडेंटिटी गढ़ने में मजबूर हो रही हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि सोशल मीडिया स्त्रियों को मंच देता है, पर यह मंच अक्सर उनके शरीर को अधिक महत्व देता है, विचारों को नहीं। यही कारण है कि इंस्टाग्राम पर एक नृत्य या अर्धनग्न अभिनय लाखों लाइक्स पा लेता है, लेकिन किसी स्त्री द्वारा किया गया साहित्यिक विश्लेषण सैकड़ों पर भी नहीं पहुँचता। साहित्य पढ़ने और रचने वाली स्त्रियाँ समाज में गहरी छाप छोड़ती थीं। वे अपने लिखे से व्यवस्था को चुनौती देती थीं, रिश्तों की नई परिभाषा गढ़ती थीं और स्त्री-पुरुष समानता की नई जमीन तैयार करती थीं। लेकिन आज, प्राथमिकताएँ बदल गई हैं। आधुनिक स्त्री अक्सर अपने को साबित करने के लिए सोशल मीडिया की दौड़ में शामिल हो जाती है। यहाँ सुंदरता और आकर्षण अधिक बिकते हैं, विचार और भावनाएँ कम। यह विडंबना है कि जिस साहित्य ने स्त्रियों को आवाज़ दी, वही साहित्य अब उनकी आवाज़ की प्रतीक्षा कर रहा है। महादेवी वर्मा की कविताएँ स्त्री की करुणा, पीड़ा और सौंदर्य का ऐसा प्रतिरूप थीं, जिन्हें पढ़कर आत्मा झंकृत हो जाती थी। वे लिखती थीं—"मैं नीर भरी दुख की बदली..." उनकी कविताओं में स्त्री की आत्मा बोलती थी, पर आज वही आत्मा इंस्टाग्राम फिल्टर और बैकग्राउंड म्यूज़िक के शोर में दबती जा रही है। जहाँ पहले स्त्रियाँ समाज से कहती थीं कि "मेरी आवाज़ सुनो", आज वे मजबूर हैं यह कहने पर कि "मेरे डांस को लाइक करो।" यही सबसे बड़ा सांस्कृतिक पतन है। हालाँकि यह कहना पूरी तरह उचित नहीं होगा कि साहित्य पढ़ने वाली स्त्रियाँ गायब हो गईं। वे अब भी मौजूद हैं, पर उनका दायरा सीमित हो गया है। पुस्तकालयों, विश्वविद्यालयों और छोटे-छोटे साहित्यिक मंचों पर अब भी स्त्रियाँ साहित्य पढ़ रही हैं, लिख रही हैं और चर्चा कर रही हैं। फर्क बस इतना है कि उनका स्वर उतना बुलंद नहीं है जितना सोशल मीडिया के ग्लैमरस कंटेंट का है। असल में समस्या प्लेटफॉर्म की भी है। इंस्टाग्राम का एल्गोरिद्म ही ऐसा है जो मनोरंजन और तड़क-भड़क को प्राथमिकता देता है। गंभीर साहित्य या लंबी पढ़ाई वहाँ "ट्रेंडिंग" नहीं बन पाती। साहित्य पढ़ने का अर्थ है—अपने भीतर झाँकना, दूसरों की पीड़ा को समझना, और आत्मा को गहराई से महसूस करना। जब समाज साहित्य से दूर होता है, तो वह अपनी संवेदनशीलता भी खो देता है। स्त्रियों की करुणा और कोमलता ही समाज

को संतुलित रखती हैं। लेकिन जब यही स्त्रियाँ केवल बॉडी शो तक सीमित हो जाएँ और आत्मा की गहराई को दरकिनार कर दें, तो समाज के संवेदनशील होने की उम्मीद भी घट जाती है। इस स्थिति से निकलने के लिए जरूरी है कि परिवार और शिक्षा व्यवस्था किताबों के प्रति प्रेम जगाए। घर और स्कूलों में बच्चों, खासकर बेटियों को किताबें पढ़ने की आदत डालनी होगी। साहित्यकारों और प्रकाशकों को चाहिए कि वे सोशल मीडिया पर साहित्य को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करें। सरकार और समाज को साहित्य पढ़ने और लिखने वाली स्त्रियों को ज्यादा मंच देना चाहिए, ताकि उनकी आवाज़ दबे नहीं। स्त्रियों को आपस में साहित्यिक समूह और बुक क्लब बनाने चाहिए, जो एक-दूसरे को प्रेरित करें।बेस्टसेलर किताबें ऑनलाइन खरीदें इतिहास गवाह है कि जब भी समाज अंधकार में डूबा, साहित्य ने ही राह दिखाई। और उस साहित्य में स्त्रियों की भूमिका हमेशा निर्णायक रही। चाहे वह मीरा हों, चाहे महादेवी, या फिर समकालीन स्त्रियाँ—उन्होंने अपने शब्दों से समाज की दिशा तय की। आज भी यदि स्त्रियाँ किताबों को गले लगाएँगी, तो आने वाली पीढ़ी को सिर्फ "फॉलोअर्स" और "लाइक्स" नहीं, बल्कि जीवन की गहरी समझ भी मिलेगी।

कुछ अलग

मेरे साथ-मेरा क्या जाएगा..........

एक विद्वान साधु थे जो दुनियादारी से दूर रहते थे। वह अपनी ईमानदारी,सेवा तथा ज्ञान के लिए प्रसिद्ध थे। एक बार वह पानी के जहाज से लंबी यात्रा पर निकले।उन्होंने यात्रा में खर्च के लिए पर्याप्त धन तथा एक हीरा संभाल के रख लिया । ये हीरा किसी राजा ने उन्हें उनकी ईमानदारी से प्रसन्न होकर भेंट किया था सो वे उसे अपने पास न रखकर किसी अन्य राजा को देने जाने के लिए ही ये यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान साधु की पहचान दूसरे यात्रियों से हुई। वे उन्हें ज्ञान की बातें बताते गए। एक फ़क़ीर यात्री ने उन्हें नीचा दिखाने की मंशा से नजदीकियां बढ़ ली। एक दिन बातों-बातों में साधु ने उसे विश्वासपात्र अल्लाह का बन्दा समझकर हीरे की झलक भी दिखा दी। उस फ़क़ीर को और लालच आ गया। उसने उस हीरे को हथियाने की योजना बनाई। रात को जब साधु सो गया तो उसने उसके झोले तथा उसके वस्त्रों में हीरा ढूंढा पर उसे नही मिला। अगले दिन उसने दोपहर की भोजन के समय साधु से कहा कि इतना कीमती हीरा है,आपने संभाल के रक्खा है न। साधु ने अपने झोले से निकलकर दिखाया कि देखो ये इसमे रखा है। हीरा देखकर फ़क़ीर को बड़ी हैरानी हुई कि ये उसे कल रात को क्यों नही मिला। आज रात फिर प्रयास करूंगा ये सोचकर उसने दिन काटा और सांझ होते ही तुंरन्त अपने कपड़े टांगकर, समान रखकर, स्वास्थ्य ठीक नही है कहकर जल्दी सोने का नाटक किया। निश्चित समय पर सन्ध्या पूजा अर्चना के पश्चात जब साधु कमरे में आये तो उन्होंने फ़क़ीर को सोता हुआ पाया । सोचा आज स्वास्थ ठीक नही है इसलिए फ़क़ीर बिना इबादत किये जल्दी सो गया होगा।

दृष्टि कोण

मानवीय अत्याचारों से रौद्र रूप दिखा रही प्रवृति

प्रवृति अपने रौद्र रूप में मानव को प्रवृति के साथ सह-अस्तित्व बनाए रखने और पर्यावरण के विनाश से रोकने के लिए प्रेरित करती है। यह मानव निंमित आपदाएं दर्शाती हैं कि प्रवृति का दोहन करने पर उसके परिणाम कितने विनाशकारी हो सकते हैं। वनों की कटाईं, प्रदूषण और औद्योगीकरण, प्रावृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन प्रवृति की सेहत को लगातार नुकसान पहुंचा रहा है, नतीजतन जलवायु परिवर्तन, चरम मौसम की घटनाएं, बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि जैसे गंभीर दृश्य सामने आ रहे हैं। प्रवृति अपना रौद्र रूप इन पर्यावरणीय क्षतियों और प्रावृतिक आपदाओं के रूप में दिखाती है, जो मानव निंमित हैं। विडंबना यह है कि प्रवृति के सख्त संदेशों की भी हम लगातार अनदेखी कर रहे हैं। देवभूमि उत्तराखण्ड के धाराली में प्रवृति ने जो रौद्र रूप दिखाया वो देश दुनिया ने देखा है। ताजा संदर्भ जम्मू में वैष्णो देवी मार्ग पर भूस्खलन से 40 से ज्यादा श्रद्धालुओं की मौत दुखद घटना है। जम्मू संभाग में 2014 के बाद फिर ऐसी जल तबाही देखने को मिली है। चारों ओर भारी क्षति हुईं है। जम्मू संभाग की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सैकड़ों लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर शरण ली है। प्रवृति बार बार संकेत दे रही है। और हम बारंबार गलती को सुधारने की बजाय प्रवृति से छेड़छाड़ और उसके दोहन में लगे हुए हैं। उत्तरकाशी के जिस धराली गांव में बादल फटने और फिर तीव्र वेग के जल-पलय की आपदा आईं है, ऐसी आपदाएं 1864, 2013 और 2014 में भी आ चुकी हैं। आखिर पहाड़ इतने खौफनाक और खतरनाक क्यों होते जा रहे हैं? क्या पहाड़ में आवास दूभर हो गया है? लगातार भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं क्यों बढ़ती जा रही हैं? क्या हिमालय पर्वत के हिस्से भी दरकने और बड़े-बड़े पत्थरों के रूप में गिरने लगे हैं? इन घटनाओं और आपदाओं में बारिश और बादल फटने की घटनाएं 'वुदरत का कहर' मानी जा सकती हैं। इसके अलावा घर, दुकान, मंदिर, इमारतें, होटल आदि का जमींदोज होना, नतीजतन मौत के आंकड़े बढ़ते रहने की आपदाएं 'मानवर्नि मित' हैं। विकास के नाम पर पहाड़ खोदे जा रहे हैं। पहाड़ों को चीरकर सुरंगें बनाईं जा रही हैं। रेल की पटरी बिछाईं जा रही है। नदी-नालों के किनारे अथवा उन्हीं के भीतर होटल, रिजॉर्ट की बहुमंजिला इमारतें खड़ी की जा रही हैं। उत्तराखंड में ही जिस 50 हजार वर्ग हेक्टेयर में जंगलात थे, अब वहां पक्की इमारतें चिन दी गईं हैं। मौजूदा उत्तरकाशी के पल्रय में धराली गांव ही बह कर मिट्टीमलबा हो गया। इस वर्ष पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर व पूवरेत्तर के हिमालयी राज्यों में बादल फटने, हिमस्खलन और मलबे के सैलाब की जो घटनाएं सामने आईं हैं, उन्होंने हर किसी को डरा दिया है। बांधों से आया अतिरेक पानी रावी, ब्यास व सतलुज को विकराल बना गया, जिससे पंजाब के करीब एक दर्जन जिले जलमग्न हो गए हैं। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो गईं हैं। पुल बहने व सड़वें तबाह होने से जनजीवन पंगु बनकर रह गया है। पहाड़ों के लोग हैरत में हैं कि अचानक बादल फटने की घटनाओं में ये अप्रत्याशित वृद्धि वैसे हुईं है। क्या वुदरत नाराज है? क्या ये गहराते ग्लोबल वरमिग संकट की देन है? वास्तव में, हमारे नीति-नियंता पहाड़ों के पारिस्थितिकीय तंत्र की संवेदनशीलता को महसूस नहीं करते। भूल जाते हैं कि पहाड़ों का विकास मैदानी मॉडल पर नहीं किया जा सकता। साथ ही राज्यों तथा वेंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों की आधी-अधूरी तैयारियां भी संकट बढ़ाने वाली साबित हुईं हैं। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय में दायर एक हलफनामे में, हिमाचल सरकार ने स्वीकार किया है कि पारिस्थितिक असंतुलन से निपटने के मौजूदा उपायों में कमियां रही हैं। विडंबना यह है कि प्रावृतिक आपदाओं को कम करने की तंत्र में कोई तात्कालिकता नजर नहीं आती। फिर इन आपदाओं का खामियाजा वे लोग उठाते हैं, जिनका इस स्थिति को पैदा करने में कोईं रोल नहीं होता। उत्तराखंड के धराली पल्रय से पहले भूस्खलन का औसत 250 था, जो 2023 तक 1600 से अधिक हो गया। इतना गुना भूस्खलन क्यों और वैसे बढ़े? पहाड़ इतनी मात्रा में क्यों टूटने लगे हैं? इस सवाल का जवाब न तो वेंद्र और न ही राज्य सरकार ने दिया है। वुछ उच्चाधिकार प्राप्त समितियां जरूर बनाईं जाती रही हैं, लेकिन वे विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के सुझावों को नकारती रही हैं। मसलन-वैज्ञानिकों के सवाल हैं कि पहाड़ों में 'फोरलेन सड़क' बनाना क्यों जरूरी है? दो लेन की सड़वें पर्याप्त और सहज हैं। ऐसे निर्माण दिखावटी विकास तो हैं, लेकिन विनाश और मौत के अंधे वुएं भी तैयार कर रहे हैं। केदारनाथ पल्रय के बाद रडार लगाने की बात सामने आईं थी, ताकि बादल फटने और जल-पल्रय के पूर्व संकेत मिल सवें। उनका क्या हुआ? उत्तरकाशी पल्रय के वुछ भी संकेत क्यों नहीं मिल सके। मात्र 34 सेवंड में बहुत वुछ मलबा हो गया।

चीन में बहुपक्षीय कूटनीतिक मंच पर दिखेंगे उत्तर कोरिया के किम जोंग-उन

सियोल, 31 अगस्त (एजेंसियां) । उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन वैश्विक राजनीति में दखल देने की तैयारी कर रहे हैं। किम इस सप्ताह चीन में बहुपक्षीय कूटनीतिक मंच पर पहला कदम रखने के लिए तैयार हैं। बीजिंग में सैन्य परेड में भाग लेने के लिए उनकी यात्रा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ संभावित त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन का मंच तैयार कर रही है।

2011 के अंत में सत्ता संभालने वाले किम के लिए यह पहली बार होगा जब वे किसी बहुपक्षीय राजनयिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। उनके दादा और उत्तर कोरिया के संस्थापक किम इल-सुंग 1959 में बीजिंग में एक सैन्य परेड में शामिल हुए थे।

किम का चीन में द्वितीय विश्व युद्ध के अंत की 80वीं वर्षगांठ के सैन्य परेड में पुतिन और शी के साथ भाग लेने का फैसला, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वाशिंगटन में अपनी उच्च-स्तरीय शिखर वार्ता में उत्तर कोरिया के साथ कूटनीति फिर से शुरू करने की उत्सुकता व्यक्त करने के कुछ दिनों बाद घोषित किया गया।किम का इस सप्ताह बीजिंग में पुतिन और शी जिनपिंग के साथ सैन्य परेड में शामिल होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि उत्तर कोरियाई नेता की दक्षिण कोरिया या संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ कूटनीति में कोई रुचि नहीं है।समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, किम और पुतिन ने सैन्य संबंधों को गहरा किया है। प्योंगयांग ने यूक्रेन के खिलाफ मास्को के युद्ध में मदद के लिए अपने सैनिक और हथियार भेजे हैं।उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया के मुताबिक किम ने पिछले साल 28 अगस्त को अपने सैन्य तैनाती के फैसले को अंतिम रूप दिया था।रूसी मीडिया के अनुसार, किम, पुतिन और शी 3 सितंबर को बीजिंग के तियानमेन चौक पर होने वाली सैन्य परेड में शामिल होंगे।क्रेमलिन के एक अधिकारी के हवाले से, रूसी रिपोर्ट में कहा गया है कि किम शी के बाईं ओर बैठेंगे, जबकि पुतिन शी के दाईं ओर बैठेंगे।अगर किम चीन विशेष ट्रेन के माध्यम से जाते हैं, तो लगभग 20 घंटे लगेंगे।दक्षिण कोरिया के कुछ विश्लेषकों का कहना है कि किम शम्मा-1 की बजाय अपनी फॉरेस्ट ग्रीन ट्रेन का इस्तेमाल करने की ज्यादा संभावना रखते हैं। यह वह निजी विमान है जिसका इस्तेमाल किम ने अपने कार्यकाल के शुरुआती वर्षों में लंबी दूरी की घरेलू यात्राओं के लिए किया था।

विशेषज्ञों का आकलन है कि उत्तर कोरिया ने रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन की आशंका में बीजिंग के साथ बिगड़े संबंधों को सुधारने के प्रयासों के तहत किम की चीन यात्रा को चुना है, जिससे मास्को का ध्यान पश्चिम की ओर जा सकता है।पिछले साल से प्योंगयांग ने तेजी से मास्को के साथ रिश्ते सुधारे हैं। यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस का समर्थन करने के लिए सेना भेजी है और दुर्लभ संसाधनों और सहायता के अपने मुख्य आपूर्तिकर्ता के रूप में रूस की ओर रुख किया है।इसके साथ ही, उत्तर कोरिया और चीन ने हाल ही में संबंधों में सुधार के संकेत दिए हैं। उत्तर कोरिया की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष चोई र्योंग-हे ने हाल ही में प्योंगयांग में चीनी दूतावास द्वारा वर्षगांठ मनाने के लिए आयोजित एक स्वागत समारोह में भाग लिया।विश्लेषकों का सुझाव है कि किम ने अमेरिका के साथ संभावित वार्ता फिर से शुरू होने से पहले अपनी सौदेबाजी की स्थिति को मजबूत करने के लिए चीन के साथ उत्तर कोरिया के घनिष्ठ संबंधों का लाभ उठाने के लिए सैन्य परेड में भाग लेने का विकल्प चुना हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन ने बढ़ाई अमेरिका की टेंशन कहा- टैरिफ ही नहीं कई समस्याओं का समाधान रखता है ब्रिक्स

बीजिंग। टैरिफ के नाम पर समूची दुनिया से संबंध खराब कर रहा अमेरिका की अब फजीहत होना शुरु हो गई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साफ कह दिया कि भारत पर लगाया गया टैरिफ मनमाना कदम है। चीन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने तियानजिन पुतिन ने कहा कि चीन और रूस मिलकर ब्रिक्स को मजबूत बनाने और दुनिया के सामने 'नए विकल्प' पेश करने के लिए काम कर रहे हैं। चीन के सरकारी मीडिया को दिए इंटरव्यू में पुतिन ने कहा दोनों देश भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के खिलाफ हैं। उनका यह निशाना सीधे तौर पर अमेरिकी टैरिफ पर है। उन्होंने कहा कि ये कदम सदस्य देशों और वैश्विक समुदाय के सामाजिक-आर्थिक विकास को रोक रहे हैं। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब पुतिन चीन के तियानजिन शहर में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन के दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय मुलाकात भी तय मानी जा रही है। पुतिन ने कहा, 'हम चीन के साथ मिलकर ब्रिक्स को वैश्विक ढांचे का अहम स्तंभ बना रहे हैं। हमारा मकसद है कि सदस्य देशों के लिए आर्थिक अवसर बढ़ें और रणनीतिक क्षेत्रों में साझेदारी के लिए साझा प्लेटफॉर्म तैयार किए जाएं।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि ब्रिक्स अब सिर्फ एक संगठन नहीं बल्कि 'वैश्विक चुनौतियों का हल निकालने वाला मंच' बनता जा रहा है, जहां सदस्य देश सुरक्षा और आर्थिक विकास पर एक जैसी राय रखते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने इंटरव्यू में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक में सुधार जरूरी है। हमें एक ऐसे नए वित्तीय सिस्टम की जरूरत है जो सच्ची समानता पर आधारित हो और सभी देशों को बराबरी का मौका दे। वित्त को औपनिवेशिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना अब खत्म होना चाहिए।' दरअसल आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों की ओर से कंट्रोल होते हैं। इनमें बदलाव अमेरिका के लिए टेंशन वाली बात है। पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स की सोच 'ग्लोबल मेजॉरिटी' यानी ग्लोबल साउथ के देशों के हितों के लिए है और इसी वजह से यह समूह लगातार लोकप्रिय होता जा रहा है। जी-20 में चीन की भूमिका की तारीफ पुतिन ने जी20 में चीन की भूमिका की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि रूस और चीन ने मिलकर जी20 का एजेंडा बदलने की दिशा में काम किया है, ताकि यह 'ग्लोबल साउथ' की प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करे।

इजरायल ने समीक्षा बैठक पर किया हवाई हमला हूती प्रधानमंत्री की मौत

गाजा। इजरायल के हवाई हमलें में हूती प्रधानमंत्री की मौत हो गई। ये हमला उस वक्त हुआ जब प्रधानमंत्री एक समीक्षा बैठक कर रहे थे। ईरानी समर्थित हूती विद्रोही समूह बयान जारी करते हुए बताया कि गुरुवार को हुए एक हवाई हमले में प्रधानमंत्री अल-रहवी और कई अन्य मंत्री मारे गए। समूह के मुताबिक, यह हमला उस समय हुआ जब सरकार के अधिकारी एक कार्यशाला में भाग ले रहे थे, जिसमें पिछले एक साल में सरकार के प्रदर्शन की समीक्षा की जा रही थी। अल-रहवी अगस्त 2024 से हूती नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत थे। बता दें कि इस साल मई में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने हूतियों के साथ एक समझौता किया था, जिसमें कहा गया था कि अगर हूती लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाना बंद कर देंगे, तो इज़राइल हवाई हमले रोकेगा।

गाम्बिया में प्रवासी नाव डूबने से 70 लोगों की दर्दनाक मौत, मच गया हाहाकार

बेंजुल। पश्चिम अफ्रीका के तट पर एक बड़ा हादसा हुआ। गाम्बिया के विदेश मंत्रालय ने बताया कि एक प्रवासी नाव के पलट जाने से 70 लोगों की मौत हो गई। यह नाव गाम्बिया से रवाना हुई थी और इसमें मुख्य रूप से गाम्बिया और सेनेगल के नागरिक सवार थे। यह घटना मॉरिटानिया के तट के पास हुई। बता दें कि यूरोपीय संघ के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल 46,000 से ज्यादा अवैध प्रवासी इसी रास्ते से कैनरी द्वीप पहुंचे थे जबकि 10,000 से ज्यादा प्रवासियों की समुद्र में डूबकर मौत हो गई थी। गाम्बिया सरकार ने इस घटना के बाद अपने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी जोखिम भरी यात्राओं से बचें जो लगातार लोगों की जान ले रही हैं। अधिकारियों के अनुसार नाव पर लगभग 150 लोग सवार थे जिनमें से केवल 16 लोगों को ही जीवित बचाया जा सका। यह हादसा अटलांटिक रूट पर हुआ जिसे दुनिया का सबसे खतरनाक प्रवासन मार्ग माना जाता है। इस रास्ते से हर साल हजारों लोग स्पेन के कैनरी द्वीपों तक पहुंचने की कोशिश करते हैं। इस बीच बीते 4 अगस्त को यमन के अदन की खाड़ी में एक और नाव हादसा हुआ था।

अमेरिका के पेंटागन में अचानक बढ़े पिज्जा ऑर्डर मतलब अमेरिका में बड़ा संकट आने वाला है

वाशिंगटन, 31 अगस्त (एजेंसियां) ।

दुनिया के तमाम संकेतों में से एक है अमेरिका का मशहूर पेंटागन पिज्जा इंडेक्स। कहा जाता है कि जब पेंटागन में देर रात तक पिज्जा के ऑर्डर अचानक बढ़ने लगते हैं तो यह किसी बड़े सुरक्षा संकट या सैन्य गतिविधि का इशारा होता है। पिछले शुक्रवार पेंटागन के पास फिर कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। दोपहर करीब 1 बजे (ईटी) अचानक पिज्जा ऑर्डर बढ़ गए। रिपोर्ट नाम के एक्स अकाउंट ने यह डेटा शेयर किया और देखते ही देखते यह खबर वायरल हो गई।

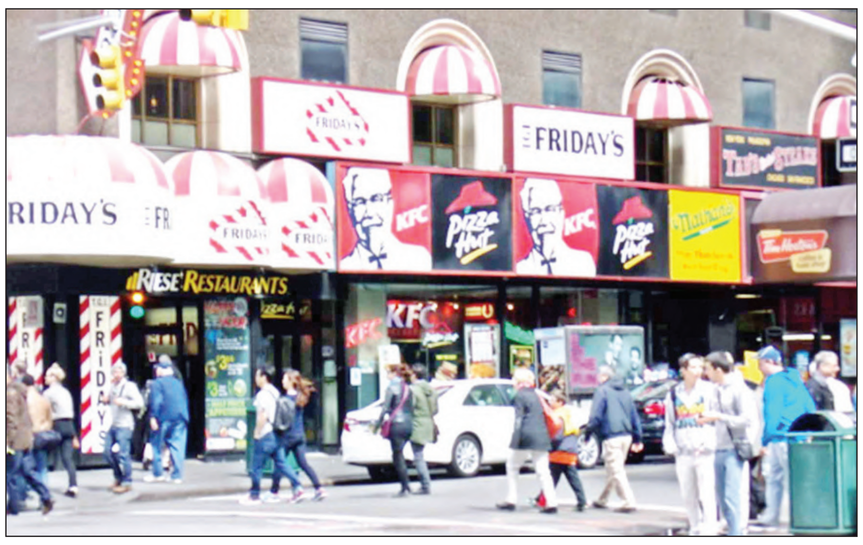

इस थ्योरी के समर्थकों का कहना है कि इसके पीछे पुराने उदाहरण भी हैं। 1990 में जब सद्दाम हुसैन ने कुवैत पर हमला किया था, उससे ठीक एक रात पहले वॉशिंगटन डीसी में पिज्जा ऑर्डर अचानक बढ़ गए थे। डोमिनोस के मालिक फ्रैंक मीक्स ने दावा किया था कि 1991 में ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म से पहले भी ऐसा ही पैटर्न सामने आया था। यहां तक कि ईरान पर हमले से पहले भी पिज्जा ऑर्डर बढ़ने की घटनाएं दर्ज की गईं, जिसे अमेरिका की पूर्व जानकारी से जोड़ा गया।

रिपोर्ट में बताया गया कि फ्रेडीज बीच बार पर सामान्य से ज्यादा भीड़ रही। वहीं दूसरी दुकानों पर हाल अलग-अलग दिखा।कुछ जगह खाली रहीं, तो कुछ पर वेटिंग टाइम 15 मिनट तक पहुंच गया। पोस्ट में लिखा गया कि पेंटागन के पास पिज्जा दुकानों का हाल फिलहाल मिक्स है, कहीं भीड़ ज्यादा तो कहीं कम। शाम 7:36 बजे तक यह पैटर्न बना रहा। शुक्रवार की शाम वैसे भी खाने-पीने की जगहों पर भीड़ रहती है, लेकिन पेंटागन के पास अचानक ऐसा ट्रेंड देखने को मिला तो सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे। द पेंटागन रिपोर्ट का कहना है कि 27 और 28 अगस्त को भी इसी तरह का पैटर्न सामने आया था। डेटा सामने आते ही लोग एक्स पर कमेंट्स की झड़ी लग गई। एक यूजर ने लिखा- पिजाटो पिज्जा, जो पेंटागन के पास आधी रात बाद भी खुला रहता है, वहां ऑर्डर 303 प्रतिशत बढ़ गए हैं। किसी और ने कहा, कि हमें तुरंत अपडेट चाहिए। वहीं एक यूज़र ने सीधा सवाल दागा-आखिर चल क्या रहा है इस अचानक उछाल ने एक बार फिर पेंटागन पिज्जा इंडेक्स थ्योरी की चर्चा तेज कर दी। माना जाता है कि जब भी पेंटागन में इमरजेंसी आती है, वहां काम करने वाले अफसरों और कर्मचारियों को लंबे समय तक ड्यूटी करनी पड़ती है।

बलूचिस्तान में 15 दिनों के लिए धारा 144 बढ़ाई, बाइक पर 2 लोग नहीं बैठ सकेंगे

क्वेटा। बलूचिस्तान की प्रांतीय सरकार ने कानून-व्यवस्था की मौजूदा स्थिति का हवाला देते हुए पूरे प्रांत में धारा 144 की अवधि 15 दिनों के लिए और बढ़ा दी है। इस अवधि में हथियारों का प्रदर्शन और उपयोग, मोटरसाइकिल पर डबल सवारी, काली शीशे वाली गाड़ियां, बिना पंजीकरण वाली मोटरसाइकिलें, तथा पांच या अधिक लोगों के जमावड़े, धरना, जुलूस और रैली पर प्रतिबंध रहेगा। निर्देश में यह भी कहा गया है कि सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा ढकना, खासकर मफलर, मास्क या किसी भी अन्य तरीके से पहचान छिपाना भी पूरी तरह वर्जित होगा। नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के केंद्रीय प्रवक्ता शाहजेब बलोच ने इन प्रतिबंधों को असंवैधानिक करार दिया और पत्रकार वार्ता में कहा कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों का गला घोंटने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बलूचिस्तान और देशभर के अन्य वंचित समूहों के कार्यकर्ताओं को न केवल परेशान किया जा रहा है बल्कि उन्हें जबरन गायब करने जैसी गंभीर रणनीतियों का भी सामना करना पड़ रहा है।शाहजेब ने कहा कि सरकार को चाहिए कि सभी लापता बलोच और अन्य पीड़ितों को वापस लाने की व्यवस्था करे। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक कार्यकर्ता पर आरोप है तो उसे अदालत में पेश किया जाना चाहिए, लेकिन पूरे समुदाय को सामूहिक सजा देना जातीय और राष्ट्रीय शुद्धिकरण की तरह है और औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। इजरायल ने समीक्षा बैठक पर किया हवाई हमला हूती प्रधानमंत्री की मौत गाजा (ईएमएस)। इजरायल के हवाई हमलें में हूती प्रधानमंत्री की मौत हो गई। ये हमला उस वक्त हुआ जब प्रधानमंत्री एक समीक्षा बैठक कर रहे थे। ईरानी समर्थित हूती विद्रोही समूह बयान जारी करते हुए बताया कि गुरुवार को हुए एक हवाई हमले में प्रधानमंत्री अल-रहवी और कई अन्य मंत्री मारे गए। समूह के मुताबिक, यह हमला उस समय हुआ जब सरकार के अधिकारी एक कार्यशाला में भाग ले रहे थे, जिसमें पिछले एक साल में सरकार के प्रदर्शन की समीक्षा की जा रही थी। अल-रहवी अगस्त 2024 से हूती नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत थे।

रावी, सतलुज और चिनाब नदियों में बाढ़ से पाकिस्तान में हालात बेकाबू, लाहौर तक पहुंचा पानी

इस्लामाबाद, 31 अगस्त (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में तीन नदियों की बाढ़ ने हालात बेकाबू कर दिए है। बाढ का पानी लाहौर तक पहुंच गया है। रिपोर्ट के अनुसार मूसलधार बारिश से आए फ्लैश फ्लड और शहरी इलाकों में जलजमाव से 28 और लोगों की मौत हो गई। पंजाब प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के आंकड़ों के अनुसार, सतलुज, रावी और चिनाब नदियों में आई बाढ़ से अब तक 1,769 मौजों के 14.6 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। पीएमडीए ने ओकारा और साहीवाल जिलों में भी खतरे की चेतावनी दी है। प्राधिकरण ने कहा कि रावी नदी का बढ़ता जलस्तर अगले 36 घंटों में सदानी इलाके को डुबो सकता है। चेतावनी में कहा गया, जब बल्लोकी में पानी का स्तर ऊंचा होगा तो नाले के तटबंध पर खतरा बढ़ जाएगा। सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने कसूर शहर को बचाने के लिए जानबूझकर आरआरए-1 तटबंध तोड़ दिया, क्योंकि सतलुज नदी का जलस्तर 1955 के बाद पहली बार रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। शुक्रवार को बाढ़ का पानी देश के दूसरे सबसे बड़े शहर लाहौर तक पहुंच गया और प्रमुख कस्बे झंग को डूबोने की आशंका जताई गई। यह इलाका लगभग 40 साल में सबसे भयानक बाढ़ से जूझ रहा है। मौसम विभाग (पीएमडी) ने चेतावनी दी है कि पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा (केपी), पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर, इस्लामाबाद और पोटोहार क्षेत्र समेत कई इलाकों में तेज बारिश, आंधी और तूफान आ सकते हैं। इससे फ्लैश फ्लड, शहरी बाढ़ और भूस्खलन की आशंका जताई गई है। वहीं, उत्तर-पूर्वी बलूचिस्तान, दक्षिण-पूर्वी सिंध और पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में भी शाम तक भारी बारिश की संभावना है। पीएमडी ने कहा कि उत्तरी केपी, मुर्री, गल्लियत, रावलपिंडी, इस्लामाबाद और उत्तर-पूर्वी पंजाब में नालों और धाराओं में बाढ़ आ सकती है। इसके अलावा, लाहौर, गुजरांवाला और सियालकोट जैसे निचले इलाकों में शहरी बाढ़ का खतरा है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और मलबा धंसने से सड़कें भी अवरुद्ध हो सकती हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सियालकोट जिले के हेड मराला पर चिनाब नदी के लिए बाढ़ की चेतावनी जारी की है और लोगों को एसएमएस अलर्ट भेजे हैं।

फीलीपींस में आई बाढ़

फीलीपींस में आई बाढ़ में एक कार सड़क पर फंसी नजर आ रही है। यहां भारी बारिश के कारण सड़के पानी से लबालग भरी हैं।

मारे गए बंधक कार्मेल गैट के चचेरे भाई ने तेल अवीव रैली में ट्रम्प से किया युद्ध को तुरंत समाप्त करने का आग्रह

तेल अवीव, 31 अगस्त (एजेंसियां) ।

हजारों प्रदर्शनकारी शनिवार को तेल अवीव के हॉस्टेज स्क्वायर में इकट्ठा हुए और गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए आवाज बुलंद की। यह प्रदर्शन उस सुरक्षा कैबिनेट बैठक से पहले हुआ है, जो रविवार को होने वाली है और जिसमें इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) द्वारा गाजा सिटी पर नियंत्रण के प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना है।

हॉस्टेज एंड मिसिंगग फैमिलीज फोरम ने इस बैठक को इस बात का और सबूत बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार हमेशा के लिए युद्ध और बंधकों की बलि के रास्ते पर हैं। मंच से प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए गिल डिकमैन, जो मारे गए बंधक कार्मेल गैट के चचेरे भाई हैं, ने कहा, इस हफ्ते हम यरूशलम जाएंगे और एक ही आवाज में कहेंगे – देर होने से पहले सौदा करो।

इजराइल और अमेरिका की दोहरी नागरिकता रखने वाले डिकमैन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सीधा संदेश दिया, मेरी कजिन कार्मेल गैट की कैद में हत्या कर दी गई थी, उस समय आप राष्ट्रपति नहीं थे। अगर आप होते, शायद वह आज जिंदा होती। ट्रंप साहब, नेतन्याहू आपको भी धोखा न दें, जैसे उन्होंने राष्ट्रपति बाइडेन को दिया। इन बंधकों को बचाइए, जैसा आपने पहले कइयों को बचाया है। मिस्टर प्रेसिडेंट, इस युद्ध को अभी खत्म कीजिए।

प्रदर्शन के दौरान आयोजकों ने एक विशाल बैनर भी खोला जिस पर लिखा था- ट्रंप, मेक हिस्ट्री

वहीं, फोरम ने प्रदर्शनकारियों से रविवार शाम को यरूशलम पहुंचने और प्रधानमंत्री कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करने का आह्वान किया है।

ओली से मुलाकात को लेकर चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में कहीं भी लिपुलेख का जिक्र नहीं

काठमांडू, 31 अगस्त (एजेंसियां) ।

चीन का विदेश मंत्रालय नेपाली क्षेत्र लिपुलेख के माध्यम से व्यापार को फिर से खोलने के भारत-चीन समझौते पर चुप है। तियांजिन में शनिवार को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक के संबंध में चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में इस मुद्दे पर कुछ भी उल्लेख नहीं किया गया है।

चीन के राष्ट्रपति सी जिनपिंग से मुलाकात को लेकर नेपाल के विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि नेपाल के प्रधान मंत्री ओली ने सन 1816 की सुगौली संधि के अनुसार, महाकाली नदी के पूर्व में सभी भूमि संप्रभु नेपाल की है, और विश्वास व्यक्त किया कि चीन इस मामले में नेपाल का समर्थन करेगा।

नेपाली पक्ष ने यह भी दावा किया था कि इसके जवाब में, चीनी राष्ट्रपति शी ने कहा कि चीन नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद का पक्ष नहीं बनना चाहता है, लेकिन चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी बयान में इसका उल्लेख नहीं किया गया है। इसके बजाय, चीन के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी वक्तव्य में कहा गया है कि नेपाल एक-चीन नीति के लिए प्रतिबद्ध है, ताइवान की स्वतंत्रता का दृढ़ता से विरोध करता है, और चीन द्वारा प्रस्तुत वैश्विक सुरक्षा पहल (जी. एस. आई.) का समर्थन करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में नेपाल के द्वारा एक-चीन सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्ध है, दृढ़ता से ताइवान स्वतंत्रता का विरोध करता है, और किसी भी बल को चीन के हितों को कमजोर करने के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति नहीं देता है। चीन के वक्तव्य में नेपाल को निरंतर विकास प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के संदर्भ में चीन के साथ सहयोग को गहरा करने की उम्मीद करता है। बयान में कहा गया ही हम व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यटन, जलवायु प्रतिक्रिया और अन्य क्षेत्रों में चीन के साथ सहयोग बढ़ाएंगे और अधिक सकारात्मक परिणाम देंगे।

बयान में आगे कहा गया है, नेपाल वैश्विक विकास पहल, वैश्विक सुरक्षा पहल और चीन द्वारा प्रस्तावित वैश्विक सभ्यता पहल का समर्थन करता है, शंघाई सहयोग संगठन की भूमिका को महत्व देता है, सक्रिय रूप से शंघाई आत्मा को बनाए रखता है, और चीन के अंतर्राष्ट्रीय मामलों में और भी बड़ी भूमिका निभाने की उम्मीद करता है। इस पूरे बयान में कहीं भी लिपुलेक का जिक्र नहीं किया गया है। ना ही प्रधानमंत्री ओली के द्वारा भारत चीन के बीच हुए समझौता की कोई बात कही गई है। चीन ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है।

अफगान टीम के कप्तान राशिद के भाई का निधन, खिलाड़ियों ने दी श्रद्धांजलि

दुबई, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान राशिद खान अभी यूएई में त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज खेल रहे हैं। वहीं उनके भाई की मौत हो गयी है। अफगानिस्तान के खिलाड़ियों ने ये जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों ने राशिद के भाई को श्रद्धांजलि दी। एक वायरल वीडियो में पाक क्रिकेट टीम को राशिद के बड़े भाई को श्रद्धांजलि देते हुए देखा जा सकता है, शुक्रवार को शुरू हुई ट्राई सीरीज के पहले टी20 मैच के बाद का ये वीडियो है। वहीं अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के सदस्य इब्राहिम जादरान ने लिखा, राशिद के बड़े भाई हाजी अब्दुल हलीम के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। एक बड़ा भाई परिवार के लिए पिता के समान होता है। ऐसे में हम सबकी संवेदनाएं राशिद के परिवार के साथ हैं। पूर्व अफगानिस्तान खिलाड़ी असगर अफगान ने भी राशिद के भाई के निधन पर दुख जताया है। सीरीज के पहले मैच में अफगानिस्तान की टीम को पाकिस्तान से 39 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

पाक बल्लेबाज हारिस ने मैदान पर बल्ला पटका

दुबई। पाकिस्तान क्रिकेट टीम हमेशा ही विवादों में रही है। अब इसी में एक और विवाद जुड़ गया है। त्रिकोणीय सीरीज में पाक टीम के बल्लेबाज मोहम्मद हारिस को युएई के खिलाफ मुकाबले में निचले क्रम पर उतारा गया। जिसमें वह सफल नहीं हुए। ऐसे में गुस्से में इस बल्लेबाज ने मैदान पर ही अपना बल्ला दे मारा। इसका एक वीडियो भी आया है। हारिस दूसरे मैच में आउट होने के बाद इस बात पर भड़के थे कि उन्हें निचले क्रम पर उतारा गया था। हारिस दो गेंदों पर एक रन ही बना सके और मोहम्मद जवादुल्लाह की गेंद पर कैच हुए। हारिस जब आउट हुए तो टीम का स्कोर 169 रन था। आउट होते ही उन्होंने बल्ला जमीन पर इतनी जोर से पटका कि उसके दो टुकडे हो गए। पाक टीम हालांकि इस मैच को जीतने में सफल रही पर जिस प्रकार से हारिस ने किया है। उससे साफ है कि टीम में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम ने 207 रन पर बनाये जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगान टीम 176 रन ही बना पायी।

न्यूज ब्रीफ

जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले एकदिवसीय में धीमी ओवर गति के लिए श्रीलंका पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए श्रीलंका क्रिकेट टीम पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जेफ क्रो ने यह जुर्माना लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कार्मिकों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को बताया कि श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलांका ने अपराध और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। दरअसल, हरारे में खेले गए पहले एकदिवसीय मैच में श्रीलंका ने मेजबान जिम्बाब्वे को सात रन से हराया। मैच में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 298 रन बनाए थे। इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 291 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ दो मैचों की एकदिवसीय सीरीज में श्रीलंका 1-0 से आगे है।

अय्यर की नेतृत्व क्षमता ही बनी उनके लिए मुसीबत : पनेसर

नई दिल्ली। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर देश विदेश के कई क्रिकेटरों ने हैरानी जतायी थी। इन सभी का मानना है कि श्रेयस की जानबूझकर उपेक्षा की गयी है और इसका नुकसान भारतीय टीम को उठाना पड़ेगा। वहीं अब इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का कहना है कि श्रेयस की इसलिए उपेक्षा की गयी है क्योंकि उनमें नेतृत्व क्षमता है और यहीं उनके चयन में बाधा बन रही है। पनेसर के इस तंज से एक नई बहस शुरु हो सकती है। पनेसर का कहना है कि श्रेयस की अगुवाई में कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 का खिताब जीता। वहीं पंजाब किंग्स को उन्होंने आईपीएल 2025 में फाइनल तक पहुंचाया, जहां उन्हें आरसीबी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। श्रेयस को घरेलू क्रिकेट में भी कप्तानी का लंबा अनुभव है। पनेसर ने कहा, अय्यर को भारतीय टीम में जगह बनाने में शायद इसलिए दिक्कत हो रही है। चयनकर्ताओं ऐसे में किसी युवा खिलाड़ी को टीम में रखना चाहते हैं जिससे कोच गौतम गंभीर के साथ किसी प्रकार का टकराव न हो । इसलिए मुझे लगता है कि आईपीएल में कप्तान होने के नाते उनके लिए टीम में जगह बनाना थोड़ा मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मेरा मानना है कि अगर वह रन बनाते रहे, तो उन्हें अवसर मिलेगा ही। उनमें अविश्वसनीय प्रतिभा है।

अब कोच की भूमिका निभाना चाहते हैं अश्विन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन आने वाले समय में कोच की भूमिका में भी नजर आ सकते हैं।

अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही उनके विदेशी लीग में खेलने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं इस पूर्व स्पिनर का कहना है कि उनकी अगली योजना कोचिंग करना है। अश्विन ने खुलासा किया कि कोच के तौर पर काम करना ही उनका भविष्य हो सकता है। अश्विन ने कहा, मैं जब मैं किसी चीज में दृढ़ विश्वास रखता हूं, तो उसके पीछे जाता हूं। अब मैं खेल में आनंद के पीछे भाग रहा हूं। मेरा अगला काम कोच की भूमिका निभाना है। मैं इसे एक बहुत ही अहम साधन मानता हूं। मुझे विश्वास है कि खेल मुझे इसके लिए तैयार कर रहा है। अश्विन ने ये भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान भी एक बार उनकी खिलाड़ी और कोच की दोहरी भूमिका निभाने पर भी चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, जब मैं राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहा था, तब हमने कोच और खिलाड़ी के खेलने पर बात की थी। तब हमने इस बारे में चर्चा की थी कि क्या कोई क्रिकेटर के रूप में खेलते है।

हॉकी इंडिया ने कृष्ण बी पाठक को 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने पर दी बधाई

राजगीर, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने रविवार को भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर कृष्ण बी पाठक को 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का कीर्तिमान पूरा करने पर बधाई दी। पंजाब के कपूरथला के रहने वाले 28 वर्षीय कृष्ण बी पाठक ने राजगीर हॉकी स्टेडियम में चल रहे हीरो पुरुष एशिया कप राजगीर 2025 के दूसरे मैच में जापान के खिलाफ यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत चीन पर 4-3 की रोमांचक जीत के साथ की थी, जिसमें कप्तान हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक और जुगराज सिंह का गोल शामिल था, और अब उनका लक्ष्य जीत की लय को बरकरार रखना है।

अपनी चपलता और निरंतरता के लिए जाने जाने वाले पाठक लखनऊ में 2016 में हुए एफआईएच जूनियर विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा बनकर पहली बार सुर्खियों में आए। उन्होंने जनवरी 2018 में चार देशों के टूर्नामेंट में जापान के खिलाफ सीनियर टीम में पदार्पण किया और जल्द ही टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। तब से, वह भारत की कई सबसे प्रसिद्ध जीतों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें 2018 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (पाकिस्तान के साथ संयुक्त स्वर्ण), हांग्जो में 2022 एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक और 2023 और 2024 में लगातार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब शामिल हैं। उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा को भी व्यापक रूप से मान्यता मिली है। वे दो बार हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवार्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर (वर्ष 2019, 2022) से सम्मानित हो चुके हैं। उन्हें 2024 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पाठक एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग 2020/21 और 2021/22 के दौरान भारतीय डिफेंस का मुख्य आधार बन गए, जहां उनके महत्वपूर्ण बचावों ने भारत को पोडियम स्थान दिलाया। वह 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे और भुवनेश्वर-राउरकेला में एफआईएच ओडिशा पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 में भी भाग लिया था। पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के बाद दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश के संन्यास लेने के बाद पाठक भारत के भरोसेमंद और पहली पसंद के गोलकीपर रहे हैं।

कृष्ण बी पाठक ने अपनी इस उपलब्धि पर कहा, यह मेरे और मेरे परिवार के लिए एक बेहद खास पल है। भारत का 150 बार प्रतिनिधित्व करना एक ऐसा सपना है जिसकी मैंने कपूरथला में हॉकी खेलना शुरू करते समय कल्पना भी नहीं की थी। यह उपलब्धि इसलिए और भी खास है क्योंकि यह हमारे लिए इतने महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के दौरान आई है। मैं अपने कोचों, टीम के साथियों और हॉकी इंडिया के सभी लोगों का आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मेरे पूरे सफर में मेरा साथ दिया। अब मेरा ध्यान टीम की सफलता में योगदान देते रहना और भारत में अगली पीढ़ी के गोलकीपरों को प्रेरित करना है।

पाठक को बधाई देते हुए हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, कृष्ण पाठक हाल के वर्षों में भारतीय हॉकी के स्तंभों में से एक रहे हैं। गोलकीपिंग एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है और उन्होंने बड़े मंचों पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। 2016 के जूनियर विश्व कप से लेकर भारत के पसंदीदा गोलकीपर बनने तक का उनका सफर हर युवा एथलीट के लिए एक प्रेरणादायक कहानी है। हॉकी इंडिया की ओर से, मैं उन्हें 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने पर बधाई देता हूं और आने वाले वर्षों में उनके और भी कई उपलब्धियां हासिल करने की कामना करता हूं।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हमें कृष्ण की उपलब्धियों पर बेहद गर्व है। उन्होंने खेल के प्रति अद्भुत समर्पण, दृढ़ता और जुनून दिखाया है। हाल के वर्षों में भारत की सफलता में उनके प्रदर्शन का बड़ा योगदान रहा है और वे उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए एक आदर्श बने हुए हैं। 150 मैच खेलना न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि भारतीय हॉकी में उनके योगदान का भी प्रमाण है।

एशिया कप में पाक के खिलाफ मैच के बहिष्कार की मांग तेज हुई

कोलकाता, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले एशिया कप क्रिकेट मैच का विरोध तेज गया है। प्रशंसकों के अलावा अब पूर्व क्रिकेटर भी इस मैच का विरोध करने लगे हैं। वहीं सरकार ने कहा है कि भारतीय टीम पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेलेगी पर बहुपक्षीय टूर्नामेंटों में भाग लेने से टीम को रोका नहीं जा सकता है। ऐसे में अब बोर्ड को तय करना है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगा या नहीं। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह के बाद अब मनोज तिवारी का भी कहना कि जिस देश से हमारे यहां आतंकी आ रहे हैं उससे खेलने का कोई मतलब नहीं है।

तिवारी ने कहा कि पाक टीम का बहिष्कार होना चाहिये। उनका कहना है कि जब जब हम जानते हैं कि ये आतंकवादी हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान से आ रहे हैं। वहीं पाक सरकार ने अपने देश में पनप रहे आतंकवादी संगठनों को खत्म करने के लिए कभी कोई कदम नहीं उठाया। इन आतंकियों ने हमारे देश में पहलगाम में 26 लोगों की जानें लीं, ऐसे में पाक के साथ खेलने पर विचार भी नहीं किया जा सकता है। तिवारी ने कहा कि टूर्नामेंट में

मनोज तिवारी बोले, जिस देश से आ रहे आतंकी उसके साथ खेलने का कोई मतलब नहीं

पाकिस्तान का सामना करने से भारत को क्या लाभ होगा। तिवारी का मानना है कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार करके और बाकी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करके एक कड़ा संदेश देना चाहिए। उन्होंने कहा, इससे क्या फायदा आपको टीआरपी चाहिए; आपको रेवेन्यू चाहिए अगर आईसीसी वाले उनसे छुटकारा नहीं पा सकते, तो आप उस मैच से छुटकारा पा लीजिए। बाकी मैचों में आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं।

देखिए क्या होता है। यह हमारे देश की तरफ से एक बयान होगा। हम खेल भावना के नाम पर उस देश के खिलाफ नहीं खेल सकते हैं जहाँ से आतंकवादी आते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। वहीं इससे पहले हरभजन सिंह ने भी कहा था कि भारतीय टीम को एशिया कप का बहिष्कार करना चाहिये।

सैमसन और रिंकू की एशिया कप से पहले आक्रामक बल्लेबाजी

मुम्बई। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिली संजू सैमसन और रिंकू सिंह का बल्ला आजकल जमकर चल रहा है। ये दोनो ही अभी अलग-अलग जगहों पर टी20 लीग खेल रहे हैं। दोनों को ही अंदाज है कि एशिया कप के लिए चयन के बाद भी इन्हें अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में शायद ही शामिल किया जाये। इसलिए दोनो ही अभी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी पक्की करना चाहते हैं। अंतिम ग्यारह के लिए अपनी दावेदारी पेश की रिंकू ने यूपीटी20 लीग में अपनी टीम की कप्तानी करते हुए काशी रुद्रास के खिलाफ 48 गेंदों में तेजी से 78 रन बनाये हैं। रिंकू सिंह ने इस पारी में 6 चौके और इतने ही छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 180 के करीब का था और उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलायी। अब तक उन्होंनें फिनिशर की भूमिका ठीक से निभाते हुए एक शतक और दो अर्धशतक लगाये हैं। वहीं सैमसन ने केरल क्रिकेट लीग में अब तक एक शतक 112 रन और दो 89 और 62 रन बनाये हैं। शतक उन्होंने 51 गेंदों में लगाया था जबकि अर्धशतक 46 और 37 गेंदों में ही लगा दिये थे।

सीएबीसी के सालाना सामारोह में आकाशदीप विशेष पुरस्कार से सम्मानित, गांगुली ने बांटे पुरस्कार

कोलकाता, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) ने वार्षिक पुरस्कारों समारोह में तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया। बंगाल से खेलने वाले आकाशदीप ने भारतीय टीम के इंग्लैड दौरे में शानदार प्रदर्शन किया है। आकाश ने दूसरे टेस्ट में दस विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आकाशदीप के अलावा बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को भी बंगाल टीम में उनके योगदान के लिए एक विशेष पुरस्कार मिला।

अभिमन्यु इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम में शामिल थे पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। सीएबीसी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने ये पुरस्कार दिये। समारोह में पूर्व क्रिकेटरों अरूप भट्टाचार्य और श्यामा शॉ को 'कार्तिक बोस लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार प्रदान किया गया। आकाश दीप ने अवॉर्ड लेने के बाद कहा, 'मैं इस पुरस्कार के लिए सीएबी को धन्यवाद देना चाहता हूं। संघ ने मेरे क्रिकेट के सफर में मेरी बहुत सहायता की है जिससे मैं आज यहां तक पहुंचा हूं। मैं सीएबी में मिले सहयोग के सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं।' इस अवसर र गांगुली ने आकाश दीप की जमकर प्रशंसा की। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'मैं सभी विजेताओं को बधाई देना चाहता हूं। प्रत्येक खिलाड़ी ने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं सभी को आगामी सत्र के लिए शुभकामनाएं देता हूं।' इस दौरान लगभग 206 पुरस्कार प्रदान किए गए। आकाशदीप ने एजबेस्टन टेस्ट में 10 विकेट लेकर 58 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। इस क्रिकेटर ने टेनिस बॉल क्रिकेट से शुरूआत करते हुए रणजी, आईपीएल से होते हुए भारतीय टीम तक पहुंच बनायी थी।

राणा बोले, कोई मुझसे गलत तरीके से पेश आयेगा तो उसी तरह जवाब दूंगा : राणा

नई दिल्ली, 31 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली प्रीमियर लीग क्रिकेट के एलिमिनेटर मुकाबले में दिग्वेश राठी और नितीश राणा के बीच हुए विवाद के बाद दोनो पर ही जुर्माना लगाया गया है। इस टूर्नामेंट में वेस्ट दिल्ली लायंस की कप्तानी कर रहे राणा ने कहा कि अगर कोई उनसे खराब तरीके से पेश आयेगा तो वह भी जवाब देंगे ही। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के स्पिनर दिग्वेश ने रनअप लेने के बाद गेंद नहीं फेंकी थी, जिसके बाद बल्लेबाजी कर रहे राणा भड़क गये थे। दिग्वेश जब फिर से रनअप लेकर गेंद फेंकने आए तो इस बार नितीश विकेट से हट गए। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच बहस शुरु हो गयी। जिसके बाद अंपायर ने किसी प्रकार हस्तक्षेप कर मामले को संभाला। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। राणा ने अपनी टीम के फाइनल में पहुंचने के बाद कहा, बात ये नहीं है कि कौन सही है या कौन गलत। वह अपनी टीम के लिए मैच जीतने आया था और मैं अपनी टीम के

लिए पर खेल का सम्मान करना दोने की ही जिम्मेदारी है। उसने ही बहस की शुरुआत की थी। मैं ये नहीं कहूंगा कि कैसे या क्या हुआ, क्योंकि ये सही नहीं होगा पर अगर कोई मुझसे कुछ कहे तो मैं शांत नहीं बैठ सकता। मैंने हमेशा इसी तरह क्रिकेट खेला है। अगर उसे लगता है कि वह मुझे उकसाकर आउट कर देंगे तो मैं भी छक्का मारकर जवाब दे सकता हूं। साथ हीकहा, जो शुरू करता है, उसे ही समाप्त भी करना होता है। मैं अब तक कई झगड़ों में शामिल रहा हूं, ऐसा नहीं है कि मैंने कभी लड़ाई नहीं की पर आज तक मैंने कभी शुरुआत नहीं की थी। हां, अगर कोई मुझसे पहले कुछ कहता है तो मैं हमेशा जवाब देता हूं और यही मेरा तरीका है। मेरी परवरिश इसी तरह हुई है। मेरे माता-पिता ने मुझे सिखाया है कि अगर आप गलत नहीं हैं तो आपको अपने लिए खड़ा होना चाहिए ।

सीपीएल में अजीब तरीके से आउट हुए होप

जमैका। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर शे होप ने कैरिबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में 28 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाये। इस मैच में होप एक अजीब सा शॉट लगाकर आउट हुए। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के गेंदबाज टेरेंस हिंड्स ने की ऑफ स्टंप के बाहर की गयी गेंद पर होप रिवर्स रैंप शॉट खेलने के प्रयास में लाइन के बाहर चले गए। इससे उनका बल्ला विकेट पर लग गया। अंपायर ने इस गेंद को वाइड गेंद करार दिया, मगर जैसे ही ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाड़ियों ने होप का बल्ला विकेट पर लगता देखा तो वे उत्साहित हो गये। इस प्रकार से आउट होने के मामले काफी कम दिखते हैं।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक

अर्थशास्त्री बोले- ऐसी तिमाही को टैरिफ तिमाही कहना उचित होगा

नई दिल्ली,31 अगस्त (एजेंसियां)।

वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होने पर अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि भारत में विशाल जीडीपी वृद्धि और विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने की क्षमता मौजूद है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि एक ऐसी तिमाही में जिसे टैरिफ तिमाही का नाम देना उचित होगा, देश की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि यह वह तिमाही थी, जब रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की जा रही थी। यह वह समय था जब पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था टैरिफ की उच्च दरों से नाखुश थी और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता थी।

इस समय हमने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। हमें हमारी तुलना विश्व के दूसरे देशों से करनी चाहिए। उन्होंने भारत की जीडीपी की तुलना अलग-अलग देशों से करते हुए कहा कि हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। जर्मनी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2023 और 2024, दो सालों तक, जर्मनी ने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि हमारी तुलना अमेरिका से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि -0.5 फीसदी दर्ज की। हमारी तुलना जापान से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक, उन्होंने -0.2 फीसदी नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की है। हमारी तुलना ब्रिटेन से करें। सितंबर और अक्टूबर 2024 तक, उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की। पिछले कुछ सालों में भारत के प्रदर्शन को लेकर जिंदल ने कहा कि हमने कोरोना से लेकर अब तक हर तरह की नकारात्मकता का सामना किया है। कोरोना के बाद पिछले पांच सालों में वैश्विक अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से धीमी गति से गुजरी। बल्कि कुछ अर्थव्यवस्थाएं मंदी के दौर से भी गुजरी हैं, लेकिन फिर भी भारत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और वह किसी भी प्रतिस्पर्धी देश से कहीं ज्यादा तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रतिस्पर्धी देशों में अमेरिका है, जो आकार में नंबर वन है, चीन दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जर्मनी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जापान पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ऐसे में देखा जा सकता है कि हम पिछले पांच सालों से अपने सभी प्रतिस्पर्धियों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

मारुति की अपकमिंग मिड-साइज एसयूवी का टीजर जारी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी कंपनी ने अपनी अपकमिंग मिड-साइज एसयूवी का टीजर जारी किया है, जिसमें आकर्षक 3डी इफेक्ट वाला एलईडी टेल-लैंप नजर आ रहा है। मारुति ने घोषणा की है कि यह एसयूवी 3 सितंबर 2025 को लॉन्च की जाएगी। डिजाइन काफी मॉडर्न और प्रीमियम है, जो इसे हुंडई क्रेटा और किआ सेल्टोस जैसी पॉपुलर एसयूवीएस का सीधा मुकाबला देने में सक्षम बनाता है। इसे कंपनी ग्रैंड विटारा और ब्रेजा के बीच पोजिशन करेगी, यानी ग्राहकों के पास अब मिड-रेंज का नया ऑप्शन होगा। खास बात यह है कि इसे एरीना डीलरशिप से बेचा जाएगा, जिससे ज्यादा ग्राहकों तक इसकी पहुंच आसान होगी। पावरट्रेन की बात करें तो इसमें 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 101बीएचपी की पावर और 139एनएम का टॉर्क देगा। इसके अलावा सीएनजी और हाइब्रिड वैरिएंट्स की भी संभावना है। कंपनी की हाल ही में शुरू हुई लिथियम-आयन बैटरी यूनिट इस एसयूवी के हाइब्रिड मॉडल में इस्तेमाल हो सकती है। कीमत के लिहाज से यह एसयूवी 10 से 16 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की रेंज में आ सकती है। मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट फिलहाल सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है, जिसमें क्रेटा और सेल्टोस मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं।

पेटीएम ने साफ किया, यूपीआई पेमेंट में नहीं आएगी कोई परेशानी

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पेटीएम ने साफ किया है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) हैंडल में बदलावों पर गूगल प्ले की हालिया अधिसूचना अधूरी थी और इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। कंपनी ने कहा कि पेटीएम पर यूपीआई भुगतान में कोई व्यवधान नहीं है और उपभोक्ता व व्यापारी दोनों के लेन-देन निर्बाध बने हुए हैं। पेटीएम ने बताया, इसका मतलब है कि अगर कोई यूजर यूट्यूब प्रीमियम या गूगल वन स्टोरेज या किसी भी आवर्ती प्लेटफॉर्म के लिए पेटीएम यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर रहा था, तब उस बस अपने पुराने @पेटीएम हैंडल को अपने बैंक से जुड़े नए हैंडल, जो @पीटीएचडीएफसी, @पीटीएक्सिस, पीटीयस या @पीटीएसबीआई से बदलना होगा। पेटीएम ने बताया कि यह बदलाव, थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (टीपीएपी) के रूप में काम करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से मंजूरी मिलने के बाद नए यूपीआई हैंडल्स पर उसके माइग्रेशन का हिस्सा है। आवर्ती मैंडेट्स के लिए अपडेट पूरा करने की समय सीमा 31 अगस्त, 2025 है, यही वजह है कि गूगल प्ले ने यह अलर्ट जारी किया है। ग्राहकों को आश्वस्त करते हुए, पेटीएम ने कहा कि यह एक आसान अपडेट है जो निर्बाध आवर्ती भुगतान सुनिश्चित करता है जबकि ऐप पर अन्य सभी यूपीआई लेनदेन बिना किसी बदलाव के जारी रहते हैं ।

जीएसटी दर तार्किकरण का फायदा गरीबों तक पहुंचे ना कि कॉपोरेट संस्थानों तक

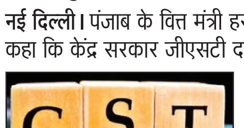

नई दिल्ली। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार जीएसटी दर तार्किक बनाने के मौजूदा प्रस्ताव के तहत राज्यों की वित्तीय स्थिरता को प्रभावित होने से बचाने के लिए उपयुक्त मुआवजे की व्यवस्था करे और यह तय किया जाए कि इस कदम का लाभ महंगाई का सामना कर रहे देश के गरीब लोगों तक पहुंचे, न कि कॉर्पोरेट संस्थानों तक। मंत्री चीमा ने जोर देकर कहा कि यदि कीमतों के तार्किकरण का मौजूदा प्रस्ताव आय में हुई कमी की भरपाई की व्यवस्था किए बिना लागू होता है, तो यह राज्यों की वित्तीय अस्थिरता का कारण बनेगा और देश की संघीय संरचना को भी क्षति पहुंचाएगा, जो स्वीकार्य नहीं है। मंत्री चीमा शनिवार को कर्नाटक भवन में जीएसटी दर तार्किकरण पर विचार संबंधी केरल, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के वित्त मंत्रियों और प्रतिनिधियों की बैठक में शामिल हुए। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर रखी बात उन्होंने कहा कि राज्य का इस पहलू पर मत है कि दर तार्किकरण के साथ-साथ राज्यों के वित्तीय हितों की सुरक्षा की मजबूत व्यवस्था तैयार की जानी चाहिए। इसके तहत लग्जरी वस्तुओं पर सहायक कर लगाने और कम से कम पाँच सालों तक मुआवजा सुनिश्चित करने की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पाँच सालों के बाद भी राज्यों की आय में कमी पूरी नहीं होती है तो इस व्यवस्था को और आगे बढ़ाने की व्यवस्था हो। उन्होंने कहा कि यही संतुलित दृष्टिकोण राज्यों की आर्थिक संप्रभुता को बचा सकता है और इसके जरिए जीएसटी सुधारों को सही अर्थों में लागू किया जा सकेगा। वित्त मंत्री चीमा ने कहा कि 2017 में जीएसटी को वित्तीय निष्पक्षता के सिद्धांत को प्रमुखता देते हुए लागू किया गया था, लेकिन इसके लागू होने के बाद राज्यों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चीन और...

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए बेतुके टैरिफ से दोनों ही देशों को समस्याएं बढ़ी हैं। हालांकि, ट्रंप के इस टैरिफ वॉर से पहले ही भारत-चीन ने अपने संबंधों में सुधार के संकेत देने शुरू कर दिए थे। नरमी पिछले साल अक्टूबर से ही शुरू हुई जब पीएम मोदी और जिनपिंग ने रूस में ब्रिक्स समिट के दौरान मुलाकात की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ चुनौती के बाद संबंधों के सुधार की दिशा में तेजी आई है।

विशेषज्ञ भी यह मान रहे हैं कि ट्रंप के बेतुके टैरिफ ने अमेरिकी विदेश नीति को उल्ट-पुल्ट कर दिया है। इससे पहले अमेरिका में भारत को चीन के लिए एक संतुलन के रूप में देखा जाता था। लेकिन भारत के बढ़ते कद ने अमेरिका को भी परेशान किया है। भारत भी एससीओ समिट के जरिए यह साबित कर रहा है कि वह सिर्फ अमेरिकी खेमे में नहीं है। बल्कि दुनिया में उसके पास भी विकल्प मौजूद हैं। फिनोक्रेट टेक्नोलॉजीज के संस्थापक गौरव गोयल ने मिंट से कहा है कि चीन-रूस अपनी अर्थव्यवस्थाओं को भारत के लिए खोल रहे हैं, जिससे व्यापार को पुनर्निर्देशित करने और टैरिफ के बोझ को कम करने में मदद मिल रही है। गोयल ने कहा, एससीओ शिखर सम्मेलन, एक रणनीतिक मोड़ है जहां भारत, चीन और रूस अपनी आर्थिक राह खुद तय करने, साझेदारी को मजबूत करने और यह संकेत देने के लिए तैयार हैं कि अमेरिकी व्यापार दबाव उनके भविष्य को तय नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के सामने आतंकवाद का मुद्दा भी उठाया और उनसे समर्थन की अपेक्षा की। प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने पिछले वर्ष सफल सैन्य वापसी और उसके बाद से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने पर संतोष जताया। पीएम मोदी ने आतंकवाद और उससे उत्पन्न चुनौतियों का मुद्दा उठाया।

दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2024 में कजान में अपनी पिछली बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में हुई सकारात्मक प्रगति का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश विकास भागीदार हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं। उनके मतभेद विवादों में नहीं बदलने चाहिए। भारत-चीन और उनके 2.8 अरब लोगों के बीच आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर एक स्थिर संबंध और सहयोग दोनों देशों की वृद्धि और विकास के साथ-साथ 21वीं सदी के रुझानों के अनुरूप एक बहुध्रुवीय विश्व और बहुध्रुवीय एशिया के लिए जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने पिछले वर्ष सफल सैन्य वापसी और उसके बाद से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द बनाए रखने पर संतोष जताया। उन्होंने अपने समग्र द्विपक्षीय संबंधों और दोनों देशों के लोगों के दीर्घकालिक हितों के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से सीमा विवाद के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के लिए प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में दोनों विशेष प्रतिनिधियों की ओर से अपनी वार्ता में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों को स्वीकार किया और उनके प्रयासों को और समर्थन देने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने कैलाश मानसरोवर यात्रा और पर्यटक वीजा की बहाली के आधार पर सीधी उड़ानों और वीजा सुविधा के माध्यम से लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर ध्यान दिया। आर्थिक और व्यापारिक संबंधों के संदर्भ में उन्होंने विश्व व्यापार को स्थिर करने में अपनी दोनों अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को मान्यता दी। उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों का विस्तार करने और व्यापार घाटे को कम करने के लिए एक राजनीतिक और रणनीतिक दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और चीन दोनों ही रणनीतिक स्वायत्तता चाहते हैं। उनके संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों और चुनौतियों जैसे आतंकवाद और बहुपक्षीय मंचों पर निष्पक्ष व्यापार पर साझा आधार का विस्तार करने आवश्यकता पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री ने एससीओ की चीन की अध्यक्षता और तियानजिन में शिखर सम्मेलन के लिए समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रपति शी को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी आमंत्रित किया, जिसकी मेजबानी भारत 2026 में करेगा। राष्ट्रपति शी ने निमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया और भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए चीन के समर्थन की पेशकश की। प्रधानमंत्री ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य काई क्वी के साथ भी बैठक की। प्रधानमंत्री ने काई के साथ द्विपक्षीय संबंधों के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया और दोनों नेताओं के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए उनका समर्थन मांगा। काई ने द्विपक्षीय आदान-प्रदान का विस्तार करने और दोनों नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुरूप संबंधों को और बेहतर बनाने की चीनी पक्ष की इच्छा दोहराई।

तियानजिन में प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग की बैठक में दोनों नेताओं ने माना कि भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक व्यापार स्थिर करने में अहम हैं। बातचीत में अमेरिका के टैरिफ फैसलों, आपसी व्यापार, निवेश और लोगों के बीच रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने वीजा, सीधी उड़ानें और कैलाश मानसरोवर यात्रा को बढ़ावा देने पर सहमति जताई। तियानजिन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा संदेश दिया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को बयान जारी कर बताया कि दोनों नेताओं ने यह स्वीकार किया कि भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं विश्व व्यापार को स्थिर करने में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है जब दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ निर्णयों से जूझ रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मोदी और जिनपिंग की बैठक के दौरान वैश्विक व्यापार माहौल पर भी चर्चा हुई।

भारत-चीन वार्ता में सिर्फ व्यापार ही नहीं, बल्कि लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के उपायों पर भी सहमति बनी। दोनों नेताओं ने सीधे हवाई संपर्क बहाल करने, वीजा प्रक्रिया आसान करने और कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने को अहम कदम बताया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों ने माना कि पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान आपसी भरोसा बढ़ाने में मदद करेंगे। अगस्त में चीनी विदेश मंत्री वांग यी की यात्रा के दौरान ही दोनों देशों ने जल्द ही सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने और एयर सर्विस एग्रीमेंट को अपडेट करने पर सहमति दी थी। प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक में कहा कि भारत और चीन दोनों रणनीतिक स्वायत्तता का पालन करते हैं और उनके रिश्तों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि दोनों देशों को द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर साझा जमीन तैयार करनी होगी। इसमें आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और बहुपक्षीय मंचों पर न्यायसंगत व्यापार जैसे मुद्दे भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं ने आपसी व्यापार घाटा कम करने और निवेश बढ़ाने के लिए राजनीतिक और रणनीतिक दिशा में काम करने पर भी सहमति जताई।

मोदी-जिनपिंग की यह बैठक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से पहले हुई है। एससीओ में भारत समेत 10 सदस्य देश हैं, जिनमें बेलारूस, चीन, ईरान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज़्बेकिस्तान शामिल हैं। भारत 2005 से पर्यवेक्षक और 2017 से पूर्ण सदस्य है। 2020 में भारत ने एससीओ परिषद प्रमुखों की बैठक की अध्यक्षता की थी और 2022-23 में राष्ट्राध्यक्ष परिषद का नेतृत्व किया। शिखर सम्मेलन से पहले मोदी रूसी राष्ट्रपति पुतिन से भी द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे।

राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात से पहले पीएम मोदी ने की यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलदिमिर जेलेंस्की से बातचीत की और रूस-यूक्रेन संघर्ष खत्म कराने के भारत के प्रयास की प्रतिबद्धता जताते हुए जल्द ही शांति बहाली का आश्वासन दिया। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत हर कदम पर यूक्रेन के साथ है। साथ ही पीएम ने जल्द शांति बहाली का आश्वासन भी दिया। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत इस दिशा में सभी जरूरी सहायता उपलब्ध कराएगा। जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार जताया है।

जन्म प्रमाण-पत्र...

लोग मेरे घर तक आधी रात को पहुंच जाते हैं। स्टाम्प पेपर की कीमत 10 रुपए से बढ़कर 20 रुपए हो चुकी है। वकीलों की फीस भी 150 रुपए से लेकर 2000 रुपए तक पहुंच गई है। जिनके नाम, जन्मतिथि या माता-पिता के नाम आधार, वोटर कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र में मेल नहीं खाते, उन्हें कोर्ट का हलफनामा बनवाना पड़ रहा है।

गांव-गांव की पंचायतों में भीड़ संभालना मुश्किल हो रहा है। कंडी के महालंडी पंचायत की अधिकारी सुवर्णा मरजीत बताती हैं कि रोज 70-80 लोग डिजिटलीकरण के लिए आते हैं और 20-30 लोग नए प्रमाण पत्र के लिए। लेकिन यह काम एसडीओ या बीएमओ ही कर सकते हैं। प्रधान साहेबा खातून का कहना है, लोगों को डर है कि जन्म प्रमाण पत्र सही नहीं हुआ तो उन्हें सीधे बांग्लादेश भेज देंगे। इसी बीच, बिचौलिए भी सक्रिय हो गए हैं। जन्म प्रमाण पत्र में छोटे-मोटे सुधार के लिए 1000-2000 रुपए, बड़े बदलाव और गजट नोटिफिकेशन के लिए 4000-5000 रुपए तक वसूले जा रहे हैं। साइबर कैफ़े वाले भी पीछे नहीं 20 रुपए लेकर फॉर्म भरने तक का काम कर रहे हैं।

ममता बनर्जी सरकार आरोप लगा रही है कि भाजपा मुस्लिमों को टारगेट करने के लिए एसआईआर और एनआरसी का डर फैला रही है। इसलिए सरकारी तंत्र को जन्म प्रमाण पत्र सुधारने और डिजिटलीकरण में झोंक दिया गया है। बरहामपुर और मुर्शिदाबाद में दर्जनों अधिकारी फील्ड पर तैनात हैं। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, यह जो विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है, वह पूरी तरह बकवास है। चुनाव आयोग भाजपा की मदद करने के लिए मतदाताओं के नाम हटा रहा है। हम सब मिलकर इसका मुकाबला करेंगे। वोटों की चोरी पूरे देश में हो रही है और इसे रोकना जरूरी है। महाराष्ट्र और हरियाणा में उन्होंने यही किया, अब बिहार और बंगाल में भी वही चाल चल रहे हैं। लेकिन हम इसे हर हाल में रोकेंगे।

वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य का दावा है, बंगाल में बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज हैं। हम समय-समय पर चुनाव आयोग को सचेत करते रहे हैं। तृणमूल जानबूझकर दहशत फैला रही है। लेकिन जमीनी हकीकत साफ है। हजारों लोग जन्म प्रमाण पत्र के लिए लाइन में खड़े हैं, स्टाम्प पेपर और वकील की जेबें भर रही हैं और बिचौलिए पैकेज बेच रहे हैं। असली सवाल यह है कि क्या यह प्रक्रिया सच में नागरिकता साबित करने का आधार बनेगी या फिर आम जनता के खून-पसीने की कमाई लूटने का एक और जरिया?

सेंगोल के बाद ...

मंदिर प्रबंधन के मुख्य प्रशासक अरविंद पाधी ने कहा, हम लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के आभारी हैं कि उन्होंने रथ यात्रा के दौरान इस्तेमाल किए गए तीन रथों में से प्रत्येक रथ का एक पहिया संसद परिसर में एक प्रमुख स्थान पर स्थापित करने के हमारे प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। संसद परिसर में रथ के पहिए लगाए जाने के बाद यह वहां स्थापित होने वाला संस्कृति से जुड़ा दूसरा प्रतीक होगा। इससे पहले मई 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में स्पीकर की कुर्सी के बगल में सेंगोल स्थापित किया था।

कांग्रेस ने ...

एसआईआर को लेकर लगातार हमलावर रहे हैं।

1 से 30 अगस्त तक ड्राफ्ट रोल पर सिर्फ 2.27 लाख दावे-आपत्तियां आईं, जिनमें 1.97 लाख नाम हटाने के और 29 हजार नाम जोड़ने के। नए वोटरों के लिए 13 लाख से ज्यादा फॉर्म आए। भाजपा ने 53 हजार, राजद ने 47 हजार आपत्तियां कीं, लेकिन कांग्रेस का खाता जीरो ही रहा। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रही सियासी बहस अब एक नए मोड़ पर आ गई है। चुनाव आयोग ने 30 अगस्त 2025 को एक डेली बुलेटिन जारी किया है, जो राहुल गांधी और विपक्ष के उन दावों पर सवाल उठाता है, जिनमें एसआईआर प्रक्रिया को वोट चोरी का हथियार बताया गया था।

इस बुलेटिन के मुताबिक, 1 अगस्त से 30 अगस्त तक ड्राफ्ट रोल पर दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया में सिर्फ 2 दिन बचे हैं और जो आंकड़े सामने आए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। सामान्य मतदाताओं की ओर से दायर दावों-आपत्तियों में भी आंकड़े चौंकाने वाले हैं। कुल 2,27,636 दावों में से सिर्फ 29,872 नामों को शामिल करने और 1,97,764 नामों को हटाने के लिए आवेदन आए। 7 दिन के निपटान के बाद सिर्फ 33,771 मामले सुलझे। नई वोटरों के लिए 18 साल या उससे अधिक उम्र के 13,33,793 फॉर्म-6 और डिक्लेरेशन आए, जिनमें से 61,248 का निपटान हो चुका है। यह आंकड़ा साफ करता है कि ज्यादातर आवेदन नाम हटाने के लिए हैं न कि जोड़ने के लिए, जो विपक्ष के 65 लाख वोटरों के नाम कटने के दावों के उलट है।

अब बात करते हैं राहुल गांधी के उन दावों की, जो एसआईआर को लेकर हवा में लहरा रहे थे। राहुल गांधी ने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान बार-बार आरोप लगाया कि चुनाव आयोग और भाजपा के बीच साठगांठ है और एसआईआर के जरिए 65 लाख वोटरों के नाम जानबूझकर काटे गए। उन्होंने दावा किया कि यह गरीब, दलित, और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हमला है। लेकिन चुनाव आयोग का बुलेटिन इन दावों को खोखला साबित करता है। कांग्रेस ने एक भी दावा दायर नहीं किया, जो उनके आरोपों की गंभीरता पर सवाल उठाता है। क्या यह दर्शाता है कि उनके दावे महज प्रचार थे?

राहुल गांधी ने एक और वीडियो वायरल किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया कि मृत वोटरों के नाम सूची में बने हुए हैं और एसआईआर उनकी सफाई नहीं कर रहा। इस वीडियो में उन्होंने बीएलओ रानी कुमारी पर सवाल उठाए, लेकिन चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि रानी कुमारी सिर्फ सत्यापन कर रही थीं, न कि कोई गड़बड़ी। यह वीडियो फर्जी निकला और राहुल के दावों पर सवाल उठे। इसके अलावा, उन्होंने कर्नाटक के महादेवपुरा में एक लाख फर्जी वोटरों का डेटा पेश किया, लेकिन चुनाव आयोग ने जवाब मांगा, जो अब तक नहीं आया। क्या यह उनकी तैयारी की कमी को दर्शाता है?

राहुल ने विदेशी मीडिया मसलन अल जजीरा, न्यूयॉर्क टाइम्स, बीबीसी को इस्तेमाल करके वोट चोरी का प्रोपेगैंडा फैलाया और दावा किया कि एसआईआर से लाखों असली नाम कट रहे हैं। ये सब राहुल गांधी का मनगढ़ंत नैरेटिव था। चुनाव आयोग की रिपोर्ट्स से साफ हुआ कि राहुल गांधी के पास कोई सबूत नहीं है। यानि, सब सियासी नौटंकी है। राहुल ने चुनाव आयोग की चुनौती पर आजतक हलफनामा तक नहीं दिया।

राहुल गांधी ने एक और बड़ा दावा यह किया कि एसआईआर के जरिए संस्थागत वोट चोरी हो रही है, और उन्होंने इसे गुजरात मॉडल बताया। उन्होंने अररिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। लेकिन चुनाव आयोग ने जवाब दिया कि 22 लाख मृत वोटर पिछले 20 साल की गलतियों से जुड़े हैं और एसआईआर इनको ठीक करने की प्रक्रिया है। राहुल के दावों के जवाब में आयोग ने चुनौती दी कि अगर गड़बड़ी थी, तो ड्राफ्ट जारी होने पर आपत्ति क्यों नहीं की गई? यह सवाल अब जनता के सामने है।

राहुल गांधी ने मिंता देवी और शकुन रानी के नाम लेकर भी हंगामा मचाया। उन्होंने दावा किया कि मिंता देवी की उम्र 124 साल बताई गई, जो फर्जीवाड़ा है, और शकुन रानी ने दो बार वोट डाला। लेकिन जांच में पता चला कि मिंता देवी का नाम सही था और शकुन रानी का मामला डुप्लिकेट एपिक नंबर से जुड़ा था, जो तेजस्वी यादव के साथ भी हुआ। चुनाव आयोग ने तेजस्वी के दो वोटर कार्ड का खुलासा किया, जो उनके अपने दावों पर सवाल उठाता है। क्या यह विपक्ष की अपनी गलतियों को छिपाने की कोशिश थी? योगेंद्र यादव जैसे विश्लेषकों ने भी दावा किया था कि एसआईआर से 2 करोड़ वोटरों के नाम कटेंगे, और यह जनता को वोट से वंचित करने की साजिश है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सिर्फ 1.97 लाख नाम हटाने के लिए आवेदन आए, जो उनके दावों से कोसों दूर है। राहुल गांधी की 16 अगस्त से शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा जो 1 सितंबर को पटना में खत्म होगी, को जनता का समर्थन नहीं मिल रहा। नवादा में एक शख्स सुबोध कुमार ने दावा किया कि उनका नाम कटा, लेकिन आंकड़ों से यह साबित नहीं होता।

चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर एक पारदर्शी प्रक्रिया है, जिसमें हर मतदाता और दल के लिए दरवाजे खुले हैं। उन्होंने कहा कि 90,817 मतदान केंद्रों की सूची शेयर की गई और 1 अगस्त से 1 सितंबर तक दावे-आपत्तियां आमंत्रित की गईं। बुलेटिन में यह भी कहा गया कि कोई भी नाम 1 अगस्त की सूची से बिना जांच के नहीं हटाया जाएगा। यह दर्शाता है कि आयोग हर एलिजिबल वोटर को शामिल करने की कोशिश कर रहा है, जैसा कि 13.33 लाख नए फॉर्म से जाहिर होता है।

जनता के मन में सवाल है कि अगर वाकई 65 लाख नाम कटे, तो इतने कम दावे-आपत्तियां क्यों? क्या यह विपक्ष की नाकामी है या उनके दावों में दम नहीं था? राहुल गांधी की यात्रा और बयानों ने सियासी माहौल गरम किया, लेकिन आंकड़े उनकी बातों को चुनौती दे रहे हैं। बिहार की जनता अब सचाई को समझ रही है और यह देखना दिलचस्प होगा कि अगले कुछ दिन में क्या नया मोड़ आता है। यह आंकड़ा राहुल गांधी को पूरी तरह एक्सपोज़ कर रहा है। बिहार में कोई वोट चोरी नहीं, बल्कि चुनाव आयोग ने पारदर्शिता से काम किया। योगेंद्र यादव की बातें भी हवा हो गईं। लोग एसआईआर का सपोर्ट कर रहे हैं, फर्जी नाम हटाने चाहते हैं। चुनाव आयोग ने 3 लाख संदिग्ध वोटर्स को नोटिस भेजे, लेकिन सही लोगों को लेकर कोई समस्या नहीं। ये रिपोर्ट बताती है कि चुनाव प्रक्रिया मजबूत है और प्रोपेगेंडा फैलाने वाले अब चुप हैं। बिहार के लोग समझदार हैं, वे ऐसे झूठ में नहीं फँसते। कुल मिलाकर एसआईआर सफल हो रहा है और राजनीतिक शोर सिर्फ चुनावी स्टंट था।

बिहार में राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होने के लिए युवकों को पांच-पांच सौ रुपए बांटे गए। यात्रा में शामिल कई युवकों ने ही यह बात कह कर राहुल की इस सियासी यात्रा की पोल खोल दी। इस तरह राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा चर्चा से ज्यादा विवादों में फंस गई है। शनिवार को सारण जिले (छपरा) में जब यह यात्रा पहुंची तो वहां एक अजीब नजारा देखने को मिला। मंच और सड़कों पर जुटी भीड़ को यह तक मालूम नहीं था कि वे किसकी रैली में आए हैं और उसका मकसद क्या है। रैली में शामिल कई लोगों ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों को 500-500 रुपए देकर यात्रा में शामिल किया गया। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि लोकतंत्र और वोटरों के अधिकार की बात करने वाली यह यात्रा असल में भीड़ दिखाने का राजनीतिक कार्यक्रम भर है। रैली में शामिल एक शख्स ने कहा, हमें रैली में आने के लिए 500 रुपए मिले हैं। दिन भर की मजदूरी मिल गई। हमारे साथ 20-25 आदमी आए थे, हमें झंडा लेकर खड़ा रहने को कहा गया था। हालांकि, जब इस शख्स ने पूछा गया कि वोटर अधिकार क्या है तो यह नहीं बता सका। शख्स ने टीशर्ट मिलने की बात भी कही।

रूस से तेल का...

ओएनजीसी की दो इकाइयां हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स अपनी रिफाइनरियों के लिए नियमित रूप से रूसी तेल खरीदती हैं। देश की सबसे बड़ी ईएंडपी कंपनी चालू वित्त वर्ष में घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए 66,000 करोड़ रुपए की लागत वाली 21 परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिनमें से नौ विकास परियोजनाएं हैं। कंपनी ने यह भी संकेत दिया कि उचित मूल्य पर ऊर्जा संपत्तियां उपलब्ध होने पर वह विदेशों में निवेश पर भी विचार करेगी।

ओएनजीसी (विदेश) के एमडी राजर्षि गुप्ता ने कहा कि कंपनी अमेरिका, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्रों में एलएनजी व अपस्ट्रीम संपत्तियों में निवेश की संभावनाएं तलाश रही है। अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने अनुमान जताया कि निकट भविष्य में कच्चे तेल की कीमतें लगभग 60 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रह सकती हैं।

काला धन सफेद...

रास्ता अपना लिया है और कई नेताओं को पुलिस सुरक्षा तक मिल चुकी है। याचिका में हाल ही में मीडिया में आई एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया कि आयकर विभाग ने एक फर्जी राजनीतिक दल पकड़ा, जो काले धन को सफेद करने का काम कर रहा था। इस दल पर आरोप है कि वह 20 प्रतिशत कमीशन लेकर काले धन को वैध चंदे में बदल रहा था। याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय का कहना है कि राजनीतिक दल सार्वजनिक कार्य करते हैं, इसलिए उनमें पारदर्शिता और जवाबदेही होना बेहद जरूरी है।

याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और पारदर्शिता लाने के लिए कई सुधार कर चुका है। अब राजनीतिक दलों पर भी सख्त नियम लागू करना जरूरी है। अगर चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के लिए ठोस नियम बनाए, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती देगा। इसमें कहा गया है कि बिना नियमन के राजनीतिक दल लोकतंत्र को कमजोर करते हैं और जनता के भरोसे को तोड़ते हैं। याचिकाकर्ता ने वैकल्पिक रूप से मांग की है कि कानून आयोग को विकसित लोकतांत्रिक देशों की सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन कर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया जाए। रिपोर्ट में राजनीतिक दलों के पंजीकरण और नियमन की व्यवस्था हो, ताकि राजनीति में भ्रष्टाचार और अपराधीकरण को कम किया जा सके। याचिका में कहा गया है कि अगर राजनीतिक दल संविधान की सीमा में रहकर काम करेंगे, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगा और जनता का विश्वास मजबूत होगा।

मोदी ने नोबेल ...

इन्कार दोनों नेताओं के रिश्ते में आई खटास का बड़ा कारण बना।न्यूयॉर्क टाइम्स का दावा है कि उसकी रिपोर्ट वाशिंगटन और दिल्ली के दर्जनभर से ज्यादा लोगों से हुई बातचीत पर आधारित है। इनमें से ज्यादातर ने गोपनीयता की शर्त पर बात की क्योंकि दोनों देशों के रिश्तों का असर बहुत दूरगामी है। जून की उस फोन कॉल के कुछ हफ्तों बाद ही ट्रंप ने अचानक भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया था। इसके कुछ दिनों उसे बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया था। दरअसल, ट्रंप दावा करते हैं कि उन्होंने व्यापार की धमकी देकर युद्ध रुकवाया। जाहिर है कि अगर ट्रंप की बात में दम होता और भारत ने उनकी बात सुनी होती तो आज भारत पर इतना टैरिफ नहीं लगा होता। भारत ने हमेशा यह स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच किसी तीसरे देश की मध्यस्थता उसे स्वीकार नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और सैन्य अधिकारी भी यह स्पष्ट कर चुके हैं कि संघर्ष विराम के लिए पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से युद्ध रोकने का अनुरोध किया था।

अमेरिकी निवेश बैंक जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक भी ट्रंप-टैरिफ का कारण है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को सुलझाने में मध्यस्थता करने का मौका नहीं मिलना। रिपोर्ट कहती है कि ये टैरिफ ट्रंप के निजी नाराजगी का नतीजा है। ट्रंप को लगता था कि वे मई में भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु ताकत वाले देशों के बीच हुए तनाव को खत्म करने में मदद कर सकते थे। लेकिन भारत ने साफ कह दिया कि वह इस मामले में किसी तीसरे देश की दखलअंदाजी नहीं चाहता। भारत का यह रुख हमेशा से रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ अपने मसलों को खुद सुलझाएगा।

ट्रंप ने कई बार दावा किया है कि उन्होंने दुनियाभर के कई झगड़ों को खत्म किया, जिसमें भारत-पाकिस्तान का मुद्दा भी शामिल है। ट्रंप के इस बड़बोलेपन के दबाव में व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने जुलाई में कहा था कि ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया साइट पर लिखा था, मैं दोनों देशों के साथ मिलकर कश्मीर जैसे हजार साल पुराने मसले का हल निकाल सकता हूं। लेकिन भारत ने उनकी इस पेशकश को ठुकरा दिया, क्योंकि भारत किसी बाहरी देश को अपने मामलों में दखल देने की इजाजत नहीं देता। जेफरीज की रिपोर्ट ने तभी यह चेतावनी दे दी थी कि अगर अमेरिका भारत पर दबाव डालता रहा, तो भारत और चीन के बीच नजदीकियां बढ़ सकती हैं।

सितंबर में चार बड़े ग्रहों का होगा राशि परिवर्तन

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक ग्रह निरंतर अपनी राशि में परिवर्तन करते हैं। एक विशेष अवधि और चाल के अनुसार ये ग्रह एक राशि से दूसरी राशि में जाते हैं। इन ग्रहों की हलचल से ही सभी राशियां प्रभावित होती हैं। इसी कड़ी में सितंबर माह में 4 ग्रह अपनी राशि बदलेंगे। इन ग्रहों में बुध, सूर्य मंगल, और शुक्र ग्रह शामिल हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि सिंतबर के महीने में सूर्य के साथ ही मंगल, बुध और शुक्र भी राशि बदलेंगे। मंगल का गोचर 13 सितंबर को तुला राशि में होगा। वहीं सूर्य 17 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे। शुक्र 15 सितंबर को सिंह राशि में गोचर करेंगे। वहीं बुध भी इसी दिन कन्या राशि में संचार करेंगे। यानि इस महीने बुध और सूर्य मिलकर कन्या राशि में बुधादित्य योग का निर्माण करें। इस तरह के सितंबर माह में ग्रहों के राशि परिवर्तन करने से कुछ राशि वालों को विशेष लाभ मिल सकता है।

इस महीने चार बड़े ग्रह सूर्य, मंगल, बुध और शुक्र अपनी चाल बदलेंगे। 13 सितंबर को मंगल तुला राशि में प्रवेश कर नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। 17 सितंबर को सूर्य का गोचर होगा, जिसके बाद वे पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी और हस्त नक्षत्र से गुजरेंगे। सूर्य और बुध के गोचर से शुभ बुधादित्य योग बनेगा। शुक्र भी इस दौरान दो बार राशि परिवर्तन और दो बार नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों की चाल का असर व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है। ज्योतिष के नजरिए से भी ये माह बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। इस माह में 4 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे। वैदिक ज्योतिष के सिद्धांत के अनुसार मनुष्य के जीवन में जो भी घटनाएं घटित होती हैं। उनका कारण ग्रहीय दशा, गोचर, उनकी चाल है। सौरमंडल में बैठे ग्रह ही यह निर्धारित करते हैं कि आने वाला समय कैसा होगा और मनुष्य जीवन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

मंगल का तुला राशि में गोचर

मंगल देव 13 सितंबर को तुला राशि में गोचर करेंगे।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, तुला, , वृश्चिक और मकर

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, धनु, कुंभ और मीन

बुध का कन्या राशि में गोचर

बुध ग्रह को ग्रहों का राजकुमार कहा गया है। यह सूर्य के सबसे नजदीक रहने वाले ग्रह हैं। सितंबर के महीने में ग्रहों के राजुकमार बुध देव 15 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे।

शुभ - वृष, सिंह, कन्या, तुला, , वृश्चिक और मकर

अशुभ - मेष, मिथुन, कर्क, धनु, कुंभ और मीन

शुक्र का सिंह राशि में गोचर

सुख, भोग-विलास के कारक ग्रह शुक्र 15 सितंबर को सिंह राशि में गोचर कर जाएंगे। शुक्र देव के राशि परिवर्तन से कुछ राशि के जातक को बहुत ही लाभ मिलेगा।

शुभ - मेष, वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु और मकर

अशुभ - कर्क, सिंह, वृश्चिक, कुंभ और मीन

सूर्य का कन्या राशि में गोचर

सूर्य हर माह अपनी राशि बदलते हैं, जिसको सूर्य संक्रांति के नाम से जाना जाता है। ग्रहों के राजा सूर्य 17 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे। इसके साथ ही 27 सितंबर को हस्त नक्षत्र और 10 अक्टूबर को चित्रा नक्षत्र में चले जाएंगे। 17 अक्तूबर को तुला राशि में गोचर करेंगे।

शुभ - वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला और कुंभ

अशुभ - मेष, वृश्चिक, धनु, मकर और मीन

ग्रहों के गोचर का प्रभाव

व्यापार में तेजी आएगी। बड़े मामले सामने आएंगे। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से बढ़ने की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होगी। दुर्घटना होने की संभावना। देश और दुनिया में राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। अचानक मौसमी बदलाव भी हो सकते हैं। बारिश और बर्फबारी होने की आशंका है। सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा।

क्या करें उपाय

हं हनुमते नमः, ऊँ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो।9460872809

हाथ की इन तीन रेखाओं के बारे में जानने वाला, समझने लगता है भविष्य के संकेत

जब तक कोई अनुभव हमारी इंद्रियों या अंतर्मन से न जुड़ जाए, तब तक उस पर विश्वास करना कठिन होता है, यही कारण है कि दुनिया में आस्तिक और नास्तिक जैसी दो विचारधाराएं हैं। ये दोनों विचारधाराएं एक-दूसरे से भिन्न होते हुए भी गहराई में जाकर देखे जाएं तो एक-दूसरे पर अन्योन्याश्रित हैं। मानव की जिज्ञासा और उसकी आस्था तथा निराशा के बीच ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान एक अनोखा सेतु है।

हथेली की रेखाएँ व्यक्ति की प्रवृत्तियों, क्षमताओं और स्वभाव की गुप्त चाबी हैं। जैसे जन्मकुण्डली में ग्रह संकेत रूप में व्यक्ति के बारे में सब कुछ बता देते हैं, उसी प्रकार से हाथों की लकीरें बहुत सारे रहस्यों का पर्दाफाश करती हैं। इसलिए प्राचीन ऋषियों से लेकर आधुनिक विद्वानों तक, हर युग में ज्योतिष शास्त्र के अन्तर्गत हस्तरेखा तथा जन्मकुण्डली विज्ञान, मानव स्वभाव और नियति को समझने का एक सशक्त माध्यम है।

अध्यात्मिकवेत्ताओं के अनुसार ब्रह्मांड के सारे नियम मनुष्य के जीवन पर भी लागू होते हैं। ज्योतिष शास्त्र कार्य-कारण सिद्धांत के अनुसार चलता है। जैसे किसी बीज में भविष्य का पेड़ छिपा होता है, वैसे ही किसी व्यक्ति की हथेली और उसकी जन्मकुण्डली में उसका भविष्य और व्यक्तित्व की दिशा अंकित होती है।

ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा, जन्मकुण्डली इत्यादि के द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को केवल भविष्यवाणी तक ही सीमित नहीं करना चाहिए, बल्कि ये प्रकृति द्वारा जीवन में दी गई अनन्त संभावनाओं को पहचानने का माध्यम है। अनन्त सम्भावनाओं में से व्यक्ति अपने लिए, अपनी सफलता के लिए सम्भावनाओं का चयन कर उस पर दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ अपना भविष्य बना सकता है।

मस्तिष्क रेखा है व्यक्ति की मानसिकता का दर्पण - मस्तिष्क रेखा हथेली में व्यक्ति की बुद्धि, विचार शक्ति और मानसिक प्रवृत्ति को दर्शाती है।

हृदय रेखा है स्नेह और भावनाओं की पहचान - हृदय रेखा प्रेम, करुणा और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है।

जीवन रेखा है जीवन शक्ति और आयु का संकेत - जीवन रेखा व्यक्ति की आयु, जीवनशक्ति और स्वास्थ्य को दर्शाती है।

हथेली की तीन रेखाओं को विस्तार से जानने वाला भविष्य की दिशा समझने लगता है।

सितंबर में व्रत-त्यौहारों की धूम... चंद्र ग्रहण से लेकर नवरात्रि तक, जानें खास तिथियां

भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि के साथ सितंबर माह का आरंभ हो रहा है। व्रत-त्योहार के लिहाज से यह महीना बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इस महीने अनंत चतुर्दशी, एकादशी, नवरात्रि के साथ-साथ कई बड़े व्रत त्योहार पड़ रहे हैं। इसके साथ ही इस महीने पितृ पक्ष का भी आरंभ हो रहा है।

ऐसे में इस माह में दान-पुण्य करने का भी विशेष महत्व है। वहीं, सितंबर में ग्रहण भी लगने जा रहा है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस बार सितंबर का महीना धार्मिक उत्सवों और अनुष्ठानों के साथ ही खगोलीय घटनाओं की वजह से भी खास होने वाला है।

सितंबर का महीना तीज-त्योहारों से भरा

सितंबर की शुरुआत गणेश उत्सव के साथ हो रही है। इसके बाद उनका विसर्जन होगा और अगले दिन पितृ पक्ष के अनुष्ठान के लिए लोग तैयारी करेंगे। इसके तुरंत बाद मां दुर्गा के आगमन की धूमधाम शुरू हो जाएगी।

सितंबर का महीना धार्मिक और ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। इस महीने में कई बड़े पर्व और व्रत आने वाले हैं। जिनमें गणेश विसर्जन, अनंत चतुर्दशी, जीवित्पुत्रिका व्रत, वामन जयंती और शारदीय नवरात्रि जैसे प्रमुख पर्व शामिल हैं।

इसके साथ ही भाद्रपद पूर्णिमा के बाद पितृ पक्ष की शुरुआत होगी। जिसके दौरान लोग अपने पितरों का तर्पण और श्राद्ध करेंगे। इसी महीने साल का अंतिम चंद्र ग्रहण और सूर्य ग्रहण भी पड़ेगा, जो खगोलीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

सितंबर का महीना मां दुर्गा को समर्पित

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि आश्विन महीने की शुरुआत होने वाली है। यह महीना जगत की देवी मां दुर्गा को समर्पित

होता है। इस महीने में कई प्रमुख व्रत-त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें शारदीय नवरात्र और पितृ पक्ष प्रमुख हैं।

इसके साथ ही सर्वपितृ अमावस्या, इंदिरा एकादशी, आश्विन शिवरात्रि, आश्विन प्रदोष व्रत और जितिया व्रत भी मनाए जाएंगे। यह महीना धार्मिक महत्व के साथ-साथ ग्रहों की चाल और खगोलीय घटनाओं की वजह से भी खास रहेगा। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के बाद पितृपक्ष आरंभ होगा।

जहां लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण करेंगे। इसके बाद नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विशेष पूजा-अर्चना होगी। इस दौरान कई पर्व एक के बाद एक आने वाले हैं, जिससे भक्तों में धार्मिक उत्साह और भी बढ़ेगा।

सितंबर माह में बुध का राशि परिवर्तन

सितंबर माह की शुरुआत बुद्धि और वाणी के ग्रह बुध से होगी। बुध 4 सितंबर से कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। फिर इसके बाद ग्रहों के राजा सूर्य 16 सितंबर से कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के राशि परिवर्तन करने से कन्या राशि में सूर्य और शुक्र की युति बनेगी।

16 सितंबर के बाद 18 सितंबर को सुख, वैभव और भोगविलास के कारक शुक्र तुला राशि में प्रवेश कर जाएंगे। बुध फिर 23 सिंतबर को सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इस तरह के सितंबर माह में ग्रहों के राशि परिवर्तन करने से कुछ राशि वालों को विशेष लाभ मिल सकता है।

3 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि 3 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी होगी। इसके बाद 4 सितंबर को वामन जयंती मनाई जाएगी। 6 सितंबर को गणेश विसर्जन और अनंत चतुर्दशी का बड़ा पर्व होगा। फिर 7 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा व्रत और साल का दूसरा चंद्र ग्रहण लगेगा।

8 सितंबर से पितृ पक्ष की शुरुआत होगी। 10 सितंबर को विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी का व्रत होगा। वहीं 14 सितंबर को माताएं जीवित्पुत्रिका व्रत रखेंगी। इसके बाद 17 सितंबर को एकादशी श्राद्ध, इंदिरा एकादशी और कन्या संक्रांति का संयोग रहेगा।

18 सितंबर को गुरु पुष्य योग बनेगा, तो 19 सितंबर को मासिक शिवरात्रि और प्रदोष व्रत मनाया जाएगा। 21 सितंबर को सर्वपितृ अमावस्या होगी, जिसके साथ श्राद्ध पक्ष का समापन होगा। 22 सितंबर को शारदीय नवरात्रि घटस्थापना के साथ आरंभ होगी।

25 सितंबर को विनायक चतुर्थी और स्कंद षष्ठी आएंगे। महीने का समापन 30 सितंबर को दुर्गाष्टमी और सरस्वती पूजा के साथ होगा।

चंद्र ग्रहण 7 सितंबर को

सितंबर में दो खगोलीय घटनाएं घटित होंगी। पहला 7 सितंबर को साल का अंतिम चंद्र ग्रहण होगा, जो भारत में दिखाई देगा। यह रात 9:58 बजे शुरू होकर 8 सितंबर की रात 1:26 बजे समाप्त होगा। इसका सूतक काल दोपहर 12:57 बजे से प्रारंभ हो जाएगा। वहीं, 21 सितंबर को साल का आखिरी सूर्य ग्रहण होगा। यह भारत में दिखाई नहीं देगा। लेकिन भारतीय समयानुसार यह रात 11 बजे से शुरू होकर 22 सितंबर की सुबह 3:24 बजे तक रहेगा।

सितंबर व्रत-त्योहार

01 सितंबर 2025 - ज्येष्ठ गौरी पूजा
02 सितंबर 2025 - ज्येष्ठ गौरी विसर्जन
03 सितंबर 2025 - परिवर्तिनी एकादशी
04 सितंबर 2025- वामन जयंती, भुवनेश्वरी जयन्ती और कल्की द्वादशी
05 सितंबर 2025- ओणम, शिक्षक दिवस और शुक्र प्रदोष व्रत
06 सितंबर 2025- गणेश विसर्जन और अनंत चतुर्दशी
07 सितंबर 2025- भाद्रपद पूर्णिमा व्रत और पूर्णिमा श्राद्ध
08 सितंबर 2025- पितृ पक्ष की प्रतिपदा तिथि का श्राद्ध किया जाएगा
10 सितंबर 2025- विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी
11 सितंबर 2025 - महा भरणी और पंचमी तिथि का श्राद्ध
12 सितंबर 2025- मासिक कार्तिगाई
14 सितंबर 2025 - जीवित्पुत्रिका व्रत और मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
17 सितंबर 2025 - एकादशी श्राद्ध, इंदिरा एकादशी, कन्या संक्रांति और विश्वकर्मा पूजा
19 सितंबर 2025- मासिक शिवरात्रि और शुक्र प्रदोष व्रत
21 सितंबर 2025 - सर्वपितृ अमावस्या, दर्श अमावस्या और आश्विन अमावस्या
22 सितंबर 2025- शारदीय नवरात्रि शुरू, घटस्थापना और महाराजा अग्रसेन जयन्ती
25 सितंबर 2025 - विनायक चतुर्थी
27 सितंबर 2025 - संकंद षष्ठी
30 सितंबर 2025 - सरस्वती पूजा और मासिक दुर्गाष्टमी

कर्क सहित अन्य राशियों को मिलेगा शिव कृपा से धन का लाभ

आज यानी 1 सितंबर को सोमवार है और आज के दिन भाद्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि का संयोग बना है। इस पर आज के दिन श्रीचंद नवमी का संयोग बनेगा। और आज के दिन के देवता भगवान शिव रहेंगे। जबकि आज के दिन चंद्रमा का गोचर वृश्चिक उपरांत धनु राशि में होगा जो बहुत ही शुभ संयोग है। और तो और आज के दिन चंद्रमा पर गुरु और मंगल की शुभ दृष्टि होने से कई शुभ योगों का निर्माण होगा और ज्येष्ठा उपरांत मूल नक्षत्र के संयोग में रवियोग का संयोग बनेगा। जिससे आज के दिन मेष, कर्क सहित 5 राशियों के जातक बहुत ही भाग्यशाली रहेंगे।

मेष राशि – मेष राशि के जातको के लिए आज सोमवार का दिन आर्थिक मामलों में लाभदायक होगा। आपको कहीं से अचानक धन का लाभ मिल सकता है। सरकारी क्षेत्र से आपको आज आज के दिन फायदा हो सकता है। जो लोग रक्षा क्षेत्र से जुड़े हैं उनको आज विशेष रूप से लाभ और सम्मान मिलने का योग है। घर परिवार के मामले में भी आज का दिन मेष राशि के जातकों के लिए बहुत ही भाग्यशाली रहेगा। आपको किसी शुभ काम में शामिल होने का मौका मिलेगा। पैतृक धन संपत्ति का भी आज के दिन आपको लाभ मिलता दिख रहा है। आप कोई नया काम शुरू करना चाह रहे हैं तो इसमें आज के दिन आपको भाग्य का पूरा साथ प्राप्त होगा।

उपाय– शिव चालीसा का पाठ करें और शिवजी का दूध से अभिषेक करें।

कर्क राशि – कर्क राशि के जातकों के लिए आज सोमवार दिन एक से अधिक स्रोत से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको आज बिजनेस में बड़ी डील मिल सकती है। आपका कोई निर्णय लाभ का संयोग बनाएगा। किसी को पैसे उधार दिए हैं तो आपको अपना पैसा वापस मिल सकता है। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। कार्यक्षेत्र में आपको सहयोगियों और सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलेगा। आपके लिए आज के दिन सरकारी क्षेत्र में सफलता मिलने का योग बना हुआ है। कानूनी मामला

कोई चल रहा है तो इसमें आपको सफलता मिल सकती है। आपको आज मनपसंद भोजन मिलने का भी संयोग बना है।

उपाय– आपको दिन को शुभ लाभदायक बनाए रखने के लिए माता से आशीर्वाद लेना चाहिए और दुर्गा चालीसा का पाठ भी करना चाहिए।

कन्या राशि – आज का दिन कन्या राशि के लोगों के लिए भाग्य के सहयोग से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको उन क्षेत्रों से भी फायदा मिलेगा जहां से आपने उम्मीद भी नहीं की है। आपका कोई जरूरी काम जो काफी समय से फंसा हुआ था वह फिर से शुरू हो सकता है। कन्या राशि के छात्र आज के दिन शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर पाएगे। आपको आर्थिक योजनाओं का लाभ मलेगा। आपके अधिकारी आज के दिन आपके काम की तारीफ कर सकते हैं। आपको आज पद प्रतिष्ठा का भी लाभ मिलने वाला है। सुख साधनों में वृद्धि होने से आपको आज खुशी मिलेगी। भाइयो से आपको सहयोग मिलेगा।

उपाय– आपको आज के दिन उपाय के तौर पर गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए।

तुला राशि – तुला राशि के लोगों के लिए आज सोमवार का दिन वाणी कुशलता और चतुराई से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको आज के दिन किसी मित्र या सहकर्मी की मदद से लाभ मिल सकता है। कोई सोचा हुआ अधूर काम आपका पूरा होगा। आज के दिन आपके सितारे बताते हैं कि आपको अपनी कला और व्यक्तित्व का भी फायदा मिलेगा। कोई विपरीत लिंगी मित्र और सहकर्मियों से आपको आज सहयोग मिलेगा। बीमार चल रहे जातकों के स्वास्थ्य में आज सुधार दिखेगा। कहीं से आपको आज के दिन कोई अच्छी खबर भी मिल सकती है। लव लाइफ के मामले में आज के दिन आप भाग्यशाली रहेंगे। परिवार और जीवनसाथी से आपको सहयोग मिलेगा। बच्चों की ओर से भी आप खुशी पाएंगे।

उपाय–आपको आज के दिन उपाय के तौर पर चावल या कोई अन्य सफेद वस्तुओं का दान करना चाहिए।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के लिए आज का दिन अप्रत्याशित रूप से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज कुछ ऐसे स्रोत से अचानक ही फायदा मिल सकता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी। आपको आज के दिन सरकारी काम में सफलता मिलेगी। कोई अपरिचित व्यक्ति आपकी मदद कर सकता है। आपको आज के दिन तकनीकी ज्ञान का अनुभव मिलेगा। जो लोग इंजीनियरिंग या बिजली से उपकरण के काम से जुड़े हुए हैं उनको विशेष रूप से फायदा मिलेगा। नौकरी में आपको अधिकारी वर्ग से प्रोत्साहन मिल सकता है और कोई काम जो आपका पूर्व में अटक गया है वह भी शुरू हो सकता है। बिजनेस के सिलसिले में की गई यात्रा सफल और लाभदायक रहेगी।

उपाय– आपको आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए तुलसी की मंजरी भगवान विष्णु को अर्पित करना चाहिए और राहु के मंत्र ओम रां राहवे नमः का जप करना चाहिए।

मालिक से आंखों की गुस्ताखियां तक, ओटीटी पर रिलीज होंगी ये धाकड़ फिल्में और सीरीज

सितंबर का पहला हफ्ता फुल ऑफ एंटरटेनमेंट होने वाला है। कई नई शानदार फिल्में और जबरदस्त वेब सीरीज ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। हिंदी, साउथ से लेकर हॉलीवुड सीरीज तक ओटीटी पर रिलीज होने जा रही हैं। इनमें रोमांस, कॉमेडी से लेकर एक्शन और एडवेंचर देखने को मिलेगा। सितंबर के पहले हफ्ते ओटीटी पर रिलीज होने जा रहीं फिल्मों और शोज की रिलीज डेट आप यहां चेक कर सकते हैं।

वेंस्डे सीजन 2 पार्ट 2

वेंस्डे सीजन 2 एक हॉरर सीरीज है जिसके कुल 6 एपिसोड्स हैं।सीरीज का पहला पार्ट अगस्त में ही रिलीज हो चुका है और अब दूसरा पार्ट सितंबर में आएगा।वेंस्डे सीजन 2 के दूसरे पार्ट को आप 3 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे।

द पेपर

अमेरिकी सिटकॉम द पेपर 4 सितंबर को रिलीज हो रही है।डोमनॉल ग्लीसन और सबरीना इम्पैसिएटोर की इस सीरीज को आप जियो हॉटस्टार पर देख पाएंगे।

इंस्पेक्टर जेंदे

फिल्म इंस्पेक्टर जेंदे भी 5 सितंबर से ओटीटी स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है।मनोज बाजपेयी स्टारर ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। फिल्म में जिम सर्भ भी नजर आएंगे। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी एक पुलिस वाले का रोल अदा करने वाले हैं।

आंखों की गुस्ताखियां

विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' थिएटर के बाद अब ओटीटी पर आ रही है। इस रोमांटिक फिल्म से शनाया कपूर ने बॉलीवुड डेब्यू किया है। अब ये फिल्म 5 सितंबर से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम होगी।

मालिक

राजकुमार राव की क्राइम-थ्रिलर फिल्म मालिक भी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। मालिक 5 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी। राजकुमार राव के साथ फिल्म में मानुषी छिल्लर बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आई हैं।

जूनियर

कीर्ति रेड्डी और श्रीलीला की कन्नड़-तेलुगु फिल्म जूनियर भी ओटीटी स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 5 सितंबर को प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। इस फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी अहम रोल में दिखाई दी हैं।

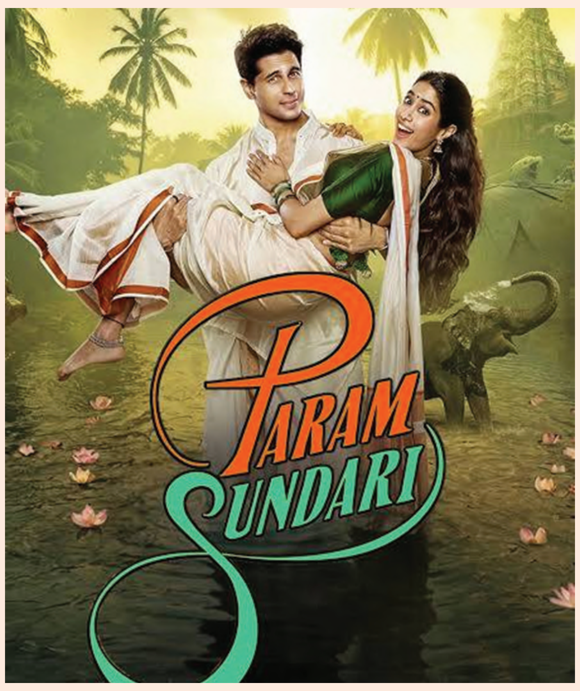

परम सुंदरी ने फर्स्ट वीकेंड चलाया जादू, टूट गए सिद्धार्थ-जाह्नवी की 12 फिल्मों के रिकॉर्ड

सिद्धार्थ मल्होत्रा-जाह्नवी कपूर की जोड़ी पहली बार 'परम सुंदरी' में बनी और 29 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म ने शुरुआती दो दिनों में ठीकठाक कमाई कर ली। फिल्म आज अपने पहले वीकेंड के आखिरी यानी तीसरे दिन के लिए बिजनेस कर रही है।

मैडॉक फिल्म्स की पेशकश 'परम सुंदरी' ने 'कुली'-'वॉर 2' जैसी फिल्मों के सामने अच्छा प्रदर्शन करते हुए आज कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। तो चलिए जानते हैं फिल्म की अब तक की कमाई और ये भी जानेंगे कि फिल्म ने कौन से रिकॉर्ड तोड़े हैं।

'परम सुंदरी' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने 'परम सुंदरी' की कमाई से जुड़े दो दिनों के ऑफिशियल आंकड़े शेयर किए हैं, जिसके मुताबिक फिल्म ने ओपनिंग डे पर 7.37 करोड़ रुपये और दूसरे दिन 10.07 करोड़ कमाते हुए टोटल 17.44 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया।

वहीं, तीसरे दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े सैक्निल्क पर अपडेट हो चुके हैं। इसके मुताबिक, फिल्म ने 8:10 बजे तक 8.84 करोड़ कमा लिए हैं। यानी फिल्म का टोटल कलेक्शन 26.28 करोड़ हो चुका है। सैक्निल्क पर उपलब्ध आज के आंकड़े फाइनल नहीं हैं। इसमें बदलाव हो सकता है। ये फिल्म सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर दोनों के लिए काफी खास हो चुकी है, क्योंकि ये दोनों की ही पिछली कई फिल्मों के ओपनिंग वीकेंड का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की इन फिल्मों के टूटे ओपनिंग वीकेंड कमाई के रिकॉर्ड

सिद्धार्थ ने अभी तक अपने करियर में 'परम सुंदरी' से पहले 13 फिल्में की हैं। नीचे बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक वो लिस्ट देख सकते हैं जिनके ओपनिंग वीकेंड कमाई को 'परम सुंदरी' पीछे कर चुकी है।

क्रिस्टल डिसूजा ने हाउस हेल्प से बनवाया सागर वेणी हेयरस्टाइल

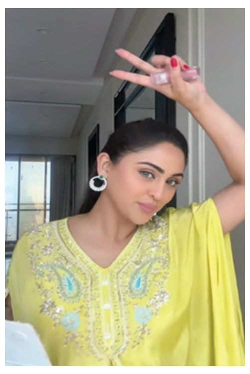

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा ने हाल ही में वेब सीरीज 'फर्स्ट कॉपी' में अपने किरदार से काफी सराहना बटोरी थी। अभिनेत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपनी हाउस हेल्प से 'सागर वेणी' हेयर स्टाइल बनवाती नजर आ रही हैं। क्रिस्टिल ने वीडियो पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, उर्मिला दीदी, जो मेरी हाउस हेल्प हैं, उन्होंने आज घर के काम छोड़कर हर चीज में मदद की। लुक की बात करें तो अभिनेत्री ने लाइट येलो कलर के सूट के साथ मिनिमल मेकअप किया है। वहीं, लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने सिल्वर कलर के इयररिंग पहने हैं, जो उन पर और भी प्यारे लग रहे हैं। क्रिस्टल ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2007 में टीवी सीरियल 'कहे ना कहे' में किंजल के किरदार से की थी। उन्हें घर-घर में पहचान टीवी सीरियल 'एक हजारों में मेरी बहना है' से मिली थी।इस शो में उन्होंने जीविका वढ़ेरा की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'इस प्यार को क्या नाम दूं?', 'साथ निभाना साथिया', 'दीया और बाती हम', और 'प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा' जैसे टीवी शो में गेस्ट अपीरियंस के तौर पर नजर आईं थीं। वहीं, क्रिस्टल ने डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा 7' और 'बॉक्स क्रिकेट लीग' में भी भाग लिया था। उन्होंने रूमी जाफरी द्वारा निर्देशित और सह-लिखित मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म 'चेहरे' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी।

लोका चैप्टर 1 ने शुरू की बॉक्स ऑफिस पर तबाही, सुपरहीरो फिल्म ने उठाया बवंडर

मलयालम सिनेमा की नई पेशकश 'लोका चैप्टर 1-चंद्रा' 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज की गई। फिल्म के साथ मोहनलाल की 'हृदयपूर्वम' भी रिलीज की गई थी, जिसे 'लोका चैप्टर 1' ने ओपनिंग डे को छोड़ दें, तो बाकी के दिनों में मात दी है।

ये एक सुपरनैचुरल फिल्म है जिसमें प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन फीमेल सुपरहीरो के तौर पर दिखी हैं। फिल्म का ओपनिंग डे कलेक्शन भले कम रहा हो, लेकिन पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ की वजह से फिल्म के शोज भी बढ़ाए गए और इसकी कमाई भी बढ़ती चली गई। तो चलिए जानते हैं फिल्म की अब तक की कमाई।

'लोका चैप्टर 1' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 2।7 करोड़ रुपये कमाए थे, लेकिन अगले दो दिनों में ये कमाई 4 करोड़ और 7।4 करोड़ हो गई। वहीं आज यानी चौथे दिन फिल्म ने सबसे ज्यादा कमाई कर ली है।

सैक्निल्क के मुताबिक, फिल्म ने 7:20 बजे तक 5।77 करोड़ रुपये कमाते हुए टोटल 19।87 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है। ये आंकड़े फाइनल नहीं हैं। अभी इनमें बदलाव हो सकता है।

'लोका चैप्टर 1' का बजट और वर्ल्डवाइड कलेक्शन

सैक्निल्क के मुताबिक 'लोका चैप्टर 1' का बजट 30 करोड़ है और इसने 3 दिनों में ही पूरा बजट निकाल लिया है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 3 दिन में 39।50 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। इसमें आज का घरेलू कलेक्शन जोड़ दें तो ये 50 करोड़ के करीब पहुंचता है। यानी फिल्म पहले ही वीकेंड में हिट हो चुकी है।

'लोका चैप्टर 1' के बारे में

इस फिल्म से दुलकर सलमान और टोविनो थॉमस जैसे बड़े नाम जुड़े हुए हैं। फिल्म देखकर निकल रहे दर्शकों ने फिल्म की तारीफ में सोशल मीडिया पर खूब कसीदे पढ़े हैं। डोमिनिक अरुण के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म के नाम पहली मलयालम सुपरहीरो फिल्म का टैग भी जुड़ गया है।

फिल्म की कमाई जिस तरह से हर दिन बढ़ती जा रही है, उसे देखकर लग रहा है कि 'सु फ्रॉम सो' और 'महावतार नरसिम्हा' ने जो इतिहास दोहराया था वैसा ही ये फिल्म भी दोहरा सकती है। इन सभी फिल्मों में ये समानता है कि इनका बजट बहुत कम है और इनकी कमाई धीरे-धीरे बढ़ती गई है।

बागी 4 अभिनेत्री सोनम बाजवा के नए पोस्ट ने मचाया बवाल

सोनम बाजवा इन दिनों अपनी नई फिल्म बागी 4 को लेकर चर्चा में हैं लेकिन इसके अलावा उनकी लेटेस्ट तस्वीरों ने एक बार फिर उनका नाम सुर्खियों में डाल दिया है। हालिया पोस्ट में एक्ट्रेस बेहद हसीन लग रही हैं। सोनम बाजवा फिल्मों के साथ- साथ सोशल मीडिया पर भी अपना जलवा बिखेरती नजर आती हैं। हर बार ही वो अपने ग्लैमरस लुक्स से ऑडियंस को दीवाना बना लेती हैं।

हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ फोटोज शेयर की हैं जो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं और फैंस भी इन तस्वीरों से अपनी निगाहें नहीं हटा पा रहे हैं। वायरल तस्वीरों में सोनम बाजवा का सिजलिंग लुक देखने को मिलता है जहां वो वाइन कलर के बॉडीकॉन ऑउटफिट में कहर ढा रही हैं। खुले बालों और ग्लॉसी मेकअप में हसीना बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। इस वाइन कलर की आउटफिट के साथ उन्होंने एक बड़ी सी रिंग और एक वॉच पहनी है। इस स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ एक्ट्रेस ने अपना लुक कंप्लीट किया है। पोस्ट शेयर करने के महज कुछ ही मिनटों में फैंस ने उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कमेंट्स की बारिश कर दी है। पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में ये बताया कि उनकी अपकमिंग फिल्म बागी 4 जल्द ही रिलीज होने वाली है और इसके साथ ही उन्होंने रिलीज डेट का भी जिक्र किया है। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी ग्लैमर से तड़का लगाने के बाद सोनम बाजवा अब अपने मेहनत और टैलेंट से बॉलीवुड में भी अपने कदम जमाने की कोशिश कर रही हैं। अब फैंस उनकी अगली फिल्म का इंतजार बेसब्री से कर रहे हैं। सोनम बाजवा को आखिरी बार 'हाउसफुल 5' में देखा गया था।

अब उनकी फिल्म 'बागी 4' भी रिलीज होने वाली है। ये फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके अलावा उन्हें हर्षवर्धन राणे के साथ फिल्म 'एक दीवाने की दीवानीयत' में भी देखा जाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार पा सकते हैं। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आज आप एक ऐसी परियोजना पूरी कर राहत की सांस लेंगे, जिसे आपके बहुत पहले शुरू किया था। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता हैं हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ दिलचस्पी पैदा करेगा अचानक आज आप काम से छुट्टी लेने का प्लान बना सकते हैं और अपने परिवार के साथ वक्त बिता सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाध–ारण काम करने की क्षमता देगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भा–गदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी । भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने बच्चों को अपने उदार बर्ताव का बेजा फ़ायदा न उठाने दें। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। उनसे किसी भी तरह का वादा करने से पहले यह देख लें कि आपका काम उससे प्रभावित न हो किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगें

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फँसने से बचे रहेंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सकारात्मक सोच के ज़रिए इस समस्या से निजात पाएँ। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। अपने प्रिय की बेजा मांग के आगे न झुकें। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। पूजा–पाठ का आयोजन घर मे होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। आपका आकर्षक स्वभाव और ख़ुशमिज़ाज व्यक्तित्व नए दोस्त बनाने में आपकी मदद करेगा और आपके सम्पर्क में इज़ाफ़ा करेगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 01 सितंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद, शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 02:45 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 07:56 तक
योग : विष्कुंभ सायं 04:36 तक
करण : बालव दोपहर 01:56 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 07:56 तक
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– दुर्गा नवमी , अदुःख नवमी , भागवत सप्ताह आरंभ , गण्डमूल चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बरसात के मौसम से निपटने के लिए हरियाणा सरकार पूरी तरह अलर्ट : सैनी

चंडीगढ़, 31 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बरसात के मौसम को लेकर प्रदेश सरकार और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और हर परिस्थिति से निपटने का तैयार है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के किसी भी नागरिक को कोई हानि ना पहुंचे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि ऐसे मौसम में जनता भी सावधानी बरते। पहाड़ी क्षेत्र में जाने से बचे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को कुरुक्षेत्र के द्रोणाचार्य खेल स्टेडियम में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने खेल परिसर में खिलाड़ियों के साथ वालीबाल भी खेला और तीन प्वाइंट भी लिए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व में देश का मान–सम्मान बढ़ाया है। देश के जरुरतमंद और गरीबो की मदद की है। इस बात को विपक्ष हजम नहीं कर पा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की भूमि से भगवान बुद्ध ने अपना संदेश दिया, चाणक्य जैसे बुद्धिमान नीतिकार पैदा किए, श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने बिहार से प्रकाश फैलाया। ऐसी पवित्र भूमि पर कांग्रेस शीर्ष नेता राहुल गांधी की टिप्पणी शोभनीय नहीं है। उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष अपने कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों को बताने का काम करे। यदि तब काम किए होते तो आज ईवीएम को दोष ना देते। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस के सच को जानकर नकार चुकी है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 सालों में देश में अभूतपूर्व विकास कर विश्वभर में सम्मान दिलवाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इजराइल युद्ध पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि युद्ध में हानियां होना तय है, कहीं जान तो कहीं माल का नुकसान होता है। उन्होंने टैरिफ पर पूछे गए सवाल पर कहा कि देश का नेतृत्व मजबूत हाथों में हैं। भारत किसी भी स्थिति से निपटने की क्षमता रखता है। लगातार देश की जीडीपी में सुधार हो रहा है। देश में लगातार राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे मार्ग, यूनिवर्सिटी सहित अनेक विकास कार्यों को गति से करवाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनाव से पहले संकल्प पत्र में बहनों को 2100 रुपए देने का वायदा किया था, जिसके लिए इस वर्ष के बजट में 5000 करोड़ रुपए का प्रा–वधान किया गया है। अब 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना का पोर्टल लांच किया जाएगा। इस पोर्टल से बहनें अपना आवेदन कर सकती है। पहले फेज में 20 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसके बाद दूसरा फेज लाया जाएगा और फिर तीसरा फेज भी आएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने भी महिलाओं को सम्मान दिए जाने की घोषणाएं की थी, जिन प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार है महिलाओं के लिए कोई योजना शुरू नहीं की गई ।

युवा खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं : नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र।, 31 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेल को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएं और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की तरह अनुशासन, मेहनत और समर्पण के मार्ग पर चलें। उन्होंने वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों में हरियाणा के खिलाडियों द्वारा सबसे अधिक मैडल जीतने के लिए प्रेरित भी किया।

मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित साइक्लाथोन कार्यक्रम में युवाओं को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले , मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्रमदान करके स्वच्छ कुरुक्षेत्र , मेरा कुरुक्षेत्र , मेरा अभिमान का शुभारम्भ किया। हरियाणा के खेल विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में साइक्लाथोन और स्वच्छता को जोड़कर युवाओं को स्वच्छ और स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री ने साइक्लाथोन में हिस्सा लेने से पूर्व मेरा कुरुक्षेत्र , मेरा अभिमान वेबसाइट भी लांच की जिस पर कुरुक्षेत्र के लोग स्वच्छता से संबंधित फोटो अपलोड करके अपने सर्टिफ़िकेट डाऊनलोड कर सकते हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जो व्यक्ति को ही नहीं, पूरे परिवार और समाज को खोखला कर देती है। यह न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक ताने–बाने को भी कमजोर करता है।

उन्होंने मेजर ध्यानचंद को उनके जन्मदिवस पर नमन करते हुए कहा कि मेजर ध्यान चन्द हमारे युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में इसीलिए मनाया जाता है, ताकि हमारे खिलाड़ी उनके जैसी लगन और मेहनत करके वैसी ही उपलब्धियां प्राप्त करने के लिए प्रेरित हों।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मेजर ध्यान चन्द भारत माता के महान सपूत थे। उनके नेतृत्व में भारतीयों ने हॉकी का स्वर्णिम इतिहास रचा। इसके फलस्वरूप हॉकी को 'राष्ट्रीय खेल' का दर्जा मिला। उन्होंने भारतीय हॉकी टीम को उन बुलन्दियों पर पहुंचाया, जिनसे हमने तीन बार ओलम्पिक स्वर्ण पदक जीते। यह किसी भी राष्ट्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय खेल दिवस का थीम 'एक घंटा, खेल के मैदान में' है। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें केवल आज ही एक घंटा खेलना है। इसका अर्थ है कि हमें हर रोज एक घंटा खेल को देना है ताकि हम शारीरिक और मानसिक रूप से फिट रह सकें। ऐसा होने पर ही हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया–हिट इंडिया' के विजन को साकार कर पाएंगे।

नायब सिंह सैनी ने खिलाड़ियों की ओर मुख़ातिब होते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी वर्ष 2036 के ओलम्पिक खेलों में भारत को खेल महाशक्ति बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने उन खेलों को भारत में करवाने का संकल्प भी व्यक्त किया है। मुझे विश्वास है कि उस समय आप जैसे हरियाणा के खिलाड़ी सबसे अधिक पदक जीतकर देश का नाम रोशन करेंगे। इसके लिए हम पहले से ही तैयारियां शुरू कर चुके हैं। हमारा सपना है कि हरियाणा का हर गांव–हर शहर एक ऐसा खिलाड़ी दे, जो विश्व मंच पर भारत का परचम लहराए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि हरियाणा को 'खेलों की नर्सरी' कहा जाता है। प्रदेश के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है।

युवा पीढ़ी में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और समर्पण को देख गर्व की अनुभूति होती है : बड़ौली

चंडीगढ़, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए खेल अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है जो हमारे शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बड़ौली ने रविवार को सोनीपत के सेक्टर–4 स्थित हॉकी स्टेडियम में खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक खिलाड़ी अपने आप में समाज के लिए हीरो होता है। यहां उन्होंने हॉकी के जादूगर पद्म भूषण मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर नमन किया और खिलाड़ियों से मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। बड़ौली ने मेजर ध्यानचंद को युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार भी मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि इस वर्ष का थीम है – 'एक घंटा, खेल के मैदान में'। उन्होंने कहा कि यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया–हिट इंडिया' विजन को साकार करने का मार्ग है। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2036 के ओलंपिक में भारत को खेल महाशक्ति बनाने का संकल्प लिया है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि हरियाणा के खिलाड़ी सबसे अधिक पदक जीतकर देश का नाम विश्व पटल पर रोशन करेंगे। युवाओं को खेल के प्रति जागरूक करते हुए बड़ौली ने खिलाड़ियों के साथ संवाद कर उनके उत्साह और जज़्बे की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और समर्पण देखकर वास्तव में गर्व की अनुभूति होती है।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि नायब सरकार प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरियाणा के प्रत्येक जिले में खेल सुविधाओं को निरंतर सुदृढ़ कर रहे हैं। खेल नर्सरियां विकसित की जा रही है।

हरियाणा में मंत्रियों ने सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम

चंडीगढ़।, 31 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 125वें एपिसोड के माध्यम से देशवासियों से संवाद किया। इस अवसर पर हरियाणा के विभिन्न मंत्रियों ने कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ कार्यक्रम को सुना और अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं।

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अंबाला में लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। विज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जो लगातार लोगों के सुख–दुख के साथी बने रहते हैं और हर महीने देश की उपलब्धियों से अवगत कराते हैं। आज के एपिसोड में उन्होंने बरसाती आपदा पर संवेदना प्रकट की और राहत कार्य में जुटे जवानों व संस्थाओं की सराहना की। विज ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा पर फोकस किया और इसे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। किसानों के लिए सौर पंप व घरों में सोलर पैनल लगाने की सरकारी योजनाएं हैं। 1.80 लाख तक की आय वालों को 2 किलोवॉट कनेक्शन पर 1.10 लाख रुपये सब्सिडी मिलती है।

खेल तथा कानून एवं विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने पलवल में कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' कार्यक्रम में देशहित में योगदान देने वाले नागरिकों के अनुभवों को साझा करते हैं जिससे आमजन को प्रेरणा मिलती है।

'मन की बात' कार्यक्रम जन–जन से जुड़ने का सशक्त और प्रभावी माध्यम बन गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 'वोकल फॉर लोकल' को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री ने आज के कार्यक्रम में भी किया है। उन्होंने लोगों से स्वदेशी बनाने और स्वदेशी उपयोग करने का आह्वान किया।

भारत को डेड इकोनॉमी कहने वालों के लिए नए आंकड़े उनके चेहरे पर तमाचा है: गौरव बल्लभ

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर लगातार आलोचना के बाद भाजपा कार्यकर्ता और अर्थशास्त्री गौरव बल्लभ ने ताजा आर्थिक आंकड़ों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पहले क्वार्टर 1 फाइनेंशियल ईयर 26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ को लेकर कहा, 7.1 प्रतिशत की दर से विकास कर रही अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी कहना पूरी तरह से नासमझी है।

गौरव बल्लभ ने आईएएनएस से कहा, जो लोग भारत में रहकर भारत की इकोनॉमी को 'डेड' बोल रहे थे, उनके लिए ये ग्रोथ एक करारा जवाब है। ये आंकड़े उन सभी चेहरों पर तमाचा हैं, जो देश की आर्थिक सेहत को लेकर गलत बयानबाजी कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि आज की तारीख में जब दुनिया की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाएं मंदी की मार झेल रही हैं, उस वक्त भारत अकेला ऐसा देश है जो 6.5 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत तक की ग्रोथ दर बनाए हुए है।

उन्होंने कहा, यह भारत की असली ताकत है, और इसका श्रेय देश की नीति, युवाओं की मेहनत और उद्योग जगत को जाता है। इसके साथ ही गौरव बल्लभ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरे को लेकर भी बयान दिया।उन्होंने कहा, पीएम मोदी अभी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने चीन गए हैं। पीएम मोदी ने पूरी दुनिया को तीन बड़ी बातें साफ–साफ कही हैं।

गणेशोत्सव पर्व मात्र नहीं है, यह सामाजिक एकजुटता की भारतीय संस्कृति : राज्यपाल

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को कांस्टीट्यूशनल क्लब में आयोजित गणेशोत्सव कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने गणेश मंदिर के पुजारियो सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले विद्यार्थियों और प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि गणेश उत्सव पर्व मात्र नहीं है, यह सामाजिक एकजुटता और परस्पर सद्भाव की भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने गणेश उत्सव समारोह मनाये जाने की परंपरा के इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकमान्य तिलक ने महाराष्ट्र में इस तरह के आयोजनों की शुरुआत इसलिए की थी कि समाज एकजुट हो और आजादी आंदोलन के लिए जागरूक हों।उन्होंने गणेश को विघ्नहर्ता बताते हुए कहा कि वह जीवन से जुड़े सभी संकटों को दूर करते हैं। उन्होंने प्रतिभा सम्मान समारोह को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि इससे दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है। इससे पहले राज्यपाल बागडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मन की बात कार्यक्रम को सुना।

विकसित भारत-विकसित राजस्थान के रोडमैप पर हो रहा तेजी से कार्य : भजनलाल

जयपुर, 31 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश आत्मनिर्भर बन रहा है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन देते हुए आने वाले त्यौहार के सीजन में स्वदेशी उत्पादों को खरीदें। इससे स्थानीय कारीगरों को अधिक से अधिक रोजगार मिलेगा और हमारे लघु एवं कुटीर उद्योग सशक्त होंगे।

शर्मा रविवार को दूदू में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम के दौरान कहा कि समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति के उत्थान से ही देश का विकास संभव है। उनके कल्याण से ही देश और प्रदेश की प्रगति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। विकास एवं गरीब कल्याण की योजनाओं की प्रभावी शुरूआत की गई। साथ ही, उनके मार्गदर्शन में आतंकवाद–नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विकसित राजस्थान का रोडमैप भी बनाया गया है। हम निरंतर इस दिशा में काम कर रहे हैं। राज्य सरकार संकल्प पत्र में किए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री शर्मा ने आह्वान किया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के हर जरूरतमंद तक पहुंचाने में आमजन सक्रिय भूमिका निभाएं।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल आपूर्ति और उपलब्धता के क्षेत्र में प्राथमिकता से कार्य कर रही है। रामजल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, गंगनहर, माही बांध जैसी परियोजनाओं के माध्यम से जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, 2027 तक प्रदेश के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 20 महीने में जो विकास कार्य करवाए हैं, उतने पूर्ववर्ती सरकार पांच साल में भी नहीं करवा पाई।

मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान के अंतर्गत पिछले वर्ष लगभग 7.5 करोड़ पौधे लगाए थे। इस वर्ष हमने 10 करोड़ का लक्ष्य रखा था, लेकिन 11 करोड़ से अधिक पौधारोपण का कार्य हुआ है। 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य है। उन्होंने आमजन से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में निरंतर बढ़ोतरी की जा रही है। पिछले वर्ष किसानों को गेहूं के एमएसपी पर 125 रूपए प्रति क्विंटल का बोनस दिया गया था। अब 150 रूपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस भी दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सभी क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रही है। दूदू के लिए 271 करोड़ रुपये की लागत से विश्व बैंक द्वारा ईपीसी मोड अंतर्गत स्वीकृत दूदू–सांभर–भाटीपुरा सड़क का निर्माण करवाया जा रहा है। साथ ही, 90 करोड़ रुपये से रसाईनी–मौजमाबाद–झाग–रामपुरा ऊँटी–बगरू सड़क निर्माण करवाया जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में राजद के पेंच में चित हुई थी कांग्रेस, अबकी बार दिल मांगे मोर...

पूर्णिया (एजेंसियां)। अगर लोकसभा चुनाव में पूर्णिया सीट पर अंत समय में राजद अपनी दावेदारी पेश नहीं करती तो सीमांचल के चार में से तीन सीटों पर कांग्रेस का कब्जा होता। यह कसक पार्टी को जरुर रही।

जिला कमेटी में निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के शामिल होने पर एक धरा नाखुश जरुर था, लेकिन सीट गंवाने का मलाल सभी को रहा। सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव चुनाव से ठीक पूर्व ही कांग्रेस में शामिल हुए थे और बेटिकट होने के बाद निर्दलीय चुनाव लड़े थे।

लोकसभा चुनाव में राजद के इस पेंच से चित हुई कांग्रेस विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी में सेंध रोकने व इसे और बढ़ाने की खातिर पहले से शोर तेज कर दी है।

महागठबंधन में जिले की सात विधानसभा क्षेत्र में सीट के लिहाज से

कांग्रेस व राजद बराबर पर है। अगर चुनाव परिणाम को आधार बनाया जाए तो कांग्रेस मजबूत है। कसबा से कांग्रेस के अफाक आलम तीसरी जीत दर्ज कर चुके हैं। अमौर व सदर में कांग्रेस चुनाव हार गई थी।

राजद ने यहां चार सीट क्रमशः धमदाहा, रुपौली, बायसी व बनमनखी से चुनाव लड़ा था और चारों सीट पर पार्टी के हिस्से हार ही रही थी। बाद में बायसी सीट से जीते ओवैसी की पार्टी के विधायक सैयद रुकनुद्दीन को राजद ने अपनी पार्टी में शामिल कर लिया था।

इधर कांग्रेस की जिला कमेटी गत चुनाव में भी पूर्णिया में राजद की अपेक्षा ज्यादा सीट का शोर मचायी थी, लेकिन परिणाम सिफर रहा था। इस बार भी जिला कमेटी इस बात को रखेगी और आलाकमान पर पूर्णिया में सीट बढ़ाने का तय प्रक्रिया के तहत दबाव भी बनाएगी।

पार्टी नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का कार्यक्रम पूर्णिया में अपेक्षा से भी बढ़कर सफल रही। सीमांचल के अन्य जिलों के अनुपात में पार्टी की राष्ट्रीय कमेटी ने इसे बेहतर माना है और इस चलते जिला कमेटी को विशेष प्रशस्ति पत्र भी मिला है। यह स्थिति जिला कमेटी के लिए उत्साहजनक भी है।

जिलाध्यक्ष विजेंद्र यादव बताते हैं कि यहां का कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा। निश्चित रुप से यह कांग्रेस की मजबूत जमीन का भी परिचायक है। पार्टी में अलाकमान के स्तर पर चार सितंबर तक सीटों का बंटवारा होगा।

तत्पश्चात क्षेत्रवार पार्टी के स्तर से सीट की संख्या तय की जाएगी। निश्चित रुप से इसके लिए जिला कमेटी का फीडबैक ही बड़ा आधार बनेगा। इसमें निश्चित रुप से उनलोगों की अधिक सीटों पर दावेदारी रहेगी।

कटिहार में सम्राट चौधरी का विपक्ष पर वार

राहुल गांधी के इटली वाले संस्कार हैं

पूर्णिया (एजेंसियां)। कटिहार जिले के कोढ़ा हाई स्कूल मैदान में शनिवार को एनडीए का कार्यकर्ता सम्मेलन शक्ति प्रदर्शन में बदल गया। मैदान में उमड़ी हजारों कार्यकर्ताओं की भीड़ और मंच से लगाए गए नारों ने माहौल को चुनावी रंग दे दिया। सभा को संबोधित करते हुए बिहार के डिप्टी सीएम और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी के सारे संस्कार इटली वाले हैं, उनमें हिंदुस्तानी संस्कार है ही नहीं।

इसी दौरान उन्होंने कांग्रेस और राजद पर आरोप लगाया कि उनके मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया, जो बेहद शर्मनाक है। विदेश नीति का जिक्र करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि अब ये मोदी जी का भारत है।

हम न तो नजर झुकाकर बात करते हैं, न नजर उठाकर, बल्कि नजर से नजर मिलाकर बात करते हैं।

कटिहार और सीमांचल में चल रही एसआईआर बहस पर कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी बिहारी या भारतीय का नाम लिस्ट से नहीं काटा जाएगा। लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों को हर हाल में वापस भेजा जाएगा। सभा के अंत में सम्राट चौधरी ने बड़ा चुनावी वादा भी किया। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार बनने पर सालाना एक करोड़ युवाओं को रोजगार और नौकरी दी जाएगी। कोढ़ा मैदान में हुए इस सम्मेलन में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। हर घोषणा पर जयकारे गूंजे और भारी भीड़ ने स्पष्ट संकेत दिया कि एनडीए ने कटिहार की धरती से चुनावी बिगुल फूंक दिया है।

दरभंगा में जल्द शुरू होगा एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण, जाम से मिलेगी मुक्ति

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा में बहुत जल्द लोगों को जाम से छुटकारा मिलने जा रही है और 13 किलोमीटर की यह उपरी मंजिल सड़क कॉरिडोर का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है।

मालूम हो की दरभंगा ऐकमी, लोहिया चौक से लेकर लहेरियासराय टावर चौक होते हुए कर्पूरी चौक, दोनार चौक तक और मुजियम गुमती से लेकर आयकर चौक, होते हुए बेलामोड़ तक बनने जा रही है।

मालूम हो की इस कॉरिडोर का निर्माण कार्य बीएसआरडीपी विभाग के द्वारा निर्माण कराया जाएगा। जिसकी प्राकलित राशि 1300 करोड़ की होगी।

कॉरिडोर निर्माण कार्य को लेकर विभाग के पदाधिकारियों की ओर से टेंडर भी हो चुका है और इसका निर्माण कार्य गाबर कंस्ट्रक्शन को दिया गया है। जो दो वर्ष मे तैयार करने की बात बताई गई है।

बता दें कि दरभंगा शहर में जाम की समस्याओं को लेकर आम लोगों को काफी मशक्कत करना पड़ता था। लेकिन अब इस कॉरिडोर के निर्माण होने से जाम की समस्याओं से लोगों को काफी निजात मिलेगी।

वहीं, शहर मे ओवरब्रिज निर्माण कार्य भी काफी तेजी से चल रही है। जिसमें बेलामोड, पंडासराय और दिल्लीमोड़, दोनार में ओवरब्रिज निर्माण कार्य चल रहा है।

हालांकि, ओवरब्रिज निर्माण कार्य को लेकर पुल निगम कार्यपालक अभियंता रूप नारायण शर्मा ने बताया की कुछ जगहों पर सड़क डायवर्सन भी तैयार किया जा रहा है। जो दिसम्बर माह तक पूरा करने की कोशिश की जा रही है।

सड़क निर्माण में घटिया ईट का हो रहा था उपयोग विरोध के बाद बदलने की कवायद शुरू

मुरलीगंज (मधेपुरा)(एजेंसियां)। प्रखंड क्षेत्र की जोरगामा पंचायत वार्ड संख्या 10 में विधायक निधि से कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने अनियमितता का आरोप लगाते हुए शनिवार को विरोध जताया।

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में घटिया ईट का प्रयोग कर नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। बताया गया कि विधायक निधि जोरगामा वार्ड 10 में फूलचंद ऋषिदेव के घर से अनिल भारती के बासा तक लगभग 600 फीट सड़क निर्माण होना है। जिसमें करीब 14 लाख रुपये की लागत आएगी।

वार्ड दस के सदस्य सह पंचायत के उपमुखिया अमित पासवान ने बताया कि महादलित बस्ती के समीप सड़क पर ईट सोलिंग का

काम हो रहा है। लेकिन कार्य स्थल पर न तो प्राक्कलन बोर्ड लगाया गया है और न ही काम की पारदर्शी जानकारी उपलब्ध है। बिना मिट्टी गिराए ही ईट सोलिंग की जा रही है जिसमें घटिया क्वालिटी की ईट का उपयोग किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया है। हालांकि मेरे विरोध के बाद मिट्टी गिराई गई लेकिन बिना मिट्टी को बिठाए ही घटिया क्वालिटी के ईट से सोलिंग बिछाना शुरू कर दिया गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य किस एजेंसी या किस योजना मद से कराया जा रहा है, इसकी कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं है।

समाजसेवी भारत भूषण सिंह ने कहा कि अधिकारियों और कार्य एजेंसी की मिलीभगत से घटिया क्वालिटी का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अधिकारी दफ्तर की कुर्सी पर बैठे कागजों पर हरी झंडी दिखा देते हैं, लेकिन स्थल जांच करना जरूरी नहीं समझते।

इसी का नतीजा है कि सड़क बनते ही टूटने लगती है और जनता को परेशानी झेलनी पड़ती है। सड़क 12 फीट चौड़ी बननी थी, लेकिन अतिक्रमण के कारण इसे 10 फीट में सीमित कर दिया गया है।

घटिया ईटों से यह सड़क टिकाऊ नहीं होगी और सरकारी धन की पूरी बर्बादी होगी।

जेई विक्रांत कौशिक ने कहा कि प्राक्कलन बोर्ड जल्द ही लगा दिया जाएगा। ईट बदलवाने का निर्देश दिया गया है और कार्य नियमपूर्वक कराने की बात कही गई है। हालांकि, उन्होंने कार्य एजेंसी की जानकारी देने से इनकार कर दिया।

हत्या मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर फायरिंग

परिजनों ने लगाया फर्जी मुठभेड़ का आरोप

सिवान (एजेंसियां)। थाना क्षेत्र के मतनपुरा में शनिवार की रात हत्या मामले में करीब चार वर्ष से फरार अभियुक्त को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर अभियुक्त द्वारा फायरिंग करने का मामला प्रकाश में आया है। इस दौरान जवाबी कार्रवाई में पुलिस द्वारा फायरिंग की गई जिससे गोली अभियुक्त धर्मेंद्र यादव के बाएं पैर में लग गई।

इस दौरान पुलिस ने अपनी देखरेख में घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई

जहां से चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बताया जाता है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि धर्मेंद्र यादव गांव के ही एक घर में छुपा हुआ है। तभी शनिवार की रात एसआईटी एवं भगवानपुर हाट थाना पुलिस ने चिह्नित घर की नाकेबंदी कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की। इस दौरान दोनों तरफ से गोली चली, जिससे धर्मेंद्र यादव के बाएं पैर में गोली लग गई। थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि 30 जनवरी 2021 में मूंदीपुर के एक कपड़ा व्यवसायी युवक मो. अलाउद्दीन के पुत्र साहेब हुसैन की हत्या मैरी मकसूसपुर गांव के समीप चंवर से होकर गुजरने वाली सड़क पर गोली मार कर दी गई थी। इसमें मतनपुरा निवासी धर्मेंद्र यादव आरोपित था। वह उसी समय से फरार चल रहा था।

थानाध्यक्ष ने बताया कि जब पुलिस उसके ठिकाने पर छापेमारी की तो उसकी तरफ से फायरिंग की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपित धर्मेंद्र पर हत्या, मारपीट सहित कई मामले भगवानपुर हाट, जनता बाजार, सिधवलिया थाना में दर्ज हैं।

पुलिस की गोली से घायल हत्यारोपी धर्मेंद्र यादव की छोटी बहन निशा कुमारी ने बताया कि पुलिस फर्जी मुठभेड़ दिखा रही है। उसने कहा कि पुलिस उसके भाई को पड़ोसी दीनानाथ पांडेय के घर से रात्रि 1.55 बजे सोया अवस्था में जगाकर गिरफ्तार की और तथा उसका मुंह बांधकर चार गाड़ियों के साथ करीब डेढ़ किलोमीटर दूर ले जाकर सुनसान जगह पर हत्या की नीयत से गोली मार दी। वहीं धर्मेंद्र के दिव्यांग पिता मदन यादव ने कहा कि पुलिस मेरे बेटा के साथ अन्याय की है।

जहानाबाद छात्र की मौत ने पकड़ा तूल, निजी स्कूल वाहन जब्त

जहानाबाद (एजेंसियां)। जिले में 28 अगस्त 2025 को एक छह वर्षीय छात्र की मौत के मामले में परिवहन विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। विभागीय जांच में पाया गया कि वाहन सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं था, जिसके बाद बस को जब्त कर लिया गया।

विभागीय जांच में पाया गया कि वाहन का फिटनेस प्रमाण पत्र फरवरी 2024 में ही समाप्त हो चुका था, बावजूद इसके संचालन किया जा रहा था।

चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन का बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी कागजात नहीं थे। साथ ही, चालक खतरनाक और लापरवाह तरीके से वाहन चला रहा था। बस स्वामी और चालक के विरुद्ध चालान अधिरोपित किया गया है और इनपर एमवी एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जहानाबाद के जिला परिवहन पदाधिकारी और मोटरयान निरीक्षक को निर्देश दिया गया है कि वे मोटरयान अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत स्कूल प्रशासन, वाहन स्वामी, वाहन चालक और अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करें।

बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। विभाग ने जिले के सभी निजी स्कूलों की जांच करने का निर्देश दिया है।

ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सरकार के तय सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं। सभी स्कूली वाहनों के पास फिटनेस, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र और वैध परमिट जैसे जरूरी कागजात होने चाहिए।

निजी स्कूलों पर लगाम लगाने के लिए परिवहन विभाग की ओर से बाकी सावधानियां बरती जा रही हैं। स्कूलों को सख्त निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

63 साल के बुजुर्ग ने बच्ची के साथ की दरिंदगी

पटना (एजेंसियां)। नालंदा में 63 साल के बुजुर्ग पर 11 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। घटना शनिवार की दोपहर बिन्द थाना क्षेत्र के एक गांव की है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने आरोपी को उसे घर के अंदर से गिरफ्तार कर लिया गया। थानेदार चंदन कुमार ने बताया कि बच्ची को मेडिकल जांच के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में सुपुर्द करने की प्रक्रिया की जा रही है। पीड़ित बच्ची के पिता ने बताया कि स्कूल से पढ़ाई कर बेटी घर लौट रही थी। तभी रास्ते में ही उसे दिलीप महतो द्वारा बिस्किट का प्रलोभन दिया गया। जिसके बाद वह बच्ची को अपने साथ घर लेकर चला गया। जहां उसने अपने बेडरूम में ले जाकर उसके साथ गलत काम किया। घटना के बाद दिलीप महतो ने किसी से कुछ भी बताने पर जान से मार देने की धमकी भी दिया था। आरोपी दिलीप महतो के घर से आने के बाद बच्ची अपने गौशाला में जाकर सो गई थी। बच्ची की मां बाजार से जब घर लौटी और अपने घर का कामकाज करने के बाद जब उनका ध्यान बेटी के ऊपर गया तो, उसे खोजबीन करने लगे। तब जाकर उनकी नजर मवेशियों के बीच सोई अपनी बेटी पर गई, जो खून से लथपथ थी।

खगड़िया अनुमंडल न्यायालय कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले नीतीश सरकार करेगी स्टॉफ बिल्डिंग का निर्माण

खगड़िया (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार ने अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय, गोगरी में कर्मचारियों के लिए आवासीय भवन निर्माण की बड़ी योजना को स्वीकृति प्रदान की है। यहां 16 करोड़ 40 लाख 20 हजार रुपये की लागत से टाईप-ए (जी +5), टाईप-बी (जी+5) एवं टाईप-सी (जी+5) प्रकार के बहुमंजिला आवासीय भवनों का निर्माण कराया जाएगा। चौधरी ने कहा- इस स्वीकृति के साथ गोगरी अनुमंडल में कर्मचारियों को आधुनिक और सुरक्षित

आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार न्यायालयों में कार्यरत जजों और कर्मचारियों को बेहतर कार्यपरिसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सरकार का मानना है कि यदि न्यायिक क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक संसाधन, आधारभूत संरचनाएं और अनुकूल कार्य वातावरण प्रदान किया जाए, तो आम जनता को समय पर और प्रभावी न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि हाल ही में सरकार ने न्यायिक भवनों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के संचालन और रखरखाव हेतु 18 करोड़ 46 लाख 44 हजार 472 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। इसी कड़ी में अब खगड़िया जिले के गोगरी में कर्मचारियों के लिए 16 करोड़ 40 लाख 20 हजार रुपये की लागत से बहुमंजिला आवासीय भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की है। इसके बन जाने से कर्मचारियों को काफी सुविधा होगी। उन्हें आवास के लिए अब कहीं भी भटकना नहीं पड़ेगा। बिहार सरकार की ओर से ये सुविधा दी जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com